







~%% श्रामा नाथ क्रिक्रे~

लघु जिथानी # करिय शक् कात, जश्मादात मात्र, जवार যোক্তার তিনি॥ আদি অন্ত সবং সকলের রব, মাবুদ কাদের গনি * একাসে যোক্তার, নাহি পরিবার, নেঘা তার সর্বব ঠাই॥ দাতা পরোহিতা, সকলের কত্তা,ক্ষেমতার হদ নাই * যত চরাচর, স্থাবর অস্থাবর, সব তার হইল বসে॥ আজ্ঞা অনুসারে, তারকির্তি জোরে, নৌকা বেড়ায় ভেদে * তরো২ কিন্তি, কুপায় ভূপতি, **लालि** लात करते जालि ॥ मश्**करि मन**त्र, विलाम मन्त्र, ज्यायत्र কাণ্ডারি তিনি * তিনির মহিমা, কে করিবে সীমা, অসিম মহিমা जात ॥ भीत भग्नभरत, ना भारित जात, कात माश्र भारत चात 🗱 আছ্মান জ্বিনে, জত হুরিত্তে, না পারিল হামদে। ছানা॥ কেবা र्वाद्यं निला, (कवा विद्यं रथेला, (कवा विद्यं कात्रथाना * जारिश बाल्ला भाक, क्रिम बाक्नाक, भग्ना किन कात्रमात्न॥ मशक्रम त्रष्ट्रमः, चार्याप यकतुम, (कवा चार्छ पाकाशाम * जिनि ना भातिन, क भातित्व वल, शमता छाना कतिवात् ॥ कतिया भियातः शार्खित काश्त, भग्नमा किल এ गश्माति क्ष वाित अ नामान, মুক্ষের প্রধান, কি জানি তারিফ তার॥ এক মুথে মেরা, শত মুখ ছারা, দেয় জদি পরোয়ার * পানি দরিয়ার, ছেহাই ভাহার, হয় मत्व किनि गिला। शाष्ट्र शाना चानि, कनग रुग्न किन्। कार्शिष्ठ टेश्टल * जुर्शियदा जात्र, ना श्रुत मामात्र, लिथियात् (म गश्या॥ कात माम्न ष्णाष्ट्र, ध्रनियात विष्ठ, कतिवात जात मिया * আমি হিন সান্দি, নাহি আছে বুন্দি, দেহ সান্দি সাধিবার ॥ তুমি जाकि। नाकि, नारि पितन नाकि कात्र नाकि भाग भाग क

* किन्छ। अक अ गर्शन महाभूति वशाम *

* রাগ পরার *

আজাএব কাহিনি अंक-रमात्या (यत्रामात्र॥ लिथिया कानाई কিছু বয়ান তাহার * পশ্চিম দেনেতে ছিলো মহোন নামেতি ৷ ভার ছানি সাধু নাহি ছিলো সে দেসেতে * ছাখাওত ছিলো वफ़ कि करव। वशान ॥ कि लिथिरवा शाल जात शाउँभ मभान 🐝 আলা তালা মাল এতো মহোনে দিইলো॥তাহার হেছাব আমি কি लिथिरवा वरला ऋ चाছिर ला चाउँ थाना हाल्लिम माकान ॥ शबिव কাঙ্গালে খানাখেলান পেলান*কোন বাতে গম নাহি আছিলভাহার চাকর নকোরে দেখে জান বরাবর * এক সতো ছিল থালি হাবসি ুগোলাম। অন্দোর মহলে তারা থাকিতো মদাম * লেঙ্গৌ আর मारे वान्ति जिन मद ছिल॥ शार्मिम मखद क्वाना हार् द्वा वाहिल * চার সওছিল খালি চাকোর নফোর॥ হাজি উঠ ঘোড়া ঘুড়ি ছিলেক বিশুর अ কত বাগ বাগিচা ও সুন্দর দেখিতে॥ মনো সোগদুরেজায় शिल म वार्शिक हिष्शा थानात वित्र व्यवंना क्रानेशावारिक থেলিতেছে দেখিতে বাহার * কাকাতুয়া হিরা মোন ভোভা বুক वृक्ति। नाट (थरल वार्यापट करडा बाडि शाकि * थक्षन थक्किन আর মউর মউরি॥সারি শুক খেলে আর কতনর নারি #এই সব চিত্রে माश्र वानिकरि छिल॥ दुकान वार्ड शम नाशि प्रतिख वाछिल 🗱 কিন্তু এক বাতে তার দেলে ছিল দাগ।। অন্ধকার ছিল ঘর নাছিলো (চরাগ ¾ (विधान कारवार्य वर्षा ছिल (वकानान ॥ दौरममा मालिए माउ। দরগাতে আলার * না আওলাদ কৈলে মুঝে আয় পাকবারি সোকর ছবোর বিনে আর নাহি পারি * এই বাতে দেলে বড়া রহে মোনস্তাপে॥আল্লা জাকে রাজিহয় রাখে কার বাপে* হাক্ষেলহইল বিবি এলাহির চাহা॥ পয়ারে রচিয়া অধিনেতে কহে এহা *

* 키न *

অগো কে বুঝিতে পারে প্রভু মহিমা তোমার।
সকোলি করিতে পারো অগো নৈরাকার *
পাহাড়কে করো আবাদিঃ জঙ্গোল কে করো নদি॥
তোমার কিন্তি বোঝে বিধিঃ সার্কো আছে কার *

10 *

बार्ज जिला इन क नय याम (शाकातित्ना, बाना (इस पिन चारेला, त्रङ् विवी वड़ा (श्रात्रमान॥ श्रानाह रहेला वियो, (जन म इंडेक्स निव, श्रामा क्लाहित मान * এत ছাই ছুরাত হেনো, ছুরাতের বান জেনো, সাগরেতে আদিয়া পৌছिলো॥ চাঁদ সুৰ্জ্জ ভার সাতে, না পারে তুলনা দিতে, সরো মেতে ছাপাইয়া গেলো * বান্দিগন তার পরেঃ কহে ছওদাগর ठटत्र, भोषिया कशिला थवत ॥ ছওদাগর এহা সোনে, দৌড়া ইয়া তভোকোনে, আইলেন মহোল ভিতর * দেখিয়া পুতেরমুখ भारमाहित्ला मव द्वथ, शूमिए अञ्चन कूल शिला॥ এए। शूमि र्टिला मार्चा, वर्यान क्रिटिंग छार्चा, क्लाम एक चारक्क रहेला ভার পরে গেলো চোলে, খুসিতে ভাণ্ডার খুলে, করিলেন বছতি থয়বাত।। চাহিয়া বেটার খুবি, ছওদাগর আর বিবী, দোওা মাজে ওঠাইয়া হাত * গরিব কাজাল গন, পাইয়া বছত ধোন, তালেবর रिला भ्राप्तर ॥ प्रथ निष्ठा देशा शिला, मरकालिए भूमि रिला, দোওা কতো জোনেং করে * সরদারে তারপরে, ডাকিয়া হুকুম করে, করিবারে খুসির ছামানা॥ শুনিয়া সরদার জতো, খুসির हाशाना करता, ठाँवेर मान वाशि दाना क्ष नाह वाका ठाँवेर, जांदाद সেমার নাই, নওবত বাজে মিনা রাতে। সহোরের চারি ধারে ১ निमा जायना वन्ति कार्यक्ष जाशा किया वाश्य प्रिथिए असे मरश রের জতে। জোনাঃ ঘরেতে না খায় খানাঃ মন মতো সকলেতে খায় 🛮 আপনার ঘর ছেড়েঃ এখানে রহিলো পড়ে: চায়েনেতে ফেরেন স্বায় * হেথা ফের মহোলেতেঃ গায় গিত খোসালিতেঃ (अत्रा मिन थुमि रेट्या (पत्न॥ नार्ष्ठिशाय ছत्म वत्मः वाश किवा পরি বন্দেঃ কেন্ড লাড়কানইয়া জে কোলে শুই থানি চরো নেডেঃ (नश्र निरुष्ट। তাতেঃ नाटि मत्व (शत्काम श्रतिष्ठा शिल्म वान। त्रमी मास्टिश यन (জনো লেয় काष्ट्रिः तमिरकत यन (छाला हैया * वारता তেরো বরছেরঃ ছেন সাল তাহাদেরঃ কি লিখিবো তাহাদেরছান॥ कुल्लिए करमान किन ३ पिथित म जाल वाल श्रिशिक शतन ष्य काम * এরপেতে নাচে গায় ३ খু मित (योकालाय यादिलक স্বার দেলেতে॥ মহাক্ষদ মুনসি বলে, মরসে, দর পাও তলেঃ গান अक (मार्गा मरकारमण्ड *

দেখো দেখে। হ সবি

জ্বেল নব চক্ল ভূমে পরেছে সিদা।
আহা কি নাসিকার রেখা; কিবা ছটী চক্ষু বাকা
দেখে মন জায় না রাখা, এ বাকা শণি।।
জ্বি পেতায় এ সামেরে, রাখিতাম হৃদ্ধাঝারে,
স্বণের ডোরা করে রাথিতাম খুনি *
মহাক্ষদ মুনসি বলে,
পরে এই মায়া জালে লিয়াছি ফাসি *

সাগ পয়ার *

এরপেতে নাচ ওালি মহলেতে গায়॥ কোদরত এলাহি রাজ (शाकात्रिय। कात्र 🗱 एक काश्त यकारनएक शिलन हिन्या।। जात পরে নজ্জ যেরে আনে বোলাইয়া গ্রুকহে মোহন ছওদাগর নজ্জ ন मकला। नाएकात बारु जान (पर्य जातन नामा चूल क बात নেক ছায়েত দেখে রাখা চাই নাম॥ নজ্জ ম সকলে স্থলে করে সেই काश * थूटन जादन नामा महत (मर्थन छनिया,॥ मान,म कविश्वा कर्ट माधून लागिया * किङ्ग ट्टेल नाम विद्याताणि ट्या निष्य (वारमात्मा वड़ा (कडार्विट क्य * चात्मम श्रेट्व क्रिनिट নারিবে॥ আর এ তারিফ বড়া দেখির কেতাবে ঋ তাহাবাদে নজ মেতে পাইয়া এনাম॥ চলিয়া আইলো সবে জার জে যোকাম এখানেতে ছওদাগর পুত্র পালিবারে॥ তুই দাই মোকরোর ত্র (अमारेवादा * मालान भारानान मारे माशिला कतिराजामारुवा ভর কেন্ত্র নাহি তালিতো জমিতে * দাই মামা এরপেতে পালিতে मागिला॥भाष्ठ माल भाष्ट कर्व किस्तर मिरेला *भाष्टां यानास তবে দিইলো পড়িতে॥কাবেল ওস্তাদ পেয়ে পড়ে দিন রাতে ঋদশ वर्त्तार्छत्र कर्व अरकात ठ्रेलाण यालाजाना अरमस्य पतिया जास पिला * वाकि ना द्रशिला किছु। होमा এलगा । এकिर मिस्सा জে হইলো তালেম# ছনুর হেকমত ফের দিখিতে লাগিলোঃকেছ ना जिनिए भारत अयुष्ठारे र्रेला * (थाए। त्रां मिथितन এলেম তামাম আলেমের কাছে বড়া হইলেক নাম * হরুর হেক

মত কাম সিখিলো তারুত॥ লড়ায়ের ফলে বড়া হইল মজরুত #

দেখি বড়া হলো ছানিয়ার * এই রূপে ভাবে নাধু আপনার নোনেতে ॥ লাড়কারে ভেজিবো এবে বানিজ্জো করিতে * এতেক ভাবিরা নাধু কিন্ধরে ডাকিয়া॥ ছওদাগরি কামে জাহো জাহাজ লইয়া * এ কথা কিন্ধর শুনে আরোজগোজারে ॥ থরিদ করিয়ামাল দেহোনা আমারে * ছওদাগরি কামে জাবো দোনো বাবা জান ॥ পিয়ারে রচিয়া কহে অধাম নাদান *

* ছওদাগর জাদা কিন্তর ছওদাগরিতে জায় *

পরার ছদ্দ * ছওদাগর জাদ। কহে কদ্যে বাপের॥ ছাতিপরে হাত দিয়া করেন জাহের # ছফোরের ছরোঞ্জাম খরিদ করিয়া॥ (मर्टा **बारि** वांवा कान बागात नाशिय़ा * ছওদাগর এই क्शा বেটার শুনিয়া * বাগে২ দেলবিচে খোদাল হইয়া * ভালো২ চিজ বস্ত পরিদ করিয়া॥ সাত খান জাহাজেতে দিলো চাপাইয়া ৠতার পরে ছায়েত বুঝিয়া ছওদাগর॥ মালিক কাপ্তান দিয়া চাকোর লফোর * বিদায় করিয়া দিলো কিস্করের তরে॥ মানাইয়া বছতর স্পালার দরবারে * বাদ বান থেচে বান্দে নঙ্গর তুলিয়া॥ হাওাভরে **इतन** किन्छ खराजा भारेया * ब्राफ मिन इतन किन्छ मृतिया छेभत् ॥ রাহা বিচে কোন থানে আরাম না করে # এই রূপে এক মাস গোল विद्या (गत्ना॥ (मार्ছाता मर्दात এक कार्रेश (भोहित्ना क्ष कार्रेश শৌছিলো জদি দরিয়া কেনারে॥ জাহাজ নজোর কৈলভাবিয়া **भारि**शत * मरहादित (लाग क(ত। थवत भारेगा। गराकन (लाग **৺তে।** পৌছিলে। আসিয়া রু সকলে করিলো দেখা কিন্ধরের শাতে।। ভালা বুরা বাত চিত করে নানা মতে * তাহা বাদে জে জাহার চিজের দরকার॥ খরিদ করিয়া লিলে। থোসাল হাজার * ভাহাতে বহুত নাফা কিঙ্করের হৈলো॥ সে দেসের চিজ্ঞ ফের থরিদ করিলোঃ নম্পর তুলিয়া দিলো জাহাজ খুলিয়া৷ ওঠাইয়া দিল পাল চলিল ভাদিয়া * কতে। দিন এরপেতে ভাসিয়া চলিল। বন্ধোর বিচেতে এক জাইয়া পৌছিল * সেই দেসে বাদ্যা এক বড়া শামদার। হাসমত দাবদবা আর জোরে জোরোয়ার* থানং বলিয়া

नाम वानमात चाहित्ना ॥ जाशात कात्तित्रकथा करजा छूत शित्ना क जनकात धरितम वापमा भाशक काफिटजा॥ (मर्गन छत भिर्म ভাপিয়া জাইতো # ভার পরে কিন্ধর আড়ায় উঠিয়া ॥ দামামার চোট মারে এলাহি ভাবিয়া * তামাম সহোরে তার হইলো থবর ष्यामिया (भोहित्ना এक नामि ছওদাগর * খানং यानमाकि अवव শুনিলো॥ কোতওালে ভেজিয়া দেহো উল্বির কহিল * উজির 💖 নিয়া দিল ভেজিয়া কোতণ্ডালে॥কোতণ্ডাল ছকুম পেয়ে সেই যড়ি চলে क्षर्यथार्नि किङ्ग (त्रत जाशक घारिए ॥ (काज्जान भीक्रिन গিয়া জাহাজঘাটেতে *বাদসার হুকুমজাহা কহিল তাহায়৷৷আলম্পা ना এই यति বোলায় তোমায় * স্থান ছওদাগর জাদা খুসিতে ভরিয়া॥ কোডওালের তরে কহে ছালাম জে দিয়াঞ্জ বাদসারছকুম यिता जोक मिक्नाति॥ এই घि कावा यात्रि ना कतिया पिति * এड विन এक थान नहेशा वाक्जावा॥ नान गिं मानाहेशा कार्ड नाश সোবা# তার পরে কিঙ্কর লেবাছ পিনিয়া॥ সেই খাঞ্চা গোলামের गांशा পরে দিয়া * চাকোর নফোর লিয়া জাহাজ হইতে॥ ছওদা গর জাদাওতারিলকেনারেতে # আগেতে কোতওালচলে পিছেতে किञ्जत ॥ जारेया (शोहिल मदि वाषमा वदावत * विमया जार्ड्स বাদসা তক্তোরোগ্রা পরে॥ চারদিগে উজির নাজির আছে খিরে 🗰 শকিব চোবদার কত ঘিরে চৌদিগেতে॥ চামোর ফেরায় কেছ বাছ সার গায়েতে *দেখিয়া উদ্ধিরজাদা আদোবরাখিয়া॥ ছালামতছালম করেছের ঝোকাইয়া * তার পরে হাতে২ নকিব চোবদার॥ ছও গাত পৌছাইল হুজুরে বাদ্দার * ছওগাত দেখিয়া দাহা হাজার খোসাল॥ কিম্মতের ওর নাই সেই সব মাল * তার পরে বাদসা কহে কিন্তর লাগিয়া ॥ কোন দেনে ঘর বাবা কহে। বোঝাইয়া কোরনেস করিয়া কহে ছওদাগরজাদা॥ আলম্পানা বাদসা জিউ দওলত জেয়াদা * ফলানা দেসেতে মেরা জানিবে মোকাম॥ ছও দাগরি পেসাএই জান মেরা কাম **মুল্ল,কে২ ফিরি ছওদাগরিভেসে কেছমতের জোরে পৌছি আপনার দেনে * বাদসা স্থনিয়া ফের लाशिल कहिर्छ॥ अगन रायरम स्वतं (एम विर्माटमार्छ * माराम मा বাপ তেরা কলেজা ধরিয়া॥ বিদেশে ভেজিয়া দিল ভোমার লাগিয়া এতেক বলিয়া সাহা কিষ্করের তরে॥বসাইলসাধুবরে কুরছির উপরে

वर्ड (পরার করে ছওদাগর জাদায়॥বানা পানি নিয়াযত জানিয়া বৈলায়*তাবাদে কিন্ধরে কহে বেডর হইয়॥আমার সহোরেফেরো বেবসা করিয়া #আর জদি থাকিবারে চাহো বাবাজান ॥ থাকিবারে দিই এক পাকিজা মাকান * কিন্তুর শুনিয়া কহে জত দিন রবো॥ শহোরে ছায়ের কোরে লাহাজেতে রবো* আপনার দোওা হৈতে সোনো নামদার॥ কোনো বাতে কমিনাহি জাহাজেআমার *কাদসা अनिया एक माशिम किट्छ॥ अट्छा मिन यद वावा (यवाम्हा-রেতে * রোজ ং দেখা দিয়া জাবে একবার॥ খোদাল হইবো তেরা मिथिएन किनात * जारावादन कामा काफा किक्क जि वानिया। जाश् ব্রেআলম্পানাদিল পেন্দাইয়া শ্লন্থ ওদাগর জাদা তবে এনামপাইয়া হালাম করিয়া চলে রোগছত হইয়া * পৌছিলেক আপনার জাহা জের পরে॥ খুসি খোসালিতে রহে গম নাহি করে র্ রোজ্ জায় ষদি হুজ্বে বাদাসার॥ দেখা দিয়া জাহাজেতে আসেআরবার#এক निन वरमिष्टन वानमात्ररुष्ट्राक्षाद्भात्म कात्न अकमक्त भोष्टिलमञ्जवादत বাদসাকে ছালামকরে আদোব রাখিয়া৷আপনার হাল কৈল বাদসার লাগিয়া * নও জয়ান কহেফের বাদসা বরাবরে ॥সরকারে নওকরি কিছু চাহি করি বারে * বহু তুর হৈতে আমি এসেছি হেথায়॥ নামের ছেফোত লোগ মুখে সোনা জায় * এখাতেরে আসিয়াছি मान नामनात्र॥ करनारम चारताक এই मान नामनात * वानमा वरन খোড়া রোজরহ মেরা ডেরে॥নওকরি দেলাব আমি ভোমার খাতেরে এরছাই সুনিয়া মৰ্দ্ধ ভরিল খুশিতে॥ হাজের থাকিত রোজ বাদসার আগেতে * এই রুপে কতো দিন খুশিতে গোজারে॥ মহাক্ষদ মুনশি কহে রচিয়া পয়ারে *

* এক বিদেসি জওানের জবানি কমলা বতির ছুরত

* স্থানিয়া কিঙ্কর বেকারার হয় ও আথেরে ফ্রি

* রের ভেসে তালাসে জায় তাহার বঁয়ান

*

* পরার ছন্দ *

এই রুপে সেই মর্দ্ধ বাদসার দরবারে॥ রোজ্য দরবারেতে আসা জাওা করে * কিঞ্চরের সাতে বড় মহব্বত হৈল॥ লহজা ভর

কেন্ত্ৰ কারে ছাড়িতে নারিল * কথন জাহাজে আসে লইয়া তাহায় দরবারেতে কভুং চুজনাতে জায় * এক রোজ কিন্তুর পুছিতে লাগিল॥কোন দেশে ঘর ভাই বিবে।রিয়া বল * স্থানিয়া জওান कट्ट (मान नागनात्र॥ शिक्ष्मां एएटमट्ड यत कानित्व वागात * দক্ষিন রাজ্জেতে ছিন্ন করিতে নওকরি॥ অন্দর মহলে রোজ আসা জাওাকরি রুসুনে ছওদাগর জাদা ফের তারে কয়। রাজার আহওাল किছ (माना ও আমায় ३ किमन (म नत्र भिक्त किमन विष्ठात ॥ किमन পালোন করেরায়েত প্রজার 🗱 পুত্র কন্যা কয় জোনা কহ মোর ভরে॥ এ কথা জন্তান শুনে কহেন কিন্ধরে * কি কবো ভারিফ তার সুন ছওদাগর॥ এক মুখে নাহি হয় বয়ান তাহার 🗱 আবহাওা মিঠাই বহিছে হামেদ॥ খুদি খোলালিতে দবে করেন আয়েশ * জতেক রায়েতগন খুশি ঘরেই ॥ গম পেরেশানি কেহু জানিতে না পারে * কি কবো হাশমত আমি সেইত রাজার॥ সেই দেনে কাম চলে হোকুমে তাহার * বেশোমার মাল মাতা আর হাতি যোড়া। ছেপাই কেলার বিচে কতো আছে খাড়া * বাগ ভাল কতো সতো মহিষ গাণ্ডার | মেড়া মেড়ি গর গাধা কে করে সোমার * গলি कुठा किवा जाठा भाग व्याभित्रामा॥ त्राग त्माग छूत व्याय तिथ (यह (क्वाना *६) पिरिश्व श्वाप्य मिन्य शामिया अलक्या विर्वे अञ्चलिय তাছির 🗱 চার্নিগে কুরছি ফেলা সোনা জড়া তায়॥ অতি সু গঠন চক্ষু ধরা নাহিজায় 🗱 আর তার চারদিগে কুলের কিয়ারি॥ কুসুম মালোতি ফুটীয়াছে সারি২ * কতো জাতি ফুল তায় রহিয়াছে ফুটে মধু লোভে ভ্রমরা জে বেড়াইছে ছুটে * গন্দরাজ জুই জবা মল্লিকে शालाजि॥ शाक्षाव मिर्जाज वात कर्जानाना काजि # शालाव हेशब हाला क्रिहिष्ट हार्याला। यशु बारम छन छन कब्रिएहर ওলি * আর শুন ছদাগর আরজ আমার॥ এক বেটা বিনে ভার किट्य नार्थि व्यावक्षिवाद्या वर्षा क्रिक क्रिय देश क्रिय माम ॥ कि क्रिया রূপের কথা সুর্জ্জের মেছাল ¾ধপ ধপ জলে হেন আন্ধারার বিচে॥ মুত্তন জৌবন তাহে বাহার দিয়াছে * কি কবো মাধার কেস কাল মাগ হেন॥ যুক্তরি বালেতে খোসরু আতর জেমন * আসিয়া পড়েছে কেদনিচেতে জানুর॥ পেশানি উপরে জেন চমকিতেছে নুর * কি करिव पूछी थाँ थि वशान करिया॥ (करना व क्लाइ भानि कलाइ

বহিয়া * আহা কি চক্ষের পরে ভুক তৃটি জোড়া॥ সেকারিতে কামানেতে দিইয়াছে চড়া * না সিকার কথা আর কি দিবো সাবাসি রাধিকার মোন লোভা প্রীক্ষের বাসি * কিদিবো ভুলনা আমি সে দৃটী ঠোটের ॥ জেনো আলতা গোলা আছে উপরে মুখের * আর'সে বত্রিস দ'তে কি কহিব হায়॥আনারের দানা হেনো আয়না চমকায় * কি কব গলার কথা নাহি জায় লেখা ॥ পান খেলে লালি তায় সব জায় দেখা * আর তার তুটী হাত বেলুন মতন ॥ কুন্দিকারে কুন্দে কাট রাখিল জেমন * আর কমর তার এমন বা কিক ॥ ধরিলে পাঞ্জায় তার ধরা জায় ঠিক * তুইটি চরন তার কি কব বাধানি।চলিলে চলন তার জেমনখঞ্জনি * কি কপে কহিব আমি সে কুপের বানি ॥ সে কুপ দেখিলে তপ ছেড়ে দেয় মনি * অধ্যনাপাক কহে জনাবেসবার॥ মধ্র সুরেতেগান সোন বেরাদার

* গান রাগিনি বাহার তাল আড়া থেমটা
ধন্ন ধন্ন বিধি সেযে ধন্ন কারিগর ॥

কি গড়ন গড়েছে বাঁকা, বাঁকা চমৎ কার
কিবা সে নয়নের রেখা, কিবা হুটী চক্ষু বাঁকা, আহা মরি
কিবা বাঁকা, চলন তাহার ॥ কি দিব রূপের তুলনা,
আমি তাহা খুজে পাই না, দেখুলে পরে মনি জোনা;
অমনি প্রানে হয় সংহার
হন কবিকারে বলে, মোর
সেদের পদতলে, না দেখির ভুমগুলে, হেনরূপ ভিজকার
*

ঞ্চ রাগ পয়ার *****

কিন্তুর তামাম হাল জখন শুনিল। কান লাগাইয়া মন্দ সুনিতে আছিল* এক্ষে জোণ ছের পরে চড়িল আসিয়া। মজবুতের সাতে ভারে লইল বান্ধিয়া * না দেখে বিবির ভরে সাধুর কুমার। বেগ ড়িয়া গেল দেল না মানে কারার * ধাওা পেওা নিন্দ ভুক সকলি ছাড়িল। সদাই জে নাম তার জপো মালা হৈল * শুনিয়া বিবির কথা নিন্দ নাহি ধরে। দেলের চক্ষেতে কান্দে ফোকারিতে নারে * জাহাজ হৈতে কল্প নাবিয়া আড়াতে। কমলা বভির ভরে লাগিল

4 3. *

চুড়িতে * কখন জাহাজে মদ দৌড়িয়া জায়॥ মনে করে আইন বুঝি চুড়িতে আমায় 🕸 এ রূপেতে কিন্তর মাশুক ধান্ধির। ছেলে पूर्ण गूर्य जाङ्। इडेल जिख्न अ धित्रर कार्य माधू ध्रम विष् নাতে॥ বালিস জিয়া গেল চক্ষের জলেতে

শেহন সোনার ছবি বেগড়িয়া গেল। ভাবিতেই রঞ্জ নিটা তার, হৈল * জেয়ছা ফজরের ওজেচেরাগের রৌশনি।ক্ষে জায় নাহিরয়ভেমনি নেসানি*তেমনি হইয়াগেল সাধুর কুমারাজনানা ছিলরাংহৈল মরন আকার 🕸 ভেবে ভেবে কিঙ্কর হইল বেতাব॥ বিবির গমেতে জান হইল কাবাব * নাহি জেনে ছিল মর্ল পিরিতি কেমন। পিরিতের এতো জালা জানে কোন জোন ¾ আর এয়ছা মনে যদে সাধ বর ভাবে॥ কেবা তার অন্যাসন আমাকে বলিবে* এ রিত ঘটিবে জিদি আপে জানিতুন॥ কেনোবা ভাহার নাম কানে স্থনিতুন 🕸 এই কথা বলে আর হায় হায় করে॥ এক্ষের খারাবি কভো দেখ বেরাদ্রে জারতরে এক্জেলোম সামিয়াচড়িলালেই জানে তার দক্ষ জালাকে বিতিল 🕸 চাহার দর্বেণে দেখো হাল থেরাদর॥ এক্ষেতে মজিয়া कर्छ। देश ছाय्यात अ ছ अपाध्य जिल किल किल किल । কেহোবা সে সাহাজাদা ফকির হইলঞ্চকওছার বাদসার বেটাহরমুজ নামেতো কতো দুক্ষ খেচিলেক গোলের পিরিতে * ফরহাদ সিব্লিক পরে মায়েল হইয়া॥ আপনা মাথায় মারে বাইস তুলিয়া * মজহু লায়লির পরে আছিল এমন। আসকে কোন্তার মুখে খাইল চুম্বন জোলেখা ইউছুফ পরে আদক হইয়া। ছুরিতে জাপন হাত ডালিল কাটিয়া ঞ্চ এয়ছা২ কতো জোনা পিরিতে মজিয়া। কতো দৃক্ষু পাই য়াছে মাশুক লাগিয়া ¾ জার তরে বিতিয়াছে জানে সেই জোমে॥ জাহাকে না বিতিয়াছে জানিবে কেমনে ক্ষ মহাক্ষদ অধিন কহে এলাহি ভাবিয়া। হাকিকি মাশুক সাতে মজো মন পিয়া *

※ 別可 ※

জে জোন জানে না প্রেম সে মজা জানে কি তার॥
ে মজেছে সেই জানে অন্নে কি জানিবে আর
জি প্রেমের রাখো আস, আপনার করো সর্বনাস, তবে

হবে বসবাস, নইলে কিবা ধার ধারো॥ কংহ মহাক্ষাল

মুনসি, প্রিয়েজদিরাথে। খুসি, তবে হবে হাঁসি খুসি,রুঝে শুজে প্রেম করে। *

* প্রার % এক্ষের নেসাতে জেবা হয় রেপ্তোর॥ নাহি हिर्हा कि कर जा किन ना इह मि दि अ अहे (मार्ग कार्क माधु निता नाश दिन ॥ नत्ना चारिश गाँछ जात व श निवा निमि अधि छाउँ। কতো রাভ জায় গোজারিয়া॥ মছলত করেন সাধু একেলা বিসিয়া % মাল মাতা লোক জোন কি কামে আসিবে। মাসুকের শারেজিদি জান মেরাজাবে ্ সকলে ছ'ডিয়া জাবো ফকির ইইয়া শৈহব আল্লার নাম গলে তছবি দিয়া ঋ এয়ছাই মছলত করি দেলে আপনার। আছ্মানের পানে মদ তাকে বারেবার * এই কথা দেলে দেলে ভাবিতে ভাবিতো। আফতাব গাএব হৈল পশ্চিম দিগেতে

স্কুলাম হৈয়া গেল জদি মরজি এলাহির । বিবির তালাদে জেতে করেন ফিকির ্ধ সাহানা লেবাছ জতো গায়েতে আছিল॥ প্রজুদ হইতে সব ফেকিয়া জে দিল ঋ তাহা বাদে ফকিরি লেবাছ লিলে। তুলে।। ফকির হইল সাধ্র জুরা দিয়া গলে*ধোড়েক লিলো মাল কিক্ষতে জেয়াদা। আথেরে ভারিয়া লিলো ছওদাগর জাদা 🗱 सिकलिल श्रीमिनाय (कञ् नाञ् कात्न ॥ मञ्त ছाড़िया চल मयनात्न মাদানে * কতো তুর এয়ছা ভাঁতে নেকলিয়া গেল। রাত গোলা রিয়া জি কি ফজর হইল 🔆 এই রূপে চলে মদ্দ ময়দানেই।। আজিম সহর এক দেখিল ছামনে * জাইয়া বস্তির বিচে খাতা পেতা কোরে। কমর বাজিয়া ফের হাঁটে রাহা পরে 🗱 এয়ছাভাতে রতে দিন রাহা পরে জায়॥ কোন খানে জানে মদ আরাম িনা দেয় ઋ কখন কাটার আচ না সহে জানেতে। হয়রান হইল সাধুনা পারে সহিতে 🗱 বেবাহা জন্মলে এক জাইয়া পৌছিল॥ জ্বল দেখিয়া মৰ্ফ হুস হারাইল 🕸 একে মাশুকের দায়ছিল পেরে जाम ॥ জङ्ग भग्रमान (पर्य शहाङ्ग छान ऋ वाघ छान हार्बाप्रश ৰূবে সোরসার। জান বাচাইতে আল্লা তুবো লাগে বার * ভাই বেরাদর কোথা, কোথামাতা পিতা॥ এয়ছা বালা মুছিবতে কে করে গোমতা ঋ এত বলে সাধু বর কান্দে জারে জার ॥ আফছেছে করিল কত হয়ে বেকারার ¾ তাহা বাদে আপনায় বোঝায় এমত॥ ভাবিলে কি হবে সার করনা হেক্ষত ঋহেক্ষত ৰান্ধিলে আল্লা মদুত

ছওদাগর জাদ। আপনাকে পাগল বানাইয়া রাজ বাটিতে জাইবার বয়ান

* পয়ার ছন্দ * ছওদাগর জাদা এয়ছা রহে পেরেসান।
হাটু পরে রেথে মাথা ভাবিয়া হয়রান * তুক্ষের ভাবনা কতাে
ভাবিয়া আথেরে॥ ধিরে ধিরে গেল মর্দ্দ সহর ভিতরে * নেষাও
করিয়া দেথে বাদদার মহল॥ পাথরের ঘর সেই করে ঝলমল *
চক্ষু নাহি ধরা জায় উপরে তাহার॥ ঝিকমিক করে সেই
দেখিতে বাহার * হিরা মতি কাল্বুরাতে গাথনি তাহায়॥ কিনা সোভা মন লোভা মরি হায় হায় * জেয়ছাই শুনিয়া ছিহু মোছা কের মুথে॥ তাহার চৌশুন ঘর দেখিলাম আথে * দরওাজার ধারে
এক গাছের তলাতে॥ নাধু বর বিদিয়া জে ভাবেন দেলেতে *
জার দায় এতাে আমি পেচি পেরেসানি॥ কেমনে পাইব ভায় কেবা
দিবে আনি * আর এয়ছা দেল বিচে ভাবেন নেহাত॥ কোথায়
আছেন বিবি না হইবে হাত * একে সে রাজার কন্যা তাহে রূপ
বতি॥ পথের ভিথারী আমি আছিত নিয়তি * নাহক তাহায়
আসা করা মোর মিছে॥ হীন কবিকারে এহা পয়ারেতে রচে *

* शान भूशा *

মিছে কর আশা, তার দিসা পাবেনারে মন॥
সে জে রাজ কন্যা, পরম যামা ভাষা অকারণ *
জার জন্যে হেতা আসা, ও মন পাবিনারে তার দিসা॥
ছাড়ো তুমি সে ভরসা, ব লি তোরে মন *

সান হালে রহে হেট কোরে মাধা * কতো কথা মনে মনে ভাবে আপনার॥ কেমনে বিবির আমি পাইব দিদার * হায় গোল কোথা গোল অগে। গোল জানি॥ তোমার কারনে এতো থেচি পেরে मानि * একবার এদে দেখা দেহ যোর তরে॥ বে আজলে জান জায় তোমার থাতেরে * এ হালেতে জান জদি জায়গো আমার॥ হাসরেতে দাদ আমি লইব এহার * এতো বলি গাছ তলে রহিল বিসয়া॥ নিমা সাম কালে সাধু দেখে তাকাইয়া * মজব খানা হৈতে সেই গোল জানি॥ আপনা মাকানে জায় জেমন খঞ্জনি * কিঙ্কর আন্দান্ধ তার চিনিতে পারিল॥ বাগে গোলেস্তার মতো ফুটিয়া উঠিল 🗱 সাহাজাদির নজর গেরে কিষ্করের পানে॥ ছুরত দেখিয়া বিবিদয়া হৈল মনে * আহা এ মহন রূপ !কার বংসি ধারি॥ কেমনে ছাড়িয়া দিল আহা মরি মরি 🕸 কেমনেতে প্রান মরে আছেন সহিয়া॥ পালাইয়া আসিয়াছে কারে ফার্কি দিয়া * ছিন্ন ভিন্ন দেখি রূপ বেগড়িয়া গেছে॥ পাগলের মতো জেন বসিয়া রয়েচে * চেহরায় গাওাহি দেয় হইবে আমির॥ জগি ভেসে আসি য়াচে হইয়া ফকির 🕸 এতো ভেবে সাহাজানি ধিরে২ গিয়া॥ আজব ছেউলে বিবি দাড়ায় আসিয়া * কহে বিবি সোন ওহে বিদেশি পাগল। কার লাগি লইয়াচ কান্ধেতে কম্বল 🐲 বোধ হয় কোন অভা গিরে সাতাইয়া॥ নহে কোন অবলায় আইলে মজাইয়া * সোনহে পাগল তুমি ঝুট না কহিবে॥ খোদার কচম তুঝে নাহি ভাড়াইবে* कान यम कथो जाध किছू नाहि कया । छन छन पृष्टि घाँचि চाविपिश ্চায় * আর সাহাজাদির পানে চাহিয়া রহিল॥ মনে২ মন আগুনে পুডিতে লাগিল

এইরপে কতক্ষন গুজরিয়া গেল॥ নেজাম আমার नाम विविद्य कहिल * ध कथा खुनिया विविधादिल जानिए ॥ পাগল হইলো এই কাহারছুরতে*পাগল বলিয়া বিবি সাতে কোরে लिया॥ निक याकारनव विरु (भोष्टिल वामिया 🗱 यास्यत एक्ट्रा বাত কহেন সকল।। সোন আশা নাম এর নেজাম পাগল 🕸 মহা রানি শুনে তারে রাখিল অন্দরে॥ কমলা বতির কাছে প্রেদমতের ত্রেঞ্জজথন কমলা জায় মজব থানায়॥ কেতাব বহিয়া তার সাতে সাতে জায় * এ রূপেতে রোজ্ ক্যলার সাতে। নেজাম সঙ্গেতে জায় মক্তব থানাতে * কখন আগেতে জায় দৌড়িয়াই। কভ সে পিছেতে এসে কান্দে ফোকারিয়া * কভ পাগলের মতো বকিতে লাগিল। কভ বলে সাহাজাদি কেবা তুমি বল *এইরুপে কতো দিন শুজারিয়া জায়। পাগলের হাল এবে সোনহে হেতায় *

※ উলিরের বেটার উপরে কমলা বতি আশক হয় ※ তাহার বয়ান ※

সোগ, লিখিকিছু রসের কাহিনি॥ সাহাজাদি পড়িবারে, মক্তব খানার পরে, জার ধনি রূপ সোহাগিনি * নেজাম বিবীর সাতে, পাজি পুথি লিয়া মাথে, মজবৈতে লইয়া জে জায়॥ আর সোন বেরাদার, উজিরের বেটা আর, জায় দেই মক্তব খানায় * তুই জোনে একদাতে, পড়ে খুসি খোসালিতে, দু জোনায় বড়া মহৰত দুজনার পিরিতি পরে, এক লহজা কেন্ত কারে, না দেখিলে হয়ত মওত 🛪 তার পরে হৈলে ছুটি. ছল ছল আঁখি তুটি, জায় দোহে জে জার্মাকানে।। এক্ষ এসে দোহাকারে, বান্ধিল মজবুত কোরে, হিলি বারে না দেয় দুজোনে * এ খাতেরে সাহাজাদি, তু চক্ষে বহায়ে নদি, এক্ষ নদি উছলিয়া গেল॥ জখন সে এক্ষে এসে, বসিল বিবীর পাদে, রগবত দেলাতে লাগিল * একে ছিল রদে ভরা, ছুফ্ট এক্ষে पिल भारा, पिल ভार पिल (वशिष्या॥ ना **क्लान ना भूम विवी**, খায় কভো হাবি ছুবি, এক্ষে জোসে গেলেন মাতিয়া * মনে মনে কতো কথা, ভাবেন এক্ষের বেথা, কতো কথা লাগিল বকিতে॥ कथन मङ दि कारिया, सि भूश पिरिए शारिया, कथा करवामिल ह জোনাতে * হেখা সে উজির জাদা, জিতা জানে হয়ে মুদ্দা, এক্ষে (दशा ভাবে মনে ।। দুচক্ষেতে বারি বহে, কারে কিছু নাহি কছে, ঝর ঝর মদনের বানে * এক্ষের লাগিল তির, ক্ষেনেকনাহয় স্থির, পিঠ দিয়া পার হৈয়া গেল॥ করে মর্দ্দ হায় হায়; কখন वाहित जारा, वलवूबि कक्षत श्रेल * माता ताज এ প্রকারে, मना ওঠা বসা করে; তার পরে ফজর হইল। কোকিল বাঙ্কার মারে, কুহুং রব করে, উদ্ধির জাদা চেতুন পাইল * কোকিলের রব সুনে

ত্মক্ষিত হইয়া মনে, ফজিহত করিতে লাগিল। কঠিন ভোমার হিয়া, मिन। पिलि ভाष्ट्राश, किवा लाउ देशल (र्जरा वल 🕸 (मानद् কোফিল রায়, ধরিছে তোমার পায়, কেনা কর না কর চঞ্চলা॥ ক্ষেমাকরো রতি রাজ, কি হবেভোমার কাজ, হিন জোনেদিতেএত জালাঃ তোমারশ্বনা গড়ো, কেন জালাদেহ এতো, অতএ ভালো কি তোমার॥ একে আমি আছি হিন, যোগি ভেষে চিরো দিন, ক্ষিন হৈল জিবন আমার্ক্ষ মৃত দেহে মারো খাড়া, পৌর্য নাহিক বাড়া, কিবা তোর কঠিন হৃদয়। আমারে পাইয়াএকা, হইয়া সমন সকা, মোরেবোঝিনাহি করে৷ ভয়*ধিকহে ভোমার বানে, আমারে বধিলে প্রানে, ধিক থাকুক তোমার পৌরষে ॥ কি বলিব ভুঝে আমি, কারো ভাল নহে তুমি, শ্রমের আঘাত করে৷ সেষে * কেমন পৌরশ আছে, গিয়া কমলার কাছে আসকের বান মারো ভারে॥ বিন্দিবে কাথের ফাঁনে,জেনো মোর কাছেআনে; দুই জোন পুজিব তোমারে * উজির জাদা এ প্রকারে,লান তান কোকিলেরে, করিয়া **জে** খামোষ হইল॥ কহে হিন কবিকারে, গান গাও মধু শুরে, काकिलाद (वाबाइया यन *

※ 키기 ※

আর ডাকিসনা ওরে কোকিল এ বশস্ত কালে॥
তোর ডাকেতে ও রেকোকিল দিশুন আগুন উঠে জলে
একে তোর রূপ কাল, কার তুমি নহে ভাল, ভোরস্থরেতে
প্রান আকূল, মজাইলে একে কালে॥ নিবেদন ভোমায়
করি, মেরনা বিচ্ছেদের ছুরি, ওলি কুলে জন্ম ভোমার,
কলঙ্ক ডালি মাথে দিলে
**

রাগ পয়ার * এ রূপে ভাবিতে ছিল গালে হাত নিয়া॥ এলাহির মরজি গেল ফজর হইয়া *পুর্ব্যদিগে অংপ্তাব হইল জাহের বিছান ছাড়িয়া তবে বেটা উজিরের * কে তাব বগলে লিয়া বাহির হইলো॥ মক্তব খানার বিচে জাইয়া পোছিলো * রাহা তাকাইয়া মর্ল রহিলবিদিয়া। এখানেতে সাহাজাদি পাগল লইয়া * মক্তবখানার বিচে আদিয়া পৌছিল। উজিরের বেটা রাহা তাকাইয়া ছিল * ধরিয়া বিবির হাত কাছে আপনার॥ বসাইল সাজাদিরে করিয়া

थियात * भामक छेभात (पाट्य এक व विमन ॥ (म त्राक (मशान ष्याद (कर नार्रि जिल % (नजाम পार्शल वित्न नारि (कान (जान ॥ নিরালা পাইয়া কত করে আলাপন * সাহাজাদির এস্কে দেল তড় शिष्ठ लाशिल॥ मना शहे ऐर्क किছ कहिए नातिल * বিরহের তাপ আর না পারে সহিতে॥ উজির জাদার তরে লাগিল কহিতে 🔆 শোনহে উজিব জাদা আরজ আমার॥ আনোলে পুড়ে হৈনু ছারখার * জলে ভুনে কলেজা কাবাব হইল॥ তোমার এক্ষের তির ছিনাতে লাগিল * জলন সহিতে আর নাহি পারি আমি॥এহার এলাজ কিছু দোহো মুঝে তুমি*নহে বেআজল জান জাইবে আমার॥ তখন কি ভালো কাম হইবে তোমার

একথা উব্দির জাদা জখন শুনিল॥ খামশ হইয়া মর্দ্দ ভাবিতে লাগিল 🎠 তা বাদে উজির জাদা কহে কমলারে॥ শুন শুন প্রানে শ্বরি কহি জে ভোমারে * কি করিবে এই কর্মা করা জদি হয়॥ পাপ কম্ম কভু দেখো ছাপা নাহি রয় * জানা জানি হৈলে শেষে পাইব সরমাহাসিবে ভাষাম লোক না রবে ভরম * সবহৈতে এই কাম মুঝে লাগেভালো। হেথা হৈতে তু জনায় নেকলিয়া চলো আজ রাত দু পহর হইবে জখন॥ দু জনায় নেকলিয়া জাইব তথন * সাহাজাদি শুনে বড়া খুসিতে ভরিল। নেজাম পাগল বসে ভামাম শুনিল *কিন্তরপাগল নহে সুনহো সকল॥ কমলার তরে খালি হইল পাশল*এহাকে সিয়ান পাগলা সকলেতে বলে৷বাঘের ঘরেঘোগের থাসা করিল কি ছলে *হিন কবিকারে বলে দেখনা কি হয়।।পাগল কি ধোকা দিয়া লইয়া পালায় *

* উজিরের নিকটে নেজাম চোরাইয়া পত লিখিয়া * পৌছাইবার বয়ান *

রাগ ধামিদি
এয়ছাই মছলত দোহে করে॥ আইনু আমি জাহার
জাহার ঘরে
* নেজাম পাগল ভাবে মনে॥ আইনু আমি জাহার
কারনে
* ছাড়ি আমি মা বাপের তরে॥ আইনু আমি যোগি ভেদ
ধরে
* হেথা এসে কি কাম করিনু॥ আপনারে পাগল বানাইনু

ক্ষের এই বিবির নৌকরি॥মহব্বতে শিকার জে করি

মুঝে বিধি॥ দিয়া কেড়েলেয় যদি বিধি

* তা হইলে না বাচিবো

कारन ॥ विष्छ्र एव शृष्या चाछरन अ श्राप्त कारत कव (छण ॥ কারেবা জানাব এই থেদ * এইরূপে পাগল নেজাম।। ভেবে চিত্তে করে কোন কাম * বহুত ভাবিয়া দেলেতে॥ কাগন্ধ কলম লিয়া হাতে *উজির জাদায় যন্দ করিবারে॥লেথে খত তাহার বাপেরে * श्वापा वाना लिए पर्नाउ॥ निवद्ग जादिक पाष्ट्रवार्ज * কমলা বতির নাম দিয়া॥লেখে থত উদ্ধির লাগিয়াঃ*শুন এই বান্দির আরজ। থত লেখা আমাকে গরজ * বাপের উজির আপে তুমি॥ কোন বাতে আছে কমি*জাহা তেরা হয় এনছাফেতে॥ সেই কাম কর এখানেতে শ্বনার তেরা লাড়কার সাতে।। চিরো কাল পড়ি মক্ত বৈতে * ওস্তাদ আমা দোহাকায়॥ পিরার করে হামেনা পড়ায় * কাল কোন কামের খাতের॥গিয়াছিল ওস্তাদ মদের*কাহক ফরজন্দ ভোমার॥ ফছাদ কৈল সঙ্গেতে আহার * বুরা জবানেতে মোর **उत्त ॥ गानि फिल कि कर्या जागात्त * मिरु क्या नाति लिथिए** কৈল মুঝে জা আইল মুখেতে * খালি আমি তেরা মুখ চাহি॥ এখা তেরে কিছুবলি নাভিশ্কতাই আনি করে দিরু মাফাএহারুবো করিবে এনছাক্ত আর আপে করি ধবরদার॥ এই বাতে রহিবে হুসিয়ার व्यागादक नारक गानि पिया॥ पिनविटि (গছে एवारेया * वाक রাতে পালাইয়া জাবে॥ এই বাত তহকিক জানিবে * খুব মতে Cরথবন্দ করে॥নাহি জেনে। পালাইতে পারে*কেননা জেমুঝে দিয়া शालि॥ (वर्षम (वर्षात ছिला খानिक्षपूर्वे ठात त्याक शाकातिल॥ এই কথা জাবে সেহো ভূলে * তার পরে আমার সঙ্গেতে॥ দুস্তি হবে ছিল জে ক্লপেতে * এই সব লিখিয়া ভাষাম॥ কুলুফ জে वािंगा (नकाम क्र काश वार्ष भिन्न छाशाहेश। উक्तियं बार्ष পৌছिन জাইয়া * আউ गाउँ कतिया (नजाग। উজিরে জে করিল ছালান*উজির দেখিয়া নেজামেরে॥ পুছিতে ল গিল তার পরে * কেনরে নেজাম কি দরকার॥ আইলি তুই হুজুরে আমার * নেজাম ছাতিতে রেখে হাত॥ এসারায় কহে জতো বাত * তার পরে খত নেকলিয়া॥ ছামনেতে দিলেন রাথিয়া * উজির লইয়া জে খত॥ খুলিয়া জে পড়িল তাবত ३ মনে মনে তামাম পড়িয়া॥ সব হাল माल्य कतिया * উজिद वाजय जात भद्र ॥ (नजारम विनाय जिल * निकाश शानना,

করে * দেখ ভাই বোঝাই সকল। পাগলে কি খেল খেলাইল *
এমন পাগল কেবা কোথা। দেখিয়াছ বল ভাই জথা * কেয়ছা
দেখ লাগাইল ফন্দ। উজির জাদায় করে বন্দ * কবিকার বিচারিক্সা
কয়। মেহনত বরবাদ নাহি জায় * জেই জাহা ভাবেন অন্তর্কে
এলাহি মোকছেদ পুরা করে *

* উজির নেজাযের ফোসে পড়িয়া আপন লাড়কাকে বন্দ খানা দেয় ভাহার বয়ান *

ত্রিপদী * উদ্ধির পড়িয়া থত, গালেতে দিয়া হাত. দেল বিচেলাগিল তাবিতে॥ হায়২ কি করিব, কোথা মুথ দেথাইব, বাদসা আগে কব কেমনেতে * তাহাবাদে গন্ধা ভরে,কোতওালেহুকুম করে বন্দ থানা দেহো এছে লিয়া॥ কোতওাল হুকুম পাইল, মোলাহেলানা করিল, মোলিবের লাড়কা বলিয়া * তাহা বাদে লিয়া তায়, কেলানেতে লিয়া জার, রাখিলেক বন্দ থানা দিয়া।উদ্ধির জাদা জেলানেতে, আছু বহে তুলাখেতে, কহে মর্দ্দ কান্দিয়া কান্দিয়া * এই মনে তুক্ষ বড়া, বাবাজি ওতন ছাড়া, করিলেক কাহার কথার॥ হিন কবিকারে বলে, মিছে কেনো ভাব দেলে, জার ধন দেই লিয়া জার *

ক্ষ গান রাগিনি চেতালা *

কোথা ওগো শশি, দেখা দেও আসি, নয়ন জলে ভাসি, ওগো রপনি॥ ভোমারি কারন, জারগো জিবন দেখা দিয়ে মন, রাথগো আসি শ্লনা হৈরে ভোমায়॥ বুবি প্রান জায়, হায় হায় হায়, কি করি রূপনি॥ পড়ে কারাগারে, ডাকিগো ভোমারে, এ সমায় মোরে ভরাওগো আসি গ্লে তোমার কারনে, পড়ে বন্দিয়ানে মরি মরি প্রানে, দেখনা আসি॥ অগো বিতু মুখি, উপায় না দেখি, বারে দৃটি আখি, নয়ন জলে ভাসি শ্ল

*প্রার * এর হাই পাইয়া গান চুপ হৈয়া রহে॥ বরিসার মত্পানি তু চক্ষেতে বহে * নেভাম পাগল হেখা খুনি হৈয়া দেকে

नीशलात (नवाइ कड्यानाशा स्टिनिक्ष ग्राश्वासायात्रा (भरनम চলিয়া। ভাল এক ঘোড়া লিল চুনিয়া২ *চৌরাস্তার পরে মন্ধ গিয়া থাড়া হৈল। কমলা বতির তরে ভারিতে লাগিল * নেজাম পাগল এয়ত্বা আছিল ভাবিভে।তু পহর রাত জবে হল আছ্মানেতে * সাহ জাদি কমলা বতি না জানে মনে॥ উজির জাদায় হেথা দিল বন্দি য়ানৈ ঋ ভাহা বাদে সাহাজাদি আন্তাবলৈ গিয়া।। পছন মাফিক शिए। लहेल राछिया * भाराजानि छ अत राय राहित वाहेल। নেজাম পাগল তাহা দেখিতে পাইল * যোড়াকে মারিয়া কোড়া বাওভরে চলে।। সাহাজানি গিছে পিছে জায় খুসি হালে * কোন ক্রা পোছা পুছি কেহু নাহি করে॥ এ রূপেতে কত তুর জায় বাও উরেশ্লপিছে পিছে সাহা জাদি আগেতে নেজামা। তাহা বাদে রাত ফের হইল তামাম*চাদ জে গাএব হৈল কতদ্র গিয়া আপ্তাব পুর্ব পাহর বেলা জবে আছমানে হইল*সাহা জাদি ঘোড়া পরে রহিতে শা পারে।। হাকিয়া কহিল বিবি নেজামের তরে * না পারি রহিতে মামি লেহ খোড়াদম।আওরতের জাতমোরাজোর বড়াকম*নেজাম ভিনিতে পেয়ে ফাকে খাড়া হয়। কোন মতে সাহা জাণিরে মুখ না দেখায় ্ এই রূপে খোড়া ঘড়ি জায় গোজারিয়া॥ তার পরে (याषा (कत्र विनान वाकिशा अ वात्रा (काम अ क्राप्टि (नकिया সেল। কমলা বতি আপনাকে কম জোর হইলক্ষ আরবার কহে বিবি না পারি রহিতে॥ নেজাম এ কথা শুনে লাগিল ভাবিতে * ক্ষরিব হায়হায় কিবা করা জাবে॥দেখিলে এ সাহা জাদি কি মোরে কহিবে # এই রূপে সাতুবর ভাবা গোনা করে॥ নেজাম খাতেরে বিবি কহে তার পরে * পিয়াত হইল জোর স্থন প্রান নাথ॥ পিয়া-ছের জোরে গায়ে লা আছে তাকত * নেজাম এ কথা শুনে अशिष्ठ ना भारत ॥ তथनि यानिया भानि (भलाय दिविद * भानि পিয়ে কমলা আরাম পেয়ে জানে॥ চাহিয়া দেখিল নেজামের মুখ পানে * চিনিয়া নেজাম তরে বেহুদ হইল। পাগল আনিয়া পানি মুখে তার দিল * হুসেতে জাসিয়া বিবি কহে আর বার। এ কেমন হৈল আয় পর প্রার দেগার * ওধিন কহেন মিছে কেন ভাব আর॥ ভোর জন্যে পাগল হইল সাদুবর *

🛊 লঘু ত্রিপদী 🏶 শুনরে নেম্বাম, করিলি কি কাম, হায় হায় কি ক্রিব॥ এই জন্যে ভোরে; লিয়া গেরু ঘরে; এই কথা কারে কব * পাগল বলিয়া; দয়া তোরে কিয়া, জতন করিছ তোরে॥ নাহি জানি আগে; আমার জে ভাগ্যে; এ দশা ঘটাবি মোরে * জেয়ছা মোর তরে, তুক্ষ দিলে মোরে, এমনি তুক্ষেতে খোদা॥ তোরে দুনিয়াতে এতুক্ষ পহাতে, হবে তোরে জে সর্বদাশ্ধহায় কি করিন্ত, জহর খাইত্র হাতে তুলে আথানারাসোনরে নেজাম, করিমু কু কাম, দয়া তেৰে জে তোমার* জাহার খাতেরে, ছাড়িমা, বাপেরে, সে জোন রহিল কোখা ॥ সোনার ভুবন, তেজিয়া এখন, বনে বনে ঘুমি হেখা * সে জদি আসিত; তুথ তুরে জেত, দুখেতে হতাম শুখা। শুইলে ধুলায় ভালো হইত তায়, এ ধুলা অঙ্গেতে মাথি 🕸 তাকে লয়ে জিনি, প্লায় নিরবধি, থাকিতাম অভিরতাএ ধুলা জে সার, হইত আমার, জেনো ছলেমানি তক্ত * বিবি এই রূপে, কত মনস্তাপে, দেখ করে সাহা জাদি॥ কান্দে উভরায়; করে হায় হায়; তু চক্ষে বহায় নদি * ছাড়িয়া তাহাকে, আসিয়া বিপাকে, এ দশা ঘটাল মোরে॥ মা বাপ তুজনে, আমার কারনে, জিয়ান্তে জাইবে মরে * কেন তুনিয়াতে আল্লা পাক জাতে; পয়দা কৈল অভাগিরে॥ হয়ে না মরিহঃ কলঙ্ক করিমু, এ মুখ দেখাইব কারে * মায়ের পেটেতে, জিমানু জে ওতে (कन नाहि जाजाशिनि॥ जून पिया शाल, जामात्क मातिल, श्विष्ठि কেনো পেরেসানি * জে তুথ আমার, জানে করতার, তাহা বিনে (क्वा क्वार्न॥ (कन जाना शिद्रा, भग्ना किन भार्त्र, अ दूक महिए श्रात्न क्र मदा काव करव, अ मूथ मू हिर्व, व्यक्त किया कल बाज ॥ সহেনা সহেনা, তুক্ষের জাতনা, কোথা আছো প্রানেশ্বর 🗱 এড (थम कति, वशहेद्या वाति, त्रान गाप्त আक्तिप्टिण। करहे कि कात, शाउना धवात, छानि धदा धवाति क

* 717

কোথা ওহে প্রান নাথ দেখা দেও এ দাসিরে ॥ ভোমা থিনে দু নয়নে বারি ঝরে * ভূমি আমার প্রান পাখি, এস প্রাণ হৃদয়ে রাখি; কেনো আমায় দিলে ফাকি; বৃলহে স্বাম কিসের তরে ॥ নল জেমন দয়মন্তি বিনে, ভামন করে বনে বনে, রাধে জেমন কৃষ্ণ বিনে, শুন্য প্রানে রোদন করে * কোথা ওহে প্রানকান্ত, দেখা দিয়ে কর খেন্ত, কোথা ছিল এ দ্রান্ত, আমারে লিলে হরে॥ কহে অধিনেতে বানি সোন ওগো মহারানি, তোমারও সে শুনমনি, বন্ধন জালায় জলে মরে *

जिभमो छन्म * এয়ছাই গাইয়া গান; হৈল বড়া পেরেসান, সাহা জাদি আপনা দেলেতে॥ কি করিতে কি করিন্ন, বেওকুফ হৈয়া গেহ, আকেল খুণ্ডান্থ নিজ হৈতে * অবার নয়নে কান্দে, বুক আর नार्शि वात्म, তाश वात्म करश (नकाभित्र॥श्रेशार्छ का श्वाब, हावा কিছু নাহি আর, কহি কিছু ভোমার থাতেরে * আর কহি তুরো আমি, ঠিক করে কহ তুমি, কেন তুমি পাপল হইলে॥ এহার ভেদের কথা, শুনিবারে চাহি হেথা, কারার হইবে ভবে দেলে * নেজাম শুনিয়া পরে, কহে বাত ধিরে২, এনছান হৈতে খাতা হয় মাফ কর ধরি পায়; না হইলে বাচা দায়; জান দিয়া রাখনা আমায় 😂 ছুরত শুনিয়া তেরা; জিয়ান্তে হইনু মরা; তাই আমি করিতে দিদার বুঝিতে তোমার মন; এত কৈত্ব জালাতন; বেওতন না করিবে আর* সাহা জাদি তার পরে, কহে নেজামের তরে, তোর মনে এত জদি ছিল।সোনরে পাগল কহি, চারা আর কিছু নাহি, তেরা দেল জেথা শানে চল ঋ নেজাম এ বাত শুনে, খোসালিত হয়ে মনে, কমলারে লইয়া সঙ্গেতে।জঙ্গল ছাড়িয়া জায়,শুমুখেতে বস্তি পায়, পৌছিলেন তাহার বিচেতে * কি কব বস্তির কথা, লেখা নাহি জায় হেথা, দেখে भाग (थामाल श्रेल॥ मिथा रिएड हत्न कांग्र, याभिहा किथिए भाग्न, তার পরে ভিতরেতে গেল * গোলে লালা ফুলে তায়, দেখিতে বাহার দেয়, অতি সোভা গোলাবের গায়ে॥ সন্ধরাজ বেল কলি, বসিয়া ভ্ৰমৰ ওলি, মধু থাৰ তাহাতে বসিয়ে * সেউতি গোলে জুই, প্রাস আদি আর বছরাই, রাধিয়াছে বাহারের সাতে 🎚 জুই আর জবা জাতি, মল্লিকে এ মালতি, অতি সোভা করিছে তাতে * মেওা গাছ কত ঠাই, তাহার সোমার নাই, কিছমিছ আনার সারিই॥ তরো তরো গাছ কত, রহিয়াছে শতুই, এক মত আহা

यति । अति भारत ए ए ए ए ए । अन्य भाष्ट्र उपनिन আরাম পাইতে॥ গাছ পালা ছিল জত, কান্দে সবে অবিরত, দু জনার দেখে মহব্বতে

তল গাছ তলে, কিছুক্ষণ গোলারিলে णारेल এक পরম সুনরে॥ পরিয়া চিকন সাড়ি, মন জেন লেয় কাড়ি, কি বাহার আহা মরি মরি * দেখিয়া যে দোহাকারে, রক্ষ ठेक्म करत, जाईलिन श्रामियाश। यल এ क्मन त्रभ, क्यान সুর্জের ধুপ, আইল বুঝি মানব হইয়া * হাত নেড়ে আখি ঠেরে, কহে কথা নাজ করে, ভোমরা কে কহ মোর তরে॥ ঠিক করে কছ কথা, মনেতে পাইমু বেখা, দেখিয়া জে তোমা দোহাকারে * কেন ছিন্ন ভিন্ন হালে, বসে আছু গাছ তলে, যেরা ডেরে চলনা দেহায় ॥ কেবা বল দু জোনাতে, আসিয়াছ কোথা হৈতে, সেই দুখ কহনা আমায় % গরিব মালিনি আমি, পতি ব্রথা নাহি স্বাসি, এ বাগিচা জানিবে আমার। না ডরিবে দেল পরে, চলহ আমার ডেরে, এই দেখ ঝুপড়ি আমার*শুনে দোহে খাড়া হৈল, মালেনি লইয়া গেল, আপনার ঝুপড়ির পরে॥ কহে হিন কবিকার, তুক্কু গেল দোহা কার, শুখ উপজিল এইবার *

* সাহাজ। বি কমলা বতি মালিনিকে আপনার * শ আহওালকহে *

* পয়ার ছন্দ * মালিনি লইয়া জিনি দোহাকে আইল। আউ
ওল বিছানা পরে বিদিবারে দিল *থানা পিনা তারপরে আনে পাকা
ইয়া ॥ থোসালিতে দুইজনে দিল খেলাইয়া * ভুকা ছিল তুই জোনা
খায় আছুদায় ॥ রাহের মান্দিগি ছিল শুয়ে নিন্দ জায় * তা বাদে
মালিনি তার ছেরানায় গিয়া ॥ কমলার মুথ পানে রহে তাকাইয়া
মনে মনে ভাবে এই নরদ হইবে॥ ছুরত বুরত এর দেখি সেই ভাবে
এই কথা মালিনি জে ভাবিতে২॥ আসক আগুনে মন লাগিল
জিলিতে * মালি কুলে জন্ম হই আমি হিন জাতি॥ আমার
সঙ্গেতে নাহি করিবে শিরিতি * এইরপে মনে মনে ভাবিতে
লাগিল॥ সাহাজাদি এয়ছা ওজে চেতন পাইল ক্ক ছেরানায়
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জে আছেত বিয়া॥ তাহার নিকটে বিবি বসিল জাইয়া
মালিনি জাইয়া
সংস্থিত কিলে স্থালিক ভাবির স্থালিক জাইয়া
সংস্থালিক জাইয়া
স্থালিক জাইয়া

गानिनी (পाष्ट्रिन माद्दा कर विवतन॥ এখানেতে আদিয়াছ किरमत कार्यन अक्ष मार्शाका कि এरा एक क्षिट्र काशिन ॥ আगार कार्यन क्रियम् ना वल * (मान वाचाकान वाधिन। क्रानि वाखत् । নছিবের ফেরে আমি উঠাই সেদত 🛠 শুনিলে আমার হাল তুপ शारि (मत्ना। जात कि निश्नि विधि जाशत कर्णात्न क्र यनिनि শুনিয়া কথা হোস হার।ইল॥ আছমান টুটিয়া জেন ছেরেতে গিরিল
শ্ব সাহাজাদি একেই কহে মন দুখে। বার বার পানি তার পড়ে তুই চক্ষেঞ্চ সোন আশ্বা কত কব তুক্ষের কাহিনি ৷ সমস্ত শুনিলে যোরে কবে কলম্বিনি ক্ষ কুল মান সব গেল উপায় কি করি কলঙ্কের ডালি আর বহিতেন। পারি * হায়ং কি করিব কেমনে বাচিব॥ আমার মনের তুথ কিরূপে নেভাব * সাহাজাদি একেং হাল আপনার।। মালিনির তরে জত কহে সারেওার 🛠 এতেক মালিনি শুনে তুক্তিত হইয়া॥ কমলা বতির তরে কহে বোঝাইয়া* व्यादिनमा ना कत्र गांगा त्र राया (एदि। (वि) (वि) (वि) क्छ वात्र नाहि মেরা ঘরে 🕸 সাহাজাদি এহা শুনে লেবাছ মরদানা। ওতারিয়া পিন্দিলেক লেবাছ জানানা * মালিনির ডেরে রছে খুদি খোদা-লিতে। অধিন নাপাক এহা রচে পয়ারেতে ३ নেজামের পরে দেখ সেইত মালিনি॥ কিরূপে আসক হয় শুন সে কহিনি 🕸

(नकाग वाक्रम बादिए काइवाद वदान क्ष्र

* পয়র
দেবিতে থাকে গম নাহি করে
দেবিতে থাকে গম নাহি করে
দেবিতে ॥ এয়ছাই কএক রোজ গোজারে তাহাতে
কিন্তু মালি
নির দেলে এক্ষের চেরাগ ॥ রাত দিন জলিতেছে না মেটে সে দাগ

এক দিন মালিনি জে কাছেতে বিদল ॥ রমজের কত কথা কহিতে
লাগিল
এহাল দেখিল জদি সাধুর কুমার ॥ মালিনীর তুরে মর্দি
কহে থবরদার
দেবানগো মালেনি সান হুসিয়ার হও ॥ কথা শুন
বুরো দেথ খোদাকে ভরাও
বুবো দেখ গোদাকে ভরার
ক্রের মাল যে করিবে
হালাল হইলে
পরে করির কায়ার ॥ জেনা কামে দু জনায় হব গেরেপ্তার
ক্রেরণে
মালিনিরে রাখে বুঝাইয়া ॥ মালিনি চলিয়া গেল মন ময়া হৈয়া
দ্ব

(नकाम ভাবেন মনে এড়াইমু দায়॥ এখানেতে থাকা আর উচিত न। इय * वाशनात्र मत्नर् कतिया विष्ठात ॥ मार्ना लिवाछ शिल्म इरेन रेज्यात् ॥ त्राकात पत्रवात (क्या थित्रर कात्र॥ এक क्यांन वनाइया शूष्ट्रिल ভाহाय * ७थान लाक्त्र छिए वनना किरमञ् বোঝাইয়া কহ ভাই আমার খাতের * সেই যণ্ডা মৰ্দ্দ কহে এ কথা শুনিয়া॥ এমন পাগল আইল কোখায় থাকিয়া * তুমি বুঝি নাহি कान वागात्मत रामा। এथान ताक्रम এक वात्म रागश्म * একেলা পাইলে তারে খেরে লিয়া জায়॥ জঙ্গলে লইয়া মুজি পেট ভবে খায় # গোলং এখানেতে আদিয়া সয়তান ॥ এই দেশ সেই मुक्ति कितिन कि भ भ का तिन भशाति भ कि कि कि कि कि कि মারিয়া সেই দিবে দুরাচারে *অদেক রাজতি দিবো তাহার লাগিয়া কহিতেছে এ কারনে সবার লাগিয়া * আর এক কুণ্ণারি জে বেটা আছে তার ॥ তার সাতে দিবে সাদি করিল কারার * কি কব ছুরুঙ ভার আহা মরি২॥ ভাহার ছুরতে মোহ জায় হুর পরি 😂 এয়হা রূপ আল্লা তালা বিল বকসাইয়া॥ রূপের জুওার জেনো চলেছে বহিয়া * নবিন বয়েশ তার প্রথম জোবন॥ সেরপ দেখিলে তপ ছাড়ে জোগিগন * (नजाम পাগল जिम शिनिल এ कथा॥ कर् আমি এই কাম করিব আলবস্তা * এতেক কহিয়া মর্দ্দ হেম্বত क्रिया॥ ताकात पत्रवात विटि शोहिल कारेया * वापमारे वापन (জয়ছা করিল বাজায়॥ রাজা বলে কহ বাবা কি কাম হেথায় * किवा नाम (काथा घत अला कि कांत्रन॥ (कनवा आहेल (रूथा ক্তনা এখন * নেজাম শুনিয়া ক্তে শুন নামদার॥ পূর্ব দেশে বস বাস জানিবে আমার * ছওদাগরি পেসা কাম ছওদাগর জাদা এথানে কেছমত জোরে পৌছাইল খোদা #অপনারনাাম ফেরকতেন নেজাম॥ কমিনা খাদেম এই ভোমার গোলাম * লোক মুখে শুৰি য়াছি স্বহর তোমার॥খারাপ করেন এক এসে তুরাচার * এ কারৰে কুজুরেতে পৌছিরু আদিয়া।খোদা চাহে ভারতরে আনিব মারিয়া* ছুকুম লইতে আনিয়াছি ছুজুরেতে॥ শুন আলম পানা বাত রাখো কদ্মেতে * বাদ্যা ক্তে শুন আহ্মদ মাজাল ৷ খেহের ভোমার পরে হোক জোল জালাল্ল*হায়াত দারাল তেরা করে পাক বারি ॥ খোদার দরগায় এই মনাজাত করিক্ষনংমিং পাহলোওান চোনেশা

ছপ্তার॥ ভরেতে না জায় কেহ ছামনে তাহার * এয়ছাই তুরাচার রাক্ষস বেপির॥ কেহ না মারিতে পারে তাহার খাতির 🛪 লাড়কাই ওশার বাবা তুমি কি করিবে॥বডা জবরদন্ত মুজি আটিতে নারিবে* নিজাম এ কথা শুনে কদম চুমিয়া। কহে এ গোলামে আপে দেহনা ভেক্সিয়াঞ্দোণ্ডা কর আলম পানা আমার থাতেরে॥ বেন্দে জেনো এনে দেই সেই তুরাচারে * বাদদা বলে ভেজিবারে ভোমার থাতের (भम (यहा नाहि हां से किट (यह (यह * किटन एन याता ভোমার লাগিয়া॥ মণ্ডভের হাতে তুঝে দিইব শুপিয়া শ্লু আর জিদ তেরা তরে পাঠাইয়া দিব॥ কেমনে লোগের কাছে মুখ দেখাইব * ক্রিবে দেয়ের লোগ লানত আমায়॥ বিদেশি বলিয়া তাই ভেজিল ভাহায় * ৰিজাম কহেন এ আরঙ্গ মেরা লেহ।। সেই মুজি কোথা থাকে বাতাইয়া দে২ * বাদসা বলে কভু মেরা না গুনিলে যানা॥ व्यानमात्र कान नित्व कार्य भिन काना * उत्य एन किर याया ঠেকানা ভাহার॥ এই রাহে আদে সেই কমিনা গাঙার * নিজাম পাইল জদি রাক্সদের ঠেকানা ॥ অধিন নাপাক কহে ভাবিয়া রহানা

শ সাহাজাদি কমলা বতির নিকট হইতে নিজাম বিদায় হইবার বয়ান *

वाश (हो शकी 🗱 वाजमा वाश हहेग्रा विजाय र ॥ निकाय চলিয়া আইস, মালিনির ঘরে গেল, কমলা বতি ছিলেন জেথার * ছাতি পরে রেখে দোন হাত ২॥ ছালাম তছলিম পরে, বিবিকে আরজ করে, মরম জবানে কহে বাত* শুন বিবি আরজ আমার ২॥ এইত দেশের বিচে, বড়া এক দোস্ত আছে, মোলাকাতে জাইব ভাহার * আমাকে জে দেহনা বিদায় ২॥ হপ্তা রোজের পরে. তা বাদে আসিব ফিরে, যোলাকাত দিইব তোমায়*বিবি জদি এ কথা अनिल २॥ कथा नाहि मदा भूरथ, शानि यर एमान चारथ, रुवा তার বেগড়িয়া গেল * কভক্ষণ গেল এরপেতে ২। তা বাদে निक्षार्य याम, এই ছिল তোর দেলে, এই দশা ঘটাবে শেষেতে * नाहि (डाँद्र (क्रांक निय वामिर॥ (निरिय़ा (डायात गूर्य, भामदिक् निकाय शाशना,

সব তুথ, ফের কেন জেতে চাহ তুমি * জদি তুমি জাইবে ছাড়িয়া ২ ॥ আগেতে আমার তরে, তলপ্তার মারিয়া ছেরে, মার তুমি আমার লাগিয়া * তাহা বাদে দেল জেথা মানেহ ॥ দেখানেতে জাহ চলে, থাক গিয়া খুনি হালে, জিতা জেনো রাখে ছোবহারে * নেজাম জে এতেক শুনিয়াহ ॥ চালাকির সাতে মর্দ্দ, আথে আছু দেলে দর্দ্দ, পাও পরে নিরিল জাইয়া * শুন বিবি আরজ আমার ২ ॥ বিদায় দেহনা মুঝে, কারার দিইনু তুঝে, হাপ্তা রোজে করিব দিদার সাহাজাদি এই কথা শুনে ২ ॥ তু আঁথেতে বারি বহে, কান্দিয়া ২ কহে, দিনু তুঝে স্থামা রহমানে * আর বিবি আঞ্চটি আপনার ২ ॥ নেজামে খুলিয়া দিল, তামাম কহিয়া দিল, বড় ফায়দা হইবে ভোমার * বাগ ভাল রাক্কস দেও জতহ। আফটীর বরকতে, জেথা তাবে পাবে ফতে, সকলে হবে বসিভুত * এত বলে করিল বিদায় ২ বাদ সার আগেতে গেল, ছালাম তছলিম কৈল, তাহা বাদে নেক লিয়া জায় * একেলা জে হৈল রাহাদার ২ ॥ অধিন লাচার বলে, নিজাম জঞ্চলে চলে, রাক্ষ সেরে করিতে সংহার *

* तांग भयात *

নিজাম বিদায় হৈয়া চলে নেকলিয়া॥ বেবাহা জললে এক পৌছিল জাইয়া । জগন এক জলল বিচে জাইয়া পোছিল॥ যোর অন্ধকার হৈয়া তুফান হইল ক্ষ বহিতে লাগিল হাওা ঝড়ের প্রমান। তুফানে পড়িয়া মর্দ্দ হইল হয়রান ক্ষ রপ্তে রপ্তে নেই হাওা কম জিদ হৈল। আজিম রাক্ষ্য দেও জাহের হইল ক্ষ নিজাম দেখিয়া দেও গেলা ভরাইয়া॥ বলে আজা এ আফতে লেহ বাচাইয়া ক্ষ ছওদাগর জাদা দোওা মালিতে আছিল॥কমিনা রাক্ষ্য দেও টুটীয়া পড়িলঞ্জ কিন্ধর দেখিয়া এহা নিকালিল তেগ॥ দেখিয়া নে দ্রাচার পাইয়া দেরের পালাইয়া জার গিথি জলল ভিতরে॥ সাধুবর পিছে পিছে জায় কছা দুরে ক্ষ সয়তান,রাক্ষ্য গেল গায়েব হইরা॥ নেজাম তাহার পেছু দিলেন ছাড়িয়া ক্ষ জখন কমিনা দেও গায়েব হইল॥ যোর অন্ধ কার জত তামার বৃহিল ক্ষ তাহা বাদে সাধুবর গোসাতো।ভরিয়া॥ জে দিগে কমিনা দেও গেল পালাইয়া ক্ষ দে দিগে নিজাম চলে খুলিয়া তলওার। এয়ছা ভাতে কত দুর চলে জোর আই ক্ষ দুই

নির কোস এয়ছা ভাতে নেক লিয়া গেল॥ তবু সে কমিনা দেও দেখা না পাইল * তার পরে ছত্তদাগর জাদা আথেরেতে॥ লাচার ইয়া বদে গাছের নিচেতে * আপনার মনে মনে কত কথা বকে॥ अ সব তুক্ষের কথা বলি আর কাকে 🕸 কি করিতে কি করিছু আগে नौ दूबिश्व॥ जाभगांत भाषां एक जाभि कुणां नि भारिक क जा जिल আপন। ঘরে খুসি খোসালিতে। কু দুশা ঘট্টিল কেন জাইলে বানি জেতি * মেছিবিদী সাতি কেন আলাপ করিলে॥ জবানি শুনিয়া ভার পাগল হইলেঞ্জাহার কারনে এত থেচ পেরেসানি॥ কোথাবা রহিল সেই মোর গোল জানি ৩২ই রূপে আপনাকে ফজিহত করে॥ সেথা হৈতে তার পরে হাটে রাহা পরে * এয়ছা ভাতে কত তুর নেকলিয়া গেল॥ আজিম মাকান এক দেখিতে পাইল * আলিশান শে মাকান চৌদিগে প্রাচির॥ দেখিতে না পায় মর্দ্দ বসতি আদমির ভাবিতে২ গেল নিকটে তাহার॥ মাকান দেখিয়া মর্দ্দ হৈল জারে জার * বিরান হইয়া গেছে সেইত মাকান॥ নেজাম দেখিয়া মনে ভাবিয়া হয়রান * থিয়াল করিল ফের ভিতরে জাইতে। দরওাজা না খুজে পায় ঘোমে চৌদিগেতে ৪৯ বছত চুড়িয়া শেষে দরভাজা পাইল ॥তা বাদে নেজাম তার ভিতরেতে গেল * আদমের গমাগম কিছু নাহি পায়॥ ভাবনাতে দেল বান্দা চারদিকে চায় * দেখিল পিঞ্জরা জত ঝোলে ঠাইং॥কতরঞ্জ পাথি আছে লেখাজোখা নাই* তার মধ্যে তুতি এক বড়া খুব ছুরাত॥ জবান খুলিয়া পাখি কহে এই বাত * শুন ছওদাগর জাদা আরজ আমার॥ বহুত মুদ্দত আছি আর কিছুনাহি কহে#নেজাম শুনিয়া এহা ভাবিয়া আথেরে॥অবলা জানওার মোরে চিনিল কি করে * এতেক ভাবিয়া মনে পুছেন ত্তিকোকেমনেতে বল ভুমি চিনিলে আমাকে * তুতি বলে আলার भिट्त औं यात भरत। এ कात्र किनिनाम किमान शाक्त शाक्त अ নেজাম শুনিয়া কহে তুতির কারনো। এ মাকান কার তুমি বলহ এক্ষনে * আদমের গ্যাগ্য নাহি কেন হেখা। কাহার নাকান এই রহে দেহ কোথা

। আর এই দেশ কেন হইল বিরান ॥ একে২ কহ তুমি তাহার ব্যান্

তথন তুতি কহে ব্য়ান করিয়া। শুন ছওদাগর জাদা দেল লাগাইয়া * ছোলতান বাদসার এই মাকান জানিবে॥

কত বাদসা ফরমা বরদারি করে সবে * বেরাজ তেজিত সবে এইউ বাদসায়॥ এই রূপে কত কাল গোজারিয়া জায় * আচ্সিত রাক্ষ্য এক পৌছিল আসিয়া॥ বহুত আদমে গিধি ডালিল খাইয়া * এই রূপে রোজ২ সেই দুরাচার॥ আসিয়া জে খেয়ে জায় সেইত বদকার হাতি উট ঘোড়া ঘুড়ি খাইয়া ডালিল॥ বিরান করিল দেশ বাকি না রাখিল॥ তাহা,বাদে খাইলেন বাদসার তরেতে॥ কেছ না বাচিল সেই মুজির জে হাতে * কিন্তু এক বেটী তার রহিল বাচিয়া॥ কব ছুব্রত তার বয়ান করিয়া 🗱 আর সেই আছে বিবি জিয়াতে মরিয়া॥ আজ মরে কাল মরে এয়ছাই হইয়া *বিবিকে রাখিল খালিঃ খেদমতের তরে॥ দিনে মারে তারতরে রাতে জেন্দা করে 🛪 আর হেকমতের কাটি তারে ছুগাইলে॥ আর সেই বাচে বিবি কাটি (श्लाই ल * अन रावा भाव किन विविद्य लाशिया॥ जाभना कित्रिया রাথ রাক্ষ্টেন মারিয়া * কিরূপে মারিবে কহি হেক্মত ভাহার ! কুণ্ডা এক আছে এই ঘরের মাঝার * এইত কুণ্ডাতে আছে রাক্ সের জান। মারিবারে পারো জদি শুন মেহেরবান * কুণ্ডার यायात्र जूमि कार्ट्य नाविया। ডिट्य এक পाय जाय नर्ट्य जानिया লোমরা আছেত সেই ডিবার মাঝার॥ কি রূপে মারিবে ভাষ্ণ শুন नाममात * ছाই निया क्या करत छाश्त छे भव॥ मात्रिय छानित সেই মুজির খাতের * এমন হেকমতে মারিবেক সেইত কমিনে॥ এक জाরা খুন জেন না পড়ে জমিনে * তাহা হৈতে একেতে সত্তর হবে পয়দা॥ আহওাল কহিনু তুঝে ছওদাগর জাদা 🟶 আরু ক্রদি নাহি পারো মারিতে তাহায়॥ জিতা না রাখিবে গিধি মারিবে তোমায় * তৃতির জবানি ভেদ কিন্ধর পাইয়া। ছওদাগর জাদা বড়া খুশিতে ভরিয়া * কহে এই কমবজ মুজি সে দেশেতে গিয়া। আদ্মের তরে গিখি খায়ত ধরিয়া # এ কারনে সেই দেশ হইল विद्रान ॥ পग्नाद्र तिव्रा कट्ट ज्यम नामान *

* কুণ্ডা হৈতে রাক্ষসের জান নেকলিয়া মারেও
লালমতিকে শাদি করিবার বয়ান

পয়ার

ত্বির জবানি ভেদ পাইয়া নিজামাআপনার দেলে ভাবে
কিবা করি কাম

ভাহা বাদে হেম্মত করিয়া নামদার ।। সান্দাইদ

शिया (मरे वादवव याचाव क्र कुछाव निकरि यस कारेया (भोष्टिन । আজিম পাথর এক ভাহে ঢাকা ছিল * রাখিয়াছে তুরাচার মুখেতে কুণ্ডার॥ ফেকে দেয় তার তরে সাদ্ধ বল কার ঋ পাথর দেখিয়া মর্দ্দ রহিল হয়রাণে॥বলে পাথর আমি ফেকিব কেমনে ঋধরিলে হাজার क्षाना এইত পাখ্ৰে॥ তবু নাহি হেলাইতে পারিবে এহারে * এই ক্রপে ভাষা গোনা করে মনেই॥ তুতি পাখি দেখে বলে নেজাম কারনে শশুন ওহে ছওদাগর করনা হেম্মত ৷ হেম্মত করিলে আলা হুইবে মদত *এইত পাথর তরে দেহনা ফেলিয়া॥ মকছেদ হাছেল হবে দেখনা বুঝিয়া ৠ তুতির জবানি এহা শুনিয়া নিজাম। কুণ্ডার निकटि (अद्य कद्व किया काम क्र लहेया जालाव नाम कु निया श्रविण ॥ একদমে ওঠাইয়া ফেকিয়া দিইল ¾ তবে উত্তারিল বেয়ে কুঙার মাঝার।। চুড়িয়া ফেরেন সেই কারণে কৌটার* বহুত চুড়িয়া পাইল কৌটার লাগিয়া॥ হিরা মতি লাল কতো আছিল পড়িয়া ¾ আপনা মতলব পেয়ে ছওদাগর জাদঃ॥ কুঙা হৈতে উঠিলেন দেলে ভেবে খোদ। #তাহা বাদে ছাই জনা বহুত করিল। আপনি কেনারে তার গিয়া থাড়া হৈল * কৌটার ভালি মর্দ্দ থোড়েক খুলিয়া॥ নেযাও সরিয়া মর্দ্দ দেখে তাকাইয়া * দেখিল ভ্রমরা এক বড়া চমৎকার॥ আর এক লাল আছে দর্মিয়ানে তার * তাহার কি জোত জানে পরবার দেগার॥ তেয়ছা লাল নাহি আর তুনিয়া মাঝার * ধ্সেই লাল লিয়া মর্দ্দ দামনে রাখিল॥ তাহা বাদে মনে মনে ভাবিতে लाशिल * (कग्रान गारिव এই क्यिमार जान॥ এই क्था पिलिश ভাবিয়া হয়রান * এত ভেবে দোন পাধা ভাকিয়া তাহার॥ ভাহাতে দেওয়ের হাত ভাঙ্গা গেল ভার * মালুম পাইয়া দেও আসিতে লাগিল॥ এক পাঙ্ড ভ্রমরার নেজাম ভাজিল * এক পাঙ্ডে তবু পাপী লাগিল আমিতে॥ আর এক পাঙ্ক মাদু তুড়িল সে মতে * তবু সে কমজাত দেও গোসায় ভরিয়া॥ বাঘের মতনে আইল পর্জিরা১ % তার পরে খুব জোরে দাবিয়া ধরিল॥ ভ্রমরার জান ত্ত্বে নেকলিয়া গেল ¾ জান নেকলিয়া জদি গেল ভ্ৰমরার॥ পটকান খাইয়া গেরে দেও তুরাচার ३६ কমিনা রাক্ষস দেও মারা জদি গেল॥ নেজাম আলার কত সোকর ভেজিল * তার পরে পোছে সেই তুতির খাতেরে॥ কোখা সেই বিবি আছে কহ মেরা তরে * তুতি

কহে আছে ঐ ঘরের মাঝার । দেখ পিয়া কুলুফ তুড়িয়া এই বা: 🗯 এ কথা নেজাম শুনে খোদাল খাতেরে॥ দরওাজা তুড়িয়া পেল যবের ভিতরে * দেখিল সাদ্বর পালঙ্গ উপরে। শুয়ে আছে সাহা कापि पिथिन नकदित क्ष कि कव क्रिथित कथा (क्रिना शूर्व गिणि॥ गि জেনো ভুতলেতে পড়িয়াছে খদি *এয়ছা রূপ কভু আমি না দেখি চক্ষেতে। হামরে কখিনা দেও মারে কি জন্যেতে *সওদাগর জাদা এত মনেতে ভাবিয়া|বিবির ছেরানায় মর্দ্দ বসিল ভাইয়াঞছেরানার তুটি কাটি ধরা আছে তার॥ পাঙ্কের দিগেতে এক কার্টি আছে বিবির গায়েতে % তখনি জে সাহা জাদি জাগিয়া উঠিল॥ আৰি थ्रल माश्काणि (नका न पिथल * निकार पिथिया विवि সরম পাইয়া॥ সরমপাইয়া মুখ লিল ছাপাইয়া * মুম্টা হৈতে সাহাজাদি এই কথা বলে॥ রাক্ষস পুরিতে তুমি কেয়ছা ভাতে এলে 🕸 এমন তুম্মন বল কে ছিল তোমার॥ তোমাকে ভেলিয়া फिल बाक्कब घोषाव * यूनर विष्णी किर यून (फल फिबा॥ शाना ইয়া জাহ তুনি জান বাচাইয়া * এখনি আসিবে সেই দেও দুরা চার॥ দেখা পেলে জান তেরা মারিবে গাঙার * বিবি বলে কহ তেরা নিজ বিবরন।। তোমার আহতাল বল আমার কারণ নিজাম এ কথা সুনে কহিতে লাগিল॥ একেং সাজাদিয়ে তামাম কহিল * জেরপেতে আইনু আমি ছওদাগরি ভেমে॥ জেরপে আইনু ফের কমলার তল্লাসেঞ্কজেরপে শুনিনু এই রাক্ষসের কথা। জে রূপেতে তোমার তল্পানে আইমু হেখা * জেরপেতে তুতি মুথে পাইরু সমাচার॥ জে রূপে জাগাইর কারনে তোমার * এছাই শুনিয়া বিবি হইল খোসাল॥ মাতার সিন্দ ক জেন পাইল काकाल * এতেক বলিয়া বিবি আইল বাহিরেতে॥ দেখে দেও মড়ে আত্তে জমিন বিচেতে ্ তার পরে পায়ে গিয়া ধরে নিজামের ॥ জান দিয়া বাচাইলৈ আমার খাতের * কেমনে সুধিব ধার বলত ভোমার॥ আপনা করিয়া মুঝে রাখ নামদার ¾ এতেক বলিয়া বিবি মালা হাতে লিয়া॥ নিজামের গলা পরে দিল পরাইয়া * নিজাম আপনা মালা খুলে গলা হৈতে॥পরাইয়া দিল মর্ল বিবির গলেতে* व्यक्त व्यक्त रिक्त भाना (पश्चित्र ।। अर्थन पश्चत्र (पथ ছिल व्याद्र ।

কার * এই দ্বাপে দোহার বিয়া জদি হৈল ॥ খুসির তুফান এয়ছা দোহার বহিল * বিবি বলে শুপে দিরু ইজ্জত আমার ॥ জান মাল তেরা নামে করির নেছার * এয়ছাই কহিয়া দোহে ভরিয়া খুসিতে জাইয়া বসিল ফের পালঙ্গ বিচেতে * বিরহ আনল জলে উঠিল দোহার ॥ অবস হইয়া গেল নাহি সহে আর * ছণ্ডদাগর জাদা কহে বিবির খাতের ॥ মিলন সরবত দেহ নাহি সহে দের * দোহে দোহাকার খোসে খুসিতে ভরিল ॥ সে সব খুসির কথা লেখা নহে ভাল * জে জোন রিসিক হবে বুঝে ইসারায়॥ খোলাছা করিয়া লেখা উচিত না হয় #শুইয়া রহিল দোন খুসি খোসালিতে ॥ অধিন নাপাক এহা রচে পয়ারেতে *

* রাজ কন্যা কমলাবতীর খেদ *

প্যার * রাত পোহাইয়া জদি বেহান হইল॥ ফজরে উঠিয়া দোহে গোছল করিল * তাহা বাদে খানা পিনা পাকাইয়া খায়॥ আরামেতে চৌদিগেতে ঘুমিয়া বেড়ায় *এয়ছা মহব্বত দেখ হৈল তু জনাতে।। এক লহজা কেছ কারে না পারে ছাড়িতে * দিনে দিনে भेंश्यें वा पिए ना शिन ॥ এই ऋ १ श्रिश (त्रांक शाका तिया (शनक्र ভার পরে শুন সবে জত বেরাদরে॥ এখানে কমলা বতি মালিনির তরে শশুনগো মালিনি আত্মা শুন দেল দিয়া॥ পাগল করার দিয়া भिटलम हिला अ भित्र भारिक है जित्न क्रिया कावाव॥ व्यानिब विनिय्ना (গছে ना जानिन जान क्र जाक (नथ जाहे (नाक (नाकानिया পেল। তবু সে পাগল মোর কেন না আইল * আমার দেলেতে व्याभाना (लग्न कातात॥ दूबि (म भागन (मता ना वामित वात * কৈ বুঝি তাহার তরে কয়েদ করিল।। প্রেম ছুরি দিয়া তারে বান্দিয়া রাখিল * ফাকি দিয়া যোর তরে আনিয়া হেথায়॥ ফেলে ৰুঝি পালাইল মরি হায়২ * না বুঝিয়া তার তরে সাতে করে লিরু॥ আপনার আক্ষেলেতে আপনি মরিনু * থামাথা মজিনু আমি পাগলের পিরিতে॥ কি তুক্ষেতে আইরু আমি পাগলের সাতে *

* গান রাগিনী বাহার তাল মধ্যমান *
না বুঝিয়া মজে গেনু পাগলেরী সাতে॥
পিরিতের এই কি রিতি কান্দীতে হয় শেষেতে *
আগে জদি জান্তাম মনে, না মজিতাম তার সনে
ভেবে সোরা হলেম প্রাণে, বারি বহে দু চক্ষেতে।
পুরুষ নিদয়া জাতি, দয়া নাহি কারো প্রতি, করে
আমায় এদুর্গতি, কান্দাইল পথে পথে * ভেবে ভেবে
তত্ম কিন, রাত্রকে করিমু দিন, না আইল সে কঠিন,
চেয়ে আছি পথে॥ হিন কবিকারে ভনে, ভেবনাগো
রাজ কন্যে, ধৈজ্জ ধর গো প্রানে, চলিমু আনিতে *

* মালিনি নেজামকে লইয়া কমলাবভীর সহিত

* মোলাকাত করাইবার বয়ান

*

পয়ার # মালিনি ক্ছেন বাত ক্মলাব্তীরে ॥ ছবর ক্রিয়া রহ দেলের যাঝারে ३৮ আল্লা জদি জিতা রাখে কারনে তাহার॥ আলব্তা ভোমার সাতে হইবে দিলার * চল বিবি জাই চল বাসা (नद्र विटि॥ (पल वाङ्लाइया (क का जिव जाङात शिष्ट्र माश्वामि শুনে এয়ছা বিচলিত মনে॥ মালিনির সাতে বিবি চলিল বাগানে वाशास्य ज्ञानिया (माट्ट घार्टिए विनल ॥ कूल्वय वाहाय विवि দেখিতে লাগিল * সুনহে রসিক লোগ দেল লাগাইয়া॥ উপরেতে (करे कथा वारेनू छ। दिया * এখানেতে সাধুবর লালমতি লয়ে। খুনিতে গোজবান করে প্রেমেতে মজিয়ে * এক দিন নেজামের (मल्ल जिला कमलावजीत नाम देशाम दरेल * कान शाल আছে সেই মাসুক আমারাকে মোরে আনিয়া দিবে খবর তাহারঞ তু দিনের করার করিয়া তার সাতে॥ নেকলিয়া আইন্থ এই রাক্ষসে মারিতে 🔆 এতেক ভাবিয়া দেলে নেজাম পাগল॥ সাহানা লেবাছ মর্দ্দ তেজিয়া সকল * নিত ঘরের লেবাছ আগে পরিত জেয়ছাই।। আপনা ওজ্বে মর্দ্দ পিন্দিল তেয়ছাই * তাহা বাবে গাঁবছা আর नाषु शटि नद्र॥ (नकिलिल मान्यद श्रिमा श्रेद्र * जामामा (पश्चिमा माठू हत्ल दाहा श्रदा श्रीहित्नन शिया (क्रश

95

वानिनित्र यत्र क भानिनि वाशित हिन (नकार्य प्रिया॥ थुनित মৌজা তার ডিটিল জাগিয়া * খুসি ভরে দেল তার তড়পিতে लाभिल॥ (क्षशानिए बाक क्या। कार्या (भोष्टिल क्षक्रिए लाभिन बाशि (एथ এसে তুমি॥ খুসির খবর এক আনিয়াছি আমি * জাহার লাগিয়া তুমি পাইতেছ তুখ। কান্দিয়া২ তুমি নাহি বান্দ রুক * সেই জে পাগল তোর আদিছে রাহেতে॥ দেখিয়া আইরু আমি আপন চক্ষেতে * এ কথা শুনিয়া বিবি কান্তি লাগিল। व्यात्र कि भागम (यात्र जामित्य (म वम अ (यह किवा व्याह्य (मरे व्यागात भागन॥ जात कि मिशिव जात वनन क्यन अ मिछि उछिन কেনো দেহ যোর তরে॥আর কি পাগল এদে দেখা।দিবে মোরে* शालिबि वर्णन गार्गा ना कानिए जात्र॥ युष्टे नाहि कहि जागि कात्र्व ভোষার * কছম করিমু ভেরা ছেরে দিয়া হাত॥ তেরা সাতে নাহি করি চাতরির বাত 🦚 সাহা জাদি কহে এহা ঠিক জদি হয়॥ এনাম ব্রধাসন আমি দিব জে তোমায়* আমার গলেতে আছে সাত নরি হার॥ এখনি খুলিয়া গলে দিইব তোমার * দুজনায় এই কথা व्हेर्ड वाहिल ॥ शामिर्ड २ (हाथा निकाम शोहिल * माश्कािष নজালেরে তথন দেখিল॥ বাগে গোলেন্তার মত ফুটীয়া উঠিল * কি विनिष्ठ किया वर्तन ठिकाना ना भारता ॥ यात्र कार्यन श्रात निकारमञ्ज গলৈ * অধন নাদান কহে শুন বিবি জান॥ চুক্ষু ভাবে এখানেতে সাও এক গান *

* গান রাগিনি বেহাগ তাল খাছাজ *

এসহে প্রাণ, হৃদদেরী ধন, হেরি তোমারে; ভরি তুনমুন। তোমারি তরে, এ হৃদি বিদরে, তাসে তু নয়ন,॥ কতদিন কেদে, আকুল হয়েছি, তোমারি তরে কত সম্মেছি। এস নয়নেরি বারী নিবারী, করি আলিজ্ন॥

* নিজাম রাজ দরবারে জায় ও লাল লইয়া রাজাকে দিবার বয়ান*

ক্ষ পয়ার ছন্দ গ্রু সাহাজাদি গান গেয়ে দূক্ষিত হইয়া। নেজা

নের তরে কহে কান্দিয়া কান্দিয়া * মা বাপে ভুলিনু আমি পাইয়া

ক্ষ নিজাম পাগলা,

ভোষায়॥ ভোষাকে পাইয়া ভুলি উলির জাদায় * এতেক করিন दौन कमना सुन्न दि॥ तम मव शिष्ट क्या निरिष्ठ ना भाविक छात्र পরে থানা পিনা নিয়ামত লিয়া॥ নেজামের তরে বিবি দিল থেলাইয়া খানা পানি খাইয়া জে নেজাম মদানা॥ বাহিরে জাবার তরে করিল বাহানা * বিদায় হইয়া আইল আপনার ঘরে ৷ সাহানা লেবাছ মাল পিন্দে তার পরে ঞ্জ জেই লাল পেয়ে ছিল কুণ্ডার মাঝার॥ দেই लाल लिया চলে হুজুরে রাজারৠজাইয়া পৌছিলমর্দ রাজার দরবারে জমিন চুমিয়া পিছে ছালাম গোজারে ্ধদামন হইতে লাল খুলে খুমি गत्नानकत शतिन निया ताकात छागत्नक निकार्य प्रिया ताला श्रीन হৈয়া দেলে॥ পিয়ার করিয়া তায় ওঠাইয়া কোলে * বহুত পিয়ার করে নিজামে লইয়া। কত দোওা দিল তায় ছেরে হাত দিয়া শলাক পেয়ে রাজা বড় হইল খোসাল।। কহ বাবা কোথা পেলে বহু মুল্য লাল* মহারাজা সেই লাল লিয়া তার পরে॥ দেখিতে দিলেন আ জম উজিরের তরে ৠ আজম উজির দেখে খোসাল হাজার। তাবাদে দিলেন লাল হাতেতে রাজার * লাল দিয়া কহে ফের উত্তির আত্তম प्रनियारि नारि पिथि উড़िल ফহम # এয়ছা लाल কোন काल नारि দেখি আমি ॥ মূল্য না হইবে দুনিয়া বেচিয়া তামামি * তাহা বাদে কহে রাজা নিজামের তরে॥ কহ বাবা গেলে তুমি জাহার থাতেরে* নিক্ষাম রাজার জদি আদেশ পাইল॥ একে২ জত হাল কহিতে লা পিল * জেয়ছা ভাতে পৌছি এক জন্ধল মাঝার। জেয়ছা ভাঙে মাকানাত পাই দেখিবার * জেয়ছা ভাতে তোতা পাধি ভেদ বলে মরে॥ জেয়ছা ভাতে গেরু আমি কুণ্ডার মাঝারে * জেয়ছা ভাতে কৌটা তরে ওঠাইয়া লিন্ন॥ জেয়ছা ভাতে রাক্ষসেরে মারিয়া তা লিহু

জয়ছা ভাতে বিবি তরে জাগাইর গিয়া॥ জেয়ছা ভাতে সাদি করি বিবির লাগিয়া *এতেক স্থানিল জদি নেজামের মুখে। পি য়ার করিয়া রাজা লাগাইল বুকে * জে কাম করিলে বাবা লাড়কাই উন্মরে॥ হাজার সাবাসি তেরা বাজুর উপরেঞ্চএতেক কহিয়া রাজা মহলেতে গেল। রাজরাণি তরে গিয়া তামাম কহিল ক্ষবে বাহা কি মাত লাল পাইয়াছি আমি॥ মুল্য না হইবে তুনিয়া বেচিলে তাল্লামি মহারাণি কহে মুঝে দেহ দেই লালায়ালা স্থনে দিইলেন হইয়া খো मान * लाल (পয়ে রাজরাণি খোদাল হইয়া॥ সুমতি বেটির তরে

मिन दोनाहेश * गाथिया मिनान दिन सुम्जित गरन। यासादि বহিলে সেই দপং জলে
ক্ষএমনি চমক তার কি কহিব কায়॥ সে লা লের পরে নাহি চক্ষু ধরা জায়*মহারাজা কহেফের রাণির খাতেরে কারার দিয়াছিআমি জামালের তরে *সুমতির বিবাহ দিব নিজামের সাতে। ওদুল না হবে মোর জিদেগি থাকিতে রু বড়া জ্বণ্ডা মর্দ্দ সেই विषा विक्रियान ॥ कि कव ऋপित कथा ना इस वसान अतिका শে একেলা জাইয়া॥এই লাল এনে ছিল আমায় লাগিয়া*জেয়ছাই সুমতি যোর জামাই তেয়ছাই॥আমার কগাল গুনে মেলাইল সাই মহারাণি সুনে এহা থোসাল হইল॥ তুমি রাজি আছ জাতে কি ক হিব বল 🛪 ভাল দিন দেখে কর বিবাহের দিন॥ কায়েম রাথেন জো ছা এলাহি আলমিন*তার পরে স্থন সবে রসিক সুজন॥পুর্বা দেশে ছিল এক নামেতে বাহমন 🗱 বেবাহা ফউজ তার বড়া জোরওার॥ জোরের বয়ান আমি কি লিখিব তার* কেহ গিয়া তার তরে কহিল থবর॥ উত্তর দেনেতে আছে রাজা কংসধর*তার এক বেটা আছে নামেতে সুমতি॥ কি কব রূপের কথা লজ্জা পায় মতিৠদপ২ জলে সেই আন্ধারের বিচে॥ হুতন জৈবন তাহে বাহার দিয়াছে 🕸 কি কব মাথার কেশ কাল নাগ হেন॥ যুঞ্জুরি বালেতে খোসরু আতর জেমন আসিয়া পড়েছে কেশ নিচেতে জামুর॥ পেসানি উপরে জেন চমক্রি তেছে ত্রর * কি কহিব দূটী আখি বয়ান করিয়া॥ জেন তুচক্ষেত্রে পানি চলেছে বহিয়া * আহা কি চক্ষের পরে ভুরা দুটী জোড়া॥ সে কারিতে কামানেতে দিইয়াছে চড়া * নাসিকার কথা আর কি দিব সাবাসি॥রাধিকার মনলোভা শ্রীকৃষ্ণের বাসী *ক দিব তুলনা আমি म नृति ঠোটের॥ জেন আলতা গোলা আছে উপরে মুখের

अ দে বলিশ দাত কি শিবিৰ হায়॥ আনারের দানা জেন আয়না চম काग्न*कि कर भनात कथा नाहि जाग्न लिया।।भानि (थल लानि जात्र সব জায় দেখা *কি কহিব তুটি হাত রেলুন মতন। কুন্দীকায়ে কুন্দে कां द्रार्थिन एकमन * छू है हर्त छात्र कि कर वाथानि॥ हिन्दिन हलन তার জেমন খঞ্জনি * কিরপে কহিব আমি সে রপের বানি॥ সে क्रिश (पर्थ जिश (ছए) (पर्स मगी क्र वामानित्र (वर्ष) जिप এ जिक শুনিল॥ আসক আগুন তার জলিয়া উঠিল*বুকেতে লাগিল তার আসকের তির॥ জলনেতে রাজ পুত্র নাহি হয় স্থির * খাওা পে

তা ত্যাগ দিল সদা জপে মালা॥ সহিতে না পারে আর বিরহের জালা * কেহ জিদ ভাল কথা কহিত তাহায়॥ আগুনের মত জেন লাগে তার গায়*ভেবে২ রাজ পুত্র হইল মলিন।। এক্ষের বোখারে তরু হয়ে আইল থিন * এইরপে হপ্তা রোজ গোজারিয়া গোলে। বামনের আগেতে খবর কেহ বলে * রাজা শুনে ছের পাঙ লাজা করিয়া॥ আইল বেটার কাছে দরোদ ভাবিয়া * কহ বাবা কি হইল কারনে আমার॥ কেহ কিছু বলিয়াছে থাতেরে ভোমার 🗱 এখুনি সমসের মেরে ছের জুদা করি॥ঠিক কোরে কহু বাবা মেরা বরাবরি বাহমনের বেটা জদি এতেক স্থানিলা। কহে মোর তারে কেহ কিছু না কহিল। 🗱 তুমি তো দেশের রাজা আমি পুত্র তেরা॥ কোন বাজে দুনিয়াতে ডর নাহি মেরা * শ্রীধর নামেতে রাজা উত্তর দেশেতে॥ রূপবতী বেটি এক তাহার ঘরেতে * তাহার সঙ্গেতে মেরা দেলা हैरव माषि॥ ताका श्वरन वरन रहाक भावात्रक वाषी 🗱 এই वारक দেল বিচে না করিবে গম॥ এখনি তাহায় আমি করিব পেয়গাম * এই তো পেয়গাম সেই না মানে আমার॥ পানিতে ভাসাব আমি সহর তাহার * জোরেতে আনিব ধরে তাহার বেটিরে॥ সাদি দেলাইব লিয়া তোমার খাতেরে* তাহা বাদে হুকুম কৈল পেয়গাম লিখিতে॥ উদ্ধির লেখেন খত হুকুমের মতে 🕸 পহেলা আলার নাম লিথিয়া ছনদে॥ দেলের মতলব ফের লেখে তাহা বাদে * শুন রাজ রাজ্জেশ্বর লিখি আপনাকে॥ বহুত দৌলত আল্লা দিইল তোমাকে 🛪 সুমতি নামেতে বেটি আছেত তোমার ॥ আমার বেটার সাতে সাদি দেহ তার ঞ্জ মেরাবাত নাহি জদি শুন কোন মতে॥ আথেরে সহর তেরা ভাসাব পানিতে এমতে লিখিয়া থত কুল ফ আটিয়া।। কাছেদের তরে এক দিলেন তেজিয়া * জীপর রাজার আগে কাছেদ পৌছিল॥ ছালাম করিয়া খত রাখিয়া জে দিল * विधिन कट्टन দেলে ভাবিয়া বিमाদ॥ नाती रेट्र एतथ ভाই घटि कि क्छान * नाति क्छारित क्र क्य क्य (वर्ताक्य ॥ नावित लातिया জান জায় তো কাহার * নারির লাগিয়া কেন্ড পায়ে বেড়ি লেয়॥ এইহাল হইতেছে এই জে দুনিয়ায় * মুন मि বলে পানা তলে রসিক জোনার॥ তুনিয়াকে ভাল নাহি বোঝো বেরাদর *

* শ্রীধর রাজা বাহ্যনকে খতের জওাব লিখিবার বয়ান *

ॐ जिभनो क्षे जीवत ताकात उत्त, काष्ट्रम हालांग करत, খত লিয়া বাহমনের দিল॥ মহারাজা থত পেয়ে, বড়া খোসালিত হয়ে, খুলিয়া জে পড়িতে লাগিল ্ একেই জত বাত, পড়িয়া জে শেক জাত; দেলে বড়া ভাবিত হইয়া । আজম উজির তরে, তখনি তকুম করে, লেখ খত বাহমন লাগিয়া * লিখিয়াছে জেই ভাতে, জণ্ডাব লিখে দেই মতে, ভেজে দেহ বাহমন রাজাকে॥ উজিরস্থনিয়া বাত, লিখিতে লাগিল খত, দেলের মতলব একে২ * শুন্থ মহারাজ পেয়ে খত সরফরাজ,হইয়াছি দেলের মাঝার॥আর যাহা খত পরে, লিখিলে আমার তরে, পড়িয়া জে খোদাল হাজার কিন্দ্র এক বাত আছে, লিখি কদমের নিচে, গোনা মাফ কর নাদা নের ॥কি করিব চারা নাহি, এই বাত জান ছহি, কারার দিনু জামাল পাতের * সাদি দিব তার সাতে, করার করিত্র এতে, কারারেতে আছি গেরেপ্তার॥ তাই তেরা বেটা তরে, বেটি জে স্থপিতে তারে, নাহি:পারি শুন নাম দার * লিখে খত এ রূপেতে, দিল কাছেদের হাতে,কাছেদ জে বিদায় হইয়া।বাহ্মনের আগে গেল শ্রীধরের খত দিল, পড়ে রাজা কুলুফ খুলিয়া * তামাম ওাকেফ হৈল, গোশা তে ভরিয়া গেল, ক্রোধে থত ফাড়িয়া ডালিল। বালিসে চাপড় বেরে, কহেন উজির তরে, সৈন্ন গনে বল সাজি বারেঃ ছেপা গনে माजारेश, এই ঘড়ি কুচ কিয়া, তুমি আমি জাব লড়ি বারে॥ পেথিবকেমন রাজা, খুব মতে দিব সাজা, ডরনাহি করিল আমারে* উল্লির প্রকুম পেয়ে, লক্ষরে কহেন গিয়ে, সাজ সবে লড়াই লাপিয়া॥ শুনিয়া ছেপাই সবে, গোশা হৈয়া সাজে তবে, মার মার উঠিলহাঁ কিয়া * ধুধু নাকারা বাজে, তামাম ছেপাই সাজে, भूर्थ थालिवत्ल मात्र मात्र ॥ हिन कवि कात्र त्राह, कामा कात्व व्याह्य পিছে, ময়দানেতে ফতে হয়কার *

* শ্রীধর রাজার সাতে বাহমন লড়িতে জায় তাহার বয়ান *
প্রার * দিন গোজারিয়া রাত পৌছিল আসিয়া॥ জার
জে জায়গায় রহে আয়াম করিয়া * ফজর হইতে কহে উজিরের
তরে॥ সাজিতে কহনা তুমি তামাম লক্ষ্রে * উজির হকুম দিল
লক্ষ্রে সাজিতে॥ জঙ্গের তবলা ফের লাগিল বাজিতে * নেকা

लिन वार्मानत जामाम कडेक ॥ पतियात्र विक किन छेठीन मछेक 🗱 কুচের নাকারা ফের বাজিতে লাগিল। তামাম ফউল তবে বাহির হইল 🗱 পায়তারা করিয়া সবে চলিল রাহেতে॥ এয়ছাই কয়েক গালেব তোমার পরে পৌছিল আসিয়া * বছত দেখির আমি ছেপাই লসক্ষর॥ তাই এসে আপনাকে কহিন্ত ধবর * বোদ হয় বাহমন আইল লবিতে॥ বছত লক্ষর লিয়া আসিয়াছে मार्ड * চারি লাথ আছওার চুনেকা ছরদার॥ রায় বাস তেরে न्माक लब् हे राकात्र क्ष जीस्त्र त्राका किन व कथा स्निल। त्राचा ভরে দোন অাখি লাল তার হৈলঃ কোন জোরে আমিয়াছে আমা র ময়দানে॥ মেরা জোর কভু বুঝি নাহি শুনে কানে * একথা বলিয়া রাজা হাঁকিয়া উঠীল॥ উজির থাতেরে ফের ছকুম করিল 🗰 লক্ষর কহনা তুমি ময়দানে জাইতে॥ দেখিব বাহমন গিধি লড়ে কেয়ছা ভাতে * উজির সুনিয়া সবে সাজিতে কহিল॥ সুনিয়া (इপाই के माজिया চिलिन * ने मारे नाकाया वार्ष ने के या ঝার॥ ময়দানেতে খাড়া হৈল বান্ধিয়া কাতার * দুই দলে মোকা (वला वश्रु इहेन॥ अक वादा जव काहे नए। सिन अभ गात মার সোর সার হাকের আওাজ॥ মউটা উঠিল জেন দরিয়ার মাজ * জোর তালের পরে করেন লড়াই॥ কত লোগ মারা (शल क्वानिन धलाई * पूपलाब एक्याई गावा वर्ष अधिन॥ लिएएउ२ किन আখের হইल * निमा माम काल मद बाइन कि রিয়া॥ জে জার বাসাতে রহে আরাম করিয়া * তা বাদে জীধর রাজা ঘরেতে আইল॥ সুমতি বেটির তরে কহিতে লাগিল 🕸 বছত আদরে তুঝে পালির পুসির॥ বাহমনের বেটার তরে তুঝে রেখে ছিন্ত * সুমতি কান্দিয়া বলে হায়রে কপাল॥ আমাকে মারিলে জাবে ঘুচিয়া জোজাল * আমি এই কুলসিনি পাপিনির তরে॥ আমার কারনে কত পাহালাতান মরে * জথন জর্মিয়াছির भारत्रत (भरिटि ॥ (कन ना कननी मदत्र मातिन म व्यक्ति * এখনি মারিয়া ভাল রেখে কিবা কাম॥ সম সের মারিয়া ছের কর্হ তামাম 🕸 এতেক সুনিয়া রাজা করিয়া পিয়ার॥ ছেরে মুখে বোছা দের হাজার২, *শেশা মতে বোঝাইয়া সুমতি বেটারে॥

তা বাদে শ্রীধর রাজা আইল বাহিরে * হিন কবি করি কহে অধ্য লাচার।। ভগলি জেলার বিচে বসতি জাহার *

* निकाम ও বাহমনের দোছরা দিনের লড়াই * * পায়ার

স্মতি বেটির তরে রাথে বোঝাইয়া॥ দিন গোজারিয়া রাত পৌছিল য়াসিয়া 🗱 জার জে শুইয়া রহে খোসাল খাতির॥ রাত গোজারিয়া গেল মর্জি এলাহির * লড়াই नाकाता वार् वारमत्नत परला। छिन्नित चाक्रम सूरन এই कथा ब्राम 🗱 আপনা কদমে এই আর্জ আমার॥ প্রমনা করিবে আর (मटल जाभनात * তোমার দামাদ (জই হইবে জামাল * বড়া জোরপ্তার সেই বাঘের মেছাল * দেখ কেয়ছা তুরাচার রাঞ্সের তরে।। একেলা জাইয়া দেখ মারিল তাহার * নিজাম এ কথা সুনে ছালাম করিয়া॥ রাজার কদমে কহে মিনতি করিয়া * আ মাকে ছকুম কর জাইতে ময়দানে॥ দেখা চাই কত জোর রাখেন ৰাহ্মনে 🗱 স্থানিয়া শ্রীধর রাজা কান্দিয়া কান্দিয়া॥ নিজামের তরে क(ट (मलामा (क पिय़ा * यून वावा এই कथा ना विमाद (यादि॥ তোমাকে ভেজিতে মেরা জিউ কেয়ছা করে* মানা জদি নাহি সুন জাও তুমি রনে।। জিয়ান্ত মরিয়া জাব তোমার কারনে * নিজাম এ একথা সুনে কহে আর বার॥ দোওা কর ভেজ মুঝে ময়দান মাঝার * বসিয়া ভাষাসা দেখ আমার লড়াই॥ ফভে জেন পাই শামি এই দোওা চাই 🗱 শ্রীধর রাজা তবে লাচার হইয়া॥ নিলামেবিদায় দিল আলাকে স্থাপিয়া 🔆 তামাম লক্ষর হোতা কোনর বান্ধিয়া॥ খাড়া আছে সকলেতে ছকুম লাগিয়া * তা বাদে নিজাম মর্দ্দ সাজিতে লাগিল। হিরামতি জড়াও এক তাজ (ছরে দিল * সোনার জেরা বন্দ মর্দ্দ পেন্দে ওজুদেতে॥ কদিয়া কোমর বন্দ বান্ধে কমরেতে * আছিল পোলাদ ঢাল ভাহার থাতের॥ ওঠাইয়া বান্ধিলেক উপরে পিঠের 🗱 তু ধারি তলওার এক কোমরে বান্ধিল॥ হাজার মনের গোজ্জ কান্দে ওঠাইল * मगरमत कारोति ছूति निक्षा ७ कार्यान्॥ একে একে वाकि लिक लएारे ছालाग * वए। জातु थात्र घाए। चाहिल रेख्यात्र॥ কুদিয়া ছণ্ডার হৈল উপরে তাহার * কুচের নাকারা ফের वाजिए नागिन॥ निमान् धित्रा मत्य महाना भी हिन * श्रिन्श

जक देशल (घाएात्र जालाका। शमत रहेल (जन सम्मात्नत्र भाक क পোর সারাব্ত এয়ছা ময়দানে ইইল। তিন কোস তক তার वां अङ्ग भी किल क्ष पू पत्न इंडा ति एक। नां जिन वां किए ॥ शिक छेठे शिए। नाट जात्र जाशाकात्कर के पृश्वित्याका বেলা বছত হইল। বাহনন ছরদার এক পাঠাইয়া দিল 🕸 আসি য়া ময়দান পরে বড়া হাক মারে॥ কুদে ঘোড়া হৈতে লাফ কাফ করে ઋ ছণ্ডারের লাফ কাফ দেখিয়া নিজাম॥ গোশ্বাম ভরিয়া গেল অজুদ তামাম * বারুদের ঘরে জেন আগ লাগাইলা খোড়ায চরিয়া यक यशमारन एक शिल क्ष हुई क्षारन याकारका वष्ठ निष्न॥ নিজামেরছেরে গোজ্জ থেচিয়া মারিল*পাহালতান ঢাল দিয়া রদ কৈলতারে। নিজান হাকিয়া বলে দামাল এবারে ঋ এয়ছাই সুনিল জিদি লোগ বাহমনের ৷ভাকিদ পাতিল ঢাল বাচাইতেছের ঋগোসা য় জামাল মন্দি তলওার লইয়া॥ মারিল জোরেতে তার ঢাল তাকা ইয়া * ফাটিয়া লোহার ঢাল ঘোড়া মারা গেল॥ বাহমনের ছরদার কুদে তফাতে ভাগিল * পাহালওান যোড়া হৈতে নিচে ও তরিয়া॥ কুদিয়া মারিল তেগ ছণ্ডারে খেচিয়া * তুফাক হইয়া সেহ গেরে জমিনেতে॥ গুড়ি কাট কেছ জেন চিরিল করাতে জান নেকালিয়া জদি গেলেক তাহার॥ লড়িতে আইল ফের দোছ রা ছপ্তার * সেই ভাতে তার তরে জোম ঘরে দিল। এক চাল্লিস ছতার এই রূপে মারা গেল * বাহমন রাজা জদি এহাল দেবিলা। একুবারে সবা কারে হুকুম করিল

 এক লাড়কা একেই চাল্লিস ছ ওারে॥ গেরাইয়া দিল ডর কিছু ন।হি করে*যিরে মারো ছওা-রেতে সবে পড়িল টুটিয়া॥ জমিন কাঁপিয়া উঠে দহসত পাইয়া * পাহালওান নিজাম জদি এ হাল দেখিল॥ লইয়া আল্লার নাম दैं। किया পि फ़िल * कूडे इंटि शूटल फिल फान उलाउात । कु फिया পড়িল মর্দ বোলে মার মার 🕸 ছাগোলের পালে জেন বাঘ্ সান্ধাইল ময়দানের বিচে খুনে তুফান বহিল * কার হাত পাঙ কাটে কার কাটে ছের॥ দুই ফাক কৈরা দেয় মারিয়া সামসের* কেলার বাগানজেন কাটিয়া চলিল।গোশ্বায় ভরিয়ামর্জ কাটিতে লা शिल * এशान अधिव ताका वड़ा (भद्रिमान ॥ जालाव प्रविधा

(मां भारक मान मान क्षा काला भाक भिन (मार इव वान इप्र॥ নিজামের বাজু পরে জোও কিছু বেও * বাহমনের তারে তুমি কর (क्रिय वार् ॥ এ (क्राउ) क्र्म क्रिय श्रावाय (क्राय क्रिय क्रिय এজ্জত মেরা চাহে জে মারিতে॥ আর আল্লা তরাইয়া লেহ এ আফতে * রাজা এ দোওা মাঞ্চে আলার দরগায়॥ পাহালওান নিজাম হোথা তলওার চালায় * কাটা ছের ভাসে জেন বেল গড়া ইয়া॥ এক ঠাই নহে থাড়া চলিল কানিয়া * ছণ্ডারির ঘোড়া ঘোমে क्गात्त्र नाक॥ वारुयन (मिथिया (मिल रुरेन वैवाक अ এक এक লাফ ঘোড়া মারেন কুদিয়া॥ বিশ হাত একবারে জায় নেকলিয়া* জোড়া লাখি মারে যোড়া ছেপায়ের ছেরে॥ মগজ নেকলিয়া জায় দূ কানের পরে * তলওার মারিয়া চলে নিজাম পাহালওান॥ কারবা পোর্ডের চোটে করে থান থান * কথন ডাহিনে কাটে কথন বামেতে॥ কথন সুমুখে কাটে ছেপায়ের জাতে * এই রূপে কেতা বেতে লেখে এই বাত॥ তিন দিন তিন রাত লড়ে এয়ছা ভাত * জত মারে তত বাড়ে বাহমনের ছরদার॥ কোথা কে করিতে পারে তাহার সোমার * এ রূপে নিজাম মর্দ্দ কাটিতে লাগিল॥ বাহ মনের লক্ষর জত ভাগেল হইল * পিছে পিছে কত তুর থেদাড়িয়া জায়॥ বিপাক দেখিয়া সবে কেল্লাতে সান্ধায় * চলিয়া আইল মৰ্দ্ধ थूमि (थामानिष्ठ ॥ यशकाम यूनमी कर वाला पिन कर अ

* সুমতি ও নিজামের সাদির বয়ান *

ত্রিপদী ছন্দ * লড়াই করিয়া ফতে, নিজাম জে খোসালিতে, আইলেক ছক্ত্ররে রাজার॥ ঘোড়া জোড়া খুনে বয়ে, গেছে লাল রংগ হয়ে, খুনে লাল হয়ে তলওার * রাজা এই হাল দেখে, ওঠাইয়া লিল বুকে, পেয়ার কারয়া জামালেরে॥ গায়ের পোষাগ জত, হয়ে রাজা খোসালিত, বদলিয়া দিল তার পরে * শুনহে রাসক সবে, দেল লাগাইয়া এবে, শুন খোড়া বয়ান সাদির ॥ এথির রাজা তা বাদেতে, স্মতির সাদি দিতে, কহে জত উজির থাতির * বেহার দম্ভর মত, ছরঞ্জাম কর যত, কোন মতে কমি নাহি হয়॥ স্থাতর দিব সাদি, সাদি মবারক বাদি, আল্লা জিন রাজি হয় তায় * শুনে উজিরানে, খুনি হৈয়া সর্বব জনে, করে সবে সাদির ছামানা॥

मरदात हाति शादा, फिल जारमना विक करत, फिरियांदा मान जाशि वाना * वाखाद पूरे थादि, फिल जायना वनिक कदि, छेशदिए ছोधनि আয়নার।।তার পরে এখানেতে, ঘর সবে সাজাইতে, মৌজুদ হইন (জ জাহার * দেওালগির দেওয়াল বিচে, তাহে লটকাইয়া দিছে, সারি সারি ঝাড় বেলওারের। ফারুস কান্দিল আর, কি কব বয়ান তার, চমক জেন আছ্মানের * গালিচা তুলিয়া কত, বেছাইল শত্ এক মত রঞ্জিন বাহার॥ তাহার উপরে ফের, রঞ্জিন আর মধ্যালের বেছাইল অতি ১মৎকার 🗱 বালিদ তাকিয়া আর, রঙ্গ রঞ্জ বেদো মার, রাখিলেক চার তর্ফেতে॥ হোক্কা ব্রাথে চাদি সোনা, কি কুর তাহার বেনা, দে সকল নারিম্ন লিখিতে * এরপেতে সাজাইয়া, রাখিল ঘরেতে লিয়া, দেখিবারে আহা কি বাহার॥ চৌরাহে মিনা রায়; নওবত বাজে তায়, কি কহিব বয়ান তাহার 🕸 মেরাসিন মহ লেতে, গায় গিত খোদালিতে, কেহু নাচে কেহু কেহু গায়॥ বারো তেরো বরছের, ছেন ছিল তাহাদের, দেখে মন রাখা নাহি জায় 🗱 🖔 পরে বানারাস সাড়ি, মনজেন লেয় কাড়ি, ছুই বেরা দিইয়াছে তায় णार्थ ছোরমা দাতে মিসি, কথা কয় হাসি হাসি, রসিকের মন (कर्ड लिय क्र अरे क्रिन हिन्न वर्तन, नार्छ श्राय पित वर्तन, कि जाननः মধুর শুনিতে॥ কবিকার কহে এবে, বাইদের গান এবে, শুন সুবে রদিক জোনাতে *

* গজল মুজরা *

আজ হায় রং হায় মেরি জান আরখান সবকা হোবে॥
আরমে ছে ফার্সে জনি বুলবুলে নিজাদ চামান হোবে
বাগে শুল স্থানে আলাম, কুমরিকে-রাহতা হার দাম,
হার আয় শুলআন্দাম; মুজকো গেরে বান আদান হোবে
মুজরা কারনেকো এহা, আয় সব নিমজঙা, স্থাদ রাহে
ভাত্তে রঙা; গেলে নান খোদ হাল হোবে * নিজাম
কাহতা হায় সাম, পেলা সারবতে জাম, মুজকো নিলে
গা আরাম ইমান আমান হোবে *

* রাগ ত্রিপদী * নাচ ওালি এরপেতে, গায় গিত মহলেতে, খোসালিত হইয়া সকলে॥ ছেতার তামুরা কত, বাজিতেছে শত২, মন্দিরা বাজে তালে২ * তা বাদে মেহমান আইল, খানা খেলা

ইয়া দিল, ভরং বিরিঞ্জি পোলাও॥ কোপ্তা কালিয়া আর, কার্যার জি মজা দার, খার সবে আলাও ঢালাও ¾ রাস্তার দুই ধারি; নাচে বাই সারিং, মন মতে খায় সকলেতে॥ কেহ খায় কেহ গায়, কেহ সে সাবাসি দেয় কেহং ঘোমে জে রাহেতে * তামাসা দেখিয়া ফেরে, সহরের চারি ধারে, নাচ বাজা ঠাই২ হয়॥ ফেরে সবে খুসি शिल, कान गम गारि (मरल, थुमित्र भोजा माद्र लात्र अस्त्रत জত জোনা, ঘরেতে না খায় খানা, খেয়ে পিয়ে রতে এখানেতে॥ আপনার ঘর ছেড়ে, এখানে রহিল পড়ে; রাত দিন রহে চেয়েনেতে এই রূপে এক মাহা, গোজারিয়া গেল তাহা, সাদির দিন পৌছিল আসিয়া। শ্রীধর রাজা তবে, বোলাইয়া কহে সবে; শুন কহি সবার लांशिया * तरेष्ठ म छल जात, नामिश नामनात, तरम छिल जक लिरे মিলৈ॥ রাজা ফের কহে সবে, ফজরেডে জেডে হবে, সাদি দিতে লইয়া জামালে # একথা সকলে শুনে, খোসালিত হয়ে মনে, তামাম বরাত মিলে জুলে॥ ফজরে চলিয়া আইল, সেই দিন জুকা ছিল, খোসালিত হৈয়া সবে দেলে * কহে সবে তার পরে, মঙ্গা সাজাবার তরে, দেহ আপে পোষাগ আনিয়া॥ মহা রাজা শুনে বাত সেইঘড়ি হাতে হাত, জায়া জোড়া দিলেন আনিয়া% কিম খাব এজা রেতে, মতি গাথা দামনেতে, সারিং ঝোলে কেনারায়॥ চোগা ও চপকান পরা, সোনালির কাম করা, কেনারায় মতি মুক্তা তায়* কি পুবি বাহার লিল,আন্ধারে উজালা কৈল,চকু নাহিঠারে তার জোতে ছাচ্ছা টুপি ছের পরে, আহা কিবা সোতা করেঃ কিন্ধতি পাথর কত তাতে * পায়েতে জরির জুতা, কি কহিব সেই কথা, মতি মুক্তা এরাকুত পাথর॥ ঝিকমিক করে তার, চক্ষু নাহি ধরা জায়, কিন্ধ তের নাহি জার ওর * কি দিব তুলনা তার, চমক জেন ছেতারার, তুলনা কি দিব তার সাতে॥ মুখ ফেরায় জে দিগেতে, সুর্জ্জের কিরন মতে, লাগে জোত আসিয়া চক্ষেতে*লেবাছ আর পোষাগে তে; টোগুনা রূপ ভাতে, জলে জেন দিপক আকারাত্রই রূপে সাজা ইয়া; সকলেতে খুসি হৈয়া, সাদ্বর কারনে নওসারঞ্জলোগ লওাজে ম জত, সাজিয়া জে মন মত, খুদি দবে বাগে বাগ হৈয়॥ হাতি উট ঘোড়া ঘুড়ি, সাজিয়া জে সারি সারি, রাখিলেক কাতার বাক্ষিয়া * তার পরেবেহারাগনে, মহফা ধ্চীদল এনে,মৌজুদ করিলেক লিয়া॥

নানা বাদ্দ বাজা বাজে, তামাম বন্ধরাত সাজে, ঠেলা ঠেলি আমণে
মাতিয়ায়তা বাদে নওসারে লিয়া, মল্ফায় ছওার কিয়া, চলে সবে
সাদি দেলাইতে ॥ ছড়া ছড়ি ঠেলা ঠেলি, রাহা িচে লাম্ব চলে, হাস
মত দবদবার সাতে য় দেখি বাবে সে ত সাসা, রড়া লিয়া হাতে
আসা, পড়িতে উঠিতে সেই জায়॥ তাকত না আছে তার, তবু সাদ
দেখিবার, তামাসা দেখিতে বড়া ধায় য় কেহবা কোলের ছেলে;
ধুলাতে দিলেক ফেলে, কেদে লাড়কা হইল আকুলাজতেক জুবতি
গনে, ফেলে নিজ পতি ধোনে, দিগে দিগে আইল বেল কুল য়
কেহু বলে এ প্রকারে, পাই জদি এ সামেরে, স্বর্ণের ভরা কোরে
রাখি॥ কেহু বলে পাই জদি, করিয়া গলার বদি, গলে রেখে নির
বদি দেখি য় কেহু বলে ওগো বুঙা, পাই জদি হেন প্রিয়া, মন
ভবে পোহাই রজনি॥ মহাক্ষদ মুনসী কয় শুন ওগো রস ময়, এ
খানেতে গান গাও শুনি য়

* शक्न शिनि *

কেয়া তেরা হুসমুকা খুবিসে, দেল মেরা মামুর হুয়া।
এক্ষেকা থাঞ্জারমে মুজকো, আবতো চুর চুর কিয়া *
কলেজা হুয়া টুকরা, কিছছে কাছ এ মাজেরা জেছম
তো পারা পারা, মিসলে কাহতুর হুয়া * বদন হো
চুকা জাথম, পেলাদে আবে জাম জাম, একে জারি
কো আব থাম, ছাবরকা এহি মুর হুয়া *

* সুমতির সিঞ্চারের বয়ান *

* ত্রিপদী * সহরের চারি ধারে, ফেরাইয়া তার পরে, মঞ্চলিসেতে নঙসাকে আনিল। সাহানা বিছানাতে, বসাইল লিয়া তাতে, থানা ফের পেলাইয়া দিল * মহারাজ তার পরে বোলাইল কাজি জিরে, গাওা সাক্ষি মোকরর কৈল। দম্ভর মাদিক জেয়ছা, সাদি পড়াইল তেয়ছা, আমিন আল্লা সকলেতে বল * দ্লা আর তুলহিনে, দোওা সবে জনে জনে, দেহ ভাই রসিক জনাতে। তার পরে শুন সবে, সুমতির সিজার এবে, লিখি কিছু শুন সকলেতে * সাদি হইল জিনি, দেহ মবারক বাদি; জোড়া আল্লা মিলাইয়া দিল। এথানে মহল পরে, সুমতি বিবির তরে, গোছল দিতে হাজামে

চলিল#বিবিগণ তাবাদেতে; হাক্ষামের কেনারাতে, তত্তোপরে বসা ইল লিয়।। মাজ অজুদেতে মলে, গায় গিত খুদি হালে, তার পরে लिल उठा है शा क्ष राक्षा स्थाना शिष्ट्र , जाहार ज शाहल निम, भूष्ट অঙ্গ রেসমি রোমালো বিবিগণ ভার পরে, বসিলেক ঘিরে ঘারে, জভ विवि এक जीए गिल * मानात हित्रनि निया, (कन जव वाहिष्या চুটী ফের মন মতে গাথে॥ সোনা ও রূপার ডোরা, জেমন চমকায় তারা, খোপা ফের লাগিল বান্ধিতে * তুলিয়া বান্ধে থোপা, তাহে গন্ধরাল চাপা, খতি মুক্তা ঝোলে কত তায়াকপালেতে সিতা পারি, ব্রামক। দিল কানে দূর্টি. নথ ফের দিল নাসিকায় * আহাকি মাশুকি গলৈ, সারিং হার দোলে, ঝলে জেন তারা আকাসেতে॥ হাত পরে বাজ্ব বন্দ, আহা কিবা পরি ছন্দ, বাক দিল ভাহার কাছেতে * বেলুন হাতের পরে, চুড় দিল থরে থরে, আহা কিবা হাতে সোভা পায়॥ দশটি আঙ্গুল বিচে, মানিক অঙ্গুটি দিছে, ফিরজ পাথর ছিল ভায় * কোক্ষরেতে চল্র হার, আহা কি বাহার ভার, চাদ জেন চমকে আছ্মানেতে।। পায়েতে পাজেব দিল, আন্ধারে উজলা কৈল, বাজে তাহে চরণ হেলাতে *মেছদি পায়ের বিচে, কি বাহার তাহে দিছে, কি দেব রূপের তুলনা ॥কি দিব তুলনা তার, খুজে নাহি পাই আর, দেখে জোগ ছাড়ে মনি জনা * আহা কি রূপের ছান্দ, জেন পুর্ণিমার চাঁদ, ধপধপ জলেক আন্ধারে॥ রূপের জুওার হেন, সাগর **उथाल** (जन, এরূপ বথসিল প্রয়ারে * স্ব নামের কুড্তা এনে, পেনাইল গুলবদনে, তাহাতে ওজুদ দেখা জায়॥ কিম খাপ এজা রেতে, মতি গাথা দামনেতে, সারি সারি ঝোলে কেনারায় * জে-ওর আর লেবাছেতে, চৌগুন রূপ বাড়ে তাতে; আহা কিবা ছুর-তের খানাবিদাক সানের মতি, সর্মিন্দা পাইয়া অতি, লজ্জা পেয়ে ফিরে নাহি চান * সুমতিরে এরপেতে, সাজাইয়া মনমতে, লিয়া গেল ঘরের মাঝার ॥ মওসা জামালের তরে; লিয়া গেল বাদসার যরে, দেখে সবে খোদাল হাজার * কড়ি বরে বশাইয়া,জখন রাখিল লিয়া, মালিনি আইল সে সময়॥ খুসি হৈয়া নানা ফুলে, হার লিয়া णारैल চलि, पिरे वाति पिरायात्र शंनाय के यानिनि निकार्य प्रिंश, ভাবে বিবি আপনাকে, নেজাম পাগল কেন হেখা।। ফের এহা ভাবে মনে, রাজার জামাই কেনে, হইবেক একেমন কথা *এতেক ভাবিয়া

দেলে, হার দোহাকার গলে, পরাইয়া ঘরেতে আইল॥ কবিকার ভেবে সারা, চোর এবে গেল ধরা, আর নাহি লুকাতে পারিল 🐯

% মালিনি কমলাবতীকে লইয়া রাজ বাটীতে নেজামকে
দেখাইতে লইয়া জায় তাহার বয়ান

😂 পয়ার ছন্দ 🗱 মালিনি আইল জদি আপনার ঘরে॥ তার পরে কি হইল শুন বেরাদরে * কমলাবতী এন্ডেজারে ছিল মালি नित्र॥ मालिनिक (एएथ विवि श्वामाल शाजित्र अभानिनि विवित्र जर्त ক্ৰেৰ তামাম॥ রাজার জামাই বুঝি হইল নেজাম*তোমার পাগল হৈল পতি সুমতির॥ বর মালা পরাইরু তাহার খাতির * কমলাবতী বলে এহা কেমনে হইবে॥ রাজার জামতা কেন পাগল সে হবে* পাগলের তরে রাজা কেমৰ করিয়া॥ আপনার কন্নার তরে দিইবে সুপিয়া * ঠাটা মুঝে করিতেছ বুঝি বারে মন॥ শুন গো মালিনি व्याक्या मा कर अभन अ भामिनि रामन किन ना कर अखरात ॥ (मिया ইব চল তুমি নজেতে আয়ার * কমলাবতী রাজি হৈল দেখিবারে বর॥ মালিনি ফুলের মালা গেথে তার পর 🛪 কমলাবভীর ভরে সাতে করে লিয়া॥ ঘর হৈতে তুই জনা চলে নেকলিয়া * কথায়২ দোহে জায় রাহা পরে। রাজার বাটীতে গেল অন্দোর ভিতরে 🗱 कमला मालिनि क्र व कारेया (भोष्टिल। विविश्व कमलाय प्रिथिया পুছিল * कर (গা মালিনি কर এই কোন জন। এমন রূপের চাদ না দেখি কখন * মালিনি বলেন মর বহিনির বেটি॥ রোজ কত আ সিয়াছে আমার জে বাটী *ভা বাদে কমলাবভী দেখিতে লাগিল। নেজামের তবে বিবি চিনিতে পারিল
*মনে মনে বলে সেই পার্গল আমার॥ বুঝিতে না পারি আমি ভেদ জে এহার ঞ্চ মালিনির ভরে বিবি এ সারাতে কয়॥ নেজাম পাগল এই জানির নিশ্চয় * তা বাদে মালিনি সেই ফুল হার লিয়া। নেজাম খাতেরে ধনি দিল পেনাইয়া * নেজামের গলে হার দিইল জখন ॥ চালাকিতে সিন্দুর কানে দিইল তখন ¾ তাহা বাদে তুই জনা চলিয়া আইল ॥ মালিনি আপনা ঘ্রে আসিয়াপৌছিল ৪৯ কমলাবভীর তরে তবে কহেন মালিনি ॥ দিন্দুর দিইন্থ তার জানিতে নেসানি *জদি ওগো হয় সেই

নেজাম পাগল।। চিন্নত কারনে তাহে জানিবে সকল * মহাক্ষদ মুনসি কহে অধম লাচার।। নেজাম পাগল ধরা পড়িল এবার *

প্রাগ পয়ার

তার পরে জেজাহার চলে গেল ডেরে॥ সুমতি ৰিজাম দোহে রহে এক ঘরে * তু জনায় ছিল একে রসেতে ভবিয়া। পাইয়া রসের ঢেউ চলিল ভাসিয়া * পছিনাতে সোর বোর হইল দোহায়॥ কাপড় ভিজিয়া সব গেল পছিনায় * তাহা বাদে মন বাঞ্জা পুর্ণ জদি হৈল ॥ফারাগতি হয়ে দোহে শুইয়া রহিল মজর হইতে ফের তু জনে উঠিয়া॥ পাক ছাফ হইলেক গোছল করিয়া*কো বাদে নেজাম আইল মালিনীর ঘরে।। পাগলের লেবাস यर्फ (পर्म তाর পরে * পাগল (জমন জায় চৌদিকে চাহিয়া॥ কমলাবতী জেখা ছিল পৌছিল জাইয়া ঋ দেখিয়া কমলাবতী নেজা শের তরে॥ আদর করিয়া তায় বসায় হুজুরে * চাহিয়া রহিল বিবী **ৰেজামের পানে ॥ সিন্দুরের ফোটা আছে দেখিলেক কানে** রুখন এতবার হৈল কমলাবতীয়॥ গোশ্বা ভরে কহে ফের নেজাম থাতির কি আর কহিব তোরে শুনরে পাগলা।অবলারে মজাইতে করেছিলে ছল * হায় কি করিত্ব আমি আপনা খাইয়া॥ পালিতু পুদিত্ব ভোরে পাগল বলিয়া ঋ জেমন করিয়া ছিন্ন তার প্রতি ফল॥ তোমা হৈতে भारेन जामि अनदा भागन ३६ शुक्ष रहेन अं अंक इना कना जाति॥ এন্ত নিদারুন নাহি শুনি কোন খানে * এতেক কহিয়া বিবি রহে द्धि ছित्।। **अधिन ना**शाक कर इ ति व्या श्रादत *

শংলেজাম ও কমলাবভীর ছণ্ডাল জ্বণ্ডাব ও মানভঞ্জন ও

আথেরে বিবাহ হয় তাহার বয়ান

**

* जिथिनी इन्म क्ष (निकाश खिनिया वानी, मू हत्क वहाय थानी, माधूवव लागिन कहिए ॥ कि कितिए कि कितिन, तिक् हहेया तिश्व व्यादक्षन (था था हे से निक देहर क्ष माहाक्षामी कि स्विन, किहर लागिन वानो, मित्र कवारन ए तिक्षारमत्त्र ॥ जूमि क्षिम श्वान श्विया, जत्व वन कि लागिया, भागत्व तिम कि था ए ति का छा हिल (किन नाम, खन खत तिन नाम, खन खत तिन नाम, शान नाम कि व्यात ए स्व सूर्य वहात (इत्या क्षित कथा, खिन वारत हाहि हिथा, त्महे कथा ए ह सूर्य विकास जित्य कि विवान हित्य हिल नो कि वारत हाहि हिथा, ता कि हित्य नो कि हित्य नो कि वारत हा कि वारत ना कि हित्य नो

হবে মিলন॥ এতেক ছলনা প্রিয়া, কৈলে তুমি কিলাগিয়া, কহ তুমি তার বিবরন * সাধুবর ভার পরে, কহে বাত ধিরে ধিরে, এন-সান হইতে থাতা হয়॥ মাফ কর ধরি পায়, না হইলে বাচা দায়, জান দিয়া রাখনা আমায়* হইয়াছে জা হবার, কদাচ না হবে আর, থাতা মাফ করনা আমার॥ বুঝিতে তোমার মন, এত কৈয় জালাতন (व ওতন না করিবে আর * কমলা জে এত শুনি, সাধু বরে ক্রে বানী, ক্রছে শুন গরিব পরপ্রার॥ এত জদি ভেবে ছিলে, তুকু দিবে মোর দেলে, না রাখি তুন খাতেরে তোমার
ভামাকে, পিয়ার করা, বিপরিত ঝক মারা, আকেল মেরা না ছিল দে অজে॥ कि কহিব বারে বার, শুন ওছে নামদার, কাগ কেন মিলিবে তুতিতে চিল আর বুলবুলেতে, শাহি মেলে কোন মতে, জে জেমন তাহার ভেমন॥ সোকর খোদার কাছে, আর কি কপালে আছে, বোঝা গেল জার জেয়ছা মন * নেজাম এতেক শুনি, সাহজাদীরে ক্রে वानी, भविभाना कविद्वक आव॥ (क कथा किट्ल भारतः नि য়ান্তে গিয়াছি মরে, কথা নহে জেমন তলতার * জাহা আইল তেরা দেলে, মুঝে শুনাইয়া দিলে, এতথলে সাদ না মিটীল। কমলা জে তারপরে, কহে নেজামের তরে, গোসা ভরে কহিতে লাগিল পুরুষ জেমন করে, নারি কি তেমন পারে, তা হইলে কলঙ্কিনী বলে পুরুষ ছেনালজাত, নারী জদি হয়তত, এইকথা ভেবে দেশ দেশে এতেক লাগুনা জদি, করিলেন সাহাজাদি, শুনে মর্দ্দ কথা নাহি কহে॥ অজুদে নাহিক জোর, কাপে অঞ্চ থর থর, বেহুন হইয়া মর্দ্দ রহে * হোস গোস নারহিল, মউত নজদিগে আইল, লিলা পিলা হইয়া জে গেল॥ কমলা বতি এহা দেখে, কথা নাহি সরে মুখে, বলে হায় এ কেমন হৈল্প তখন উঠিল বিবি দেলেতে দরদ ভাবি, নেজা মের নজদিগেতে জায়॥ হায়া সর্মের তবে, তখন রোখছত কোরে, নেজামেরে কোলেতে উঠায় * মুখ পরে মুখ দিয়া, কহে বিবি চেলা। ইয়া, বলে হোস কর মেরা জান । ডোগার এমন দেখে, কথা নাহি সরে মুথে, উঠে বসে কথা কহ প্রাণ % কি কহিতে কি কহিল, সব वृति। श्वादेनु अकुल छेक्ल दृष्टि का । जारि शुल् ट ६ वशा, शूर्फ জাক সব বেথা, কেন কৰা ভানিছ ভোনার ও সভি জাদি বারেবারে বোহা (लग्न মুখ পরে, খোদবো তার মগজে পৌছিল॥ निकारगर

বৈছসিতে, আতর গোলাপ তাতে, কিছুই না দরকার করিল * বি
বির জে খোসবো এয়ছা, গোলাবি কারাবা জেয়ছা, মুখ খোসবো
আতর সমান ॥ মগজে পৌছিল জবে, বেছসি টুটিল তবে, সাধু বর
আবি খুলে চান ঋদিথিয়া বিবির কোলে, খুসিতে ওজুদ ফুলে, তুই
শুনা হইল ফুলিয়া ॥ মুখ পালোটিয়া ফিরে, বোছা লেয় গলে ধরে,
সাছরর খুসিতে ভরিয়া ঋ কমলা জে দেখে এহা, কোল হইতে
ফেলে তাহা, দিলেন নেজাম খাতের ॥ কহে বিবি শুন চোরা. বে
ছিনি নহে তেরা, বে এজ্জতি মোরে করি বারে ঋ কি মজা লাগিল
ডোরে, খামখা মক্কর কোরে, জমিনেতে গিরিয়া জে গেলে ॥পাগল
নহেক তুমি, নেহাত জানিছ আমি, মজাইতে মোরে ছলে কলে ঋ
নেজাম এতেক স্থনে, দৌড়াইয়া সেই খনে, সাহাজাদির তু হাতে
ক্রিয়া গোনা বাজা মাফ কর, আমার তকছির ধর, জাহবার গোজা
বিয়া গেল ঋ কি আর কহিব তুঝে, মাফ কোরে দেহ মুঝে, আমি
এই অধিন নাদানে ॥ কবি কারে কহে বানি, বাহার স্থরতে ধনি,
গাও শুনি মধুর বচনে ঋ

* গান রাগিনি বাহার তাল একতালা
দ্বা পায় ধরিতে কেন চাও হে॥
তুমি জারে তাল বাস তার কাছে জাও হে

মজেছ হে জার ভাবে, আর কি তুমি তাহে পাবে,
মিছে কেন মর ভেবে, আমারে ভাবাও হে॥ তুমি মোরে
প্রেমে বধিয়ে, পেলে ওহে কি বলিয়ে, আল বল কি
লাগিয়ে, এ ভুবনে এলে হে

করো নাকো এ চাতুরি, ভোমার হবে আজা কারি,
ভোমার জন্যে দহে হে

**

* भशात * कमनाविज्ञ करत गानिन स्भित्र ॥ नाना गरक राबारेन कृष्टि राज धित * हानािकत नार्ज धरत तुकारमत हार्ज ॥ रमारेन कमनात निया नामरनर्ज * पोिष्ठ्रा कृर्नित माना वािनया मानिनि ॥ पाहात भनाय धिन पिर्निक वमिन * छेछ्रार हात चनन कितन ॥ कमना तिकाम पिर्हित विवाह हहेन * मानिनि मिनार्य किति पिन हहे कर्न ॥ मेठ हक्षू पुर्ह भिन थूमि देन मरन * मानिनि निकाम भागन, * १ *

চলিয়া ফের গেল সেখা হৈতে।।আসক মাসুক রহে ঘরের বিচেতে খুনির গোজরান করে মিলে দুজোনায়॥ রশিক লোগেতে নিবে বুঝে এসারায় * তাবাদে কমলা কছে করেছি তকছির॥ গোনা খাতা মাফ কর আমার খাতির * পাগল বলিয়া আমি কহিয়াছি কত। অবলা নারির জাত তাহে বুদ্ধি হত 🗯 আর কত কটু কথা কহি য়াছি নাথ। কত কুবচন কৈন্ন ভোমার সাক্ষাত * দোষ ঘাট মাফ কর আমি এ বান্দির॥ অভএব মাফ কর আমার তকসির 🗱 এ কথা নেজাম শুনে কোলেতে লইল॥ আদর করিয়া কতবোছা জে দিইল * পিয়ার করিয়া কহে শুন গোল জানি॥ তোমার কারনে আথে বহিত জে পানি * নিন্দু না ধরিত চক্ষে কারনে তোমারা সদাজপ মালা দেলে আছিল আমারঞ্জতোমার কারনে আমি সবাকে তেজির ॥ তোমার কারনে আমি মা বাপে ছাড়ির * শুন বিবি এখা নৈতে থাকা নহে ভাল। হেথা হৈতে আমার দেশেতে জাই চল 🗱 কমলা হইয়া রাজি এ কথা শুনিয়া॥ নেজাম তাহারে লিয়া গেলেন চলিয়। ঋলাল মতির কাছে রেখে কমলার তরে॥ সুমতিরে আনিবারে গেল তার ডেরে ३ রাজার নিকটে গিয়া ছালাম করিয়া। কহিতে लाशिल गर्क विनय कित्या * তোমার বেটিকে আমি নিয়া জেতে চাই॥ এজাজত পেলে বয় থোশালিত হই 🔆 রাজা বলে সুন বাবা মরজি তোমার।। তোমাকে স্থপেছি বেটি তেরা একিয়ার ঋ এ কথা কহিয়া রাজা গেল মহলেতে॥ রাণীর কারনে সব লাগিল কহিতেঞ্জ রাণী বলে মহা রাজ ক্ষতি কি তাহায়॥ খুসি হালে তুই জনে দেহনা বিদায় 🔆 মহালভে শুনে কত দেহাজ লইল।। বিদায় করিল নানা রঞ্চিজ দিয়া *

* কমলাবতী ও লালমতি ও সুমতি তিন জনে ছুরতের দেখাগ করে ও তোতা পাধি এরাবতীর রূপের বয়ান করে *

* পয়ার * নিজাম বিদায় হৈল ছালাম করিয়া॥ সুমতিরে লিয়া আইল ঘরেতে চলিয়া * লালমতি সাহা জাদি জেখানেতে ছিল॥ সেই খানে তিন জনা জাইয়া পৌছিল * রূপের চমকে ঘর উজালা করিল॥ নেজাম দেথিয়া বড়া খুসিতে ভরিল * আহা কি ছুরাত আলা দিইল এ সবায়॥ চাদ সুর্জ্জু তারা গন সরমে মুকায়ে আপনার দেলেই ভাবে এ প্রকারে॥ চাহিয়া রহিল সাধু গলক না

মীরে * তার পরে তিন জনা হাসিয়া হাসিয়া। রূপের দেমার কোরে বিদল আদিয়া * তিন জনা (জামেরে লিয়া করে কেলি হাতে হাতে ফেরে জেন সোনার পুথলি * কেহু সে তাম ল দেয় কেছ চুমা থায় ৷ কেহু বলে প্রান নাথ কহি জে ভোমায় * মোদের রূপের পানে চাহ একবার॥ এয়ছা রূপের জ্বতি ভূমি না পাইবে আর ঋএমন রূপের ছটা দেখিয়াছ কোথা। শুন শুন প্রান নাথ বল সেই কথা ঞ্জ আমাদের ক্রপের মত দেখেছ কোথায়॥থাকুক মনিষ্য পরি সর্মে লুকায়ুুুজার পরে সুন ভাই দেল লাগাইয়া॥ উপরেতে জেই কথা আইনু ছাড়িয়া * জখন নেজাম গেল দেও মারি বারে॥ পৌছিল জাইয়া লালমতির জে যরে ৪৯ সেইত ঘরের বিচে তোতা পাথি ছিল॥ দেয়ের আহওাল জত নেজামে কহিল * সেই পাথী লালমতি এনেছিল সাভে॥ এহাদের দেমাগ জত স্থানিয়া কানেতে খল থল করে তোতা হাসিয়া উঠিল ॥তিন জনা সেই হাসি স্থানিতে পাইল * পুছিতে লাগিল সবে তোতার কারনে॥ খামথা হাসিলে কেন বল না এক্ষনে * আমাদের কথা স্থানে তাচ্ছিল্ল করিলে॥ তাই বুঝি ঠাটা কোরে হাসিয়া উঠিলে *ভোতা বলে সে কথায় কি আছে দর কার॥ আচন্ধিতে ক্থা মোনে পড়িল আমার * তিন জনা বলে পাখি কহিতে হইবে॥ না কহিলে আমাদের খটকা রয়ে জাবে * তবু তোতা নাহি বলে রহে চুপ হৈয়া৷ এহারা সকলে রহে ভাবিত হইয়াঃ
শুনিয়া নেজাম বলে ভোভাকে তথনা কেন তুমি হাসিয়াছ কিসের কারন রু বারে বারে এই কথা স্থানিয়া জে তোতা॥ হাসি রাছি জে কারনে সুনহ সেক্ধাঃ রূপের গৌরব সবে করে আপনার বুটো এ গৌরব করা এ কি কবিচার ক্ষতাারব দেনের পানে কন্যা এক আছে। এরাবতী বলে নাম মা বাপে রেখেছে

ভার মত রূপ णामिना (पशि (कार्याय्वा (खाल्या हाहिया तथ वक्षिन (यानाय * কি কহিব আগি ভার রূপের ব্য়ান॥ মনি জনা দেখে জদি হারা হয় জ্ঞান ¾ নতুন জৌবন ভার রসের রমণি॥ রূপে ডগমগ করে রসের তর্নি 🕸 পেট পিট ছাত্তি তার এমনি কোসাদা॥ রসিক দেখিয়া ব্বান কোরে দেয় ফেদা া নাক মুখ আমি ভার কি কবো বাখানি॥ বির্লেতে বিধি তায় গড়িল আপনি *কি কবো মাথার কেশ কাল নাগ হেন॥ যুক্তরি বালেতে খোসরু আতর জেমনঃক্তাসিয়া পড়েছে

কেশ নিচেতে জানুর॥ পেসানি উপরে জেয়ছা চম কিতেছে ন্তর #
নাসিকার কথা তার কি দিব সাবাসি॥রাধিকার মোন লভা শ্রীকৃষ্ণের
বাসি * তু চক্ষের কথা তার কি কবো বাখানি॥ মৃগ আখি বিধুমুধি
ঝারিতেছে পানি * তু চক্ষের উপরেতে ভুরু তুটী জোড়॥মিকারিতে
কামানেতে দিইয়াছে চড়া * কি কহিব ঠোট দুটি জবা ফুল হেন॥
পানের লালির মত দুই ঠোট জেন * হায়রে বত্রিশ দাত কি দিব
তুলনা॥ ঠিকঠাক দাত গুলি আনারের দানা * কি কহিব তুটি হাজ
বেলুন মতন॥ কুলি কারে কুন্দে কাট রাধিল জেমন * এয়ছাই
কোমর তার আছিল বারিক॥ ধরিলে পাঞ্জায় তায় ধরা জায় ঠিক
পাঙ তুটি স্থগঠন মরি হায় হায়॥ চলিলে চলন তার ধঞ্জনির প্রায়
এয়ছানাক নক্ষা আল্লা দিইলেন তার॥ পরিগণ দেখে রূপ হয় জারে
জার * এমনি রূপের ছান্দ জেন পুর্ণ শশি॥ শশি জেন ভুতলেতে
পড়িয়াছে খিন * এতেক কহিয়া তোতা চুপ হৈয়া রহে॥ পরার
প্রবান্ধে এ অধিনেতে কহে **

* পরার * ভোতার মুথেতে জদি এতেক স্থানিল। এক মিঞা (ছর পরে আসিয়া চড়িল * গায়েবে আসক হৈল এরাবতীর পরে॥ আসকের তির লেগে পিট পার করে * নিজাম বলেন প্রিয়ে দেখাও দিদার॥ তোমার বিরহে দেল হৈল বেকারার * ছুরাত মুরাত তার হয়ে আইল থিন। এক্ষের বোখারে তন্ত্র হইল মলিন * দিলে দিনে নিজামের রঞ্জ বেগাড়িল॥ কাচা সোণা ছিল গোলে রাংগ জে হইল 🔆 এক্ষ মিঞা জার ছেরে আসিয়া চড়িল। সেই জানে তার দর্দ্দো জাহাকে বিভিল্ * কেন্ত গিয়া রাজা আপে দিল স্মাচার জামাল জামত। তেরা আছে বেকারার রু কি জানি কি হইরাছে नाहि जाय जाना॥ जला हाय हाय करत वित्न थाना शिना 🐞 जीवत রাজন শুনে এই সমাচার॥ দৌড়ে আইল সেইক্ষনে হয়ে জারেজার এভাব দেখিয়া রাজা তুক্ষিত হইয়া॥ পুছিতে লাগিল তবে নিজাম লাগিয়া * কহ বাবা কি কারনে হইলে এ হাল॥ রূপ রঞ্জ বিগা ডिल (लाखाना थियाल * মনের বেদনা মোরে কর'না প্রকাস॥এখুনি করিব আমি তাহার তালাস * একথা শুনিল জিদি সাধুর নদ্র ॥ মোনের বেদনা তবে কহেন তখন * জেরপেতে তোতা মুখে বয়ান শিরিল। একে একে সাধু সুতা তামাম কহিল* আমার আরজ ধর

শুন মহারাজ॥ সেরূপ দেখায়ে মোরে করহ এলাজ 🛠 জদি তারে এক বার দেখাইতে পার॥ নইলে গরল খাব কহিলাম মার * নিজা-মের কথা শুনে বলে মহারাজ॥ এখনি তাহার আমি করিব এলাজ সেই ঘড়ি চিত্র কর বোলাইয়া লিল॥ নিজামের জত হাল তামাম কহিল % ওনে চিত্রকর বলে ভাবনা কি তায়॥ এখনি সে কাজ আমি করিব নিশ্চয় * ছওদাগর ভেসে আমি সেই দেশে জাব॥ তাহা না हेश्न यागि कि क्रापिए शाव * कागानित क्रियागि शहिए আকিয়া।সেই দেশে বিবি আগে জাইব লইয়া * জামালের পট আমি দেখাব তাহায়॥ মোন চুরি করাইব শুন মহাশয় * মহা রাজ এত শুনি খোদাল হইয়া॥ ছওদাগিরি ছরজাম খরিদ করিয়া * তাহা वारि विद्यकत कान काम करता। निकारमत ছবি लिल পरित छेशरत সেই পট লিয়া এক সিন্দুক ভিতরে॥ জতন করিয়া রাথে তাহায় অন্বেশতাহা বাদে আল্লা ভেবে সেই চিত্র কর।ছওদাগরি ভেসে জায় আরব সহর * সুখাওা পাইয়া কিন্তি বাও ভারে জায়॥ কত দিনে আরব সহর গিয়া পায় ¾ নজর করিয়া কিন্তি কেনারে উঠিল ॥ শাকারা দেখিয়া তোপ জোরেতে মারিল * ঘাটেতে কোটাল ছিল আইল চলিয়া॥ ছালাম করিল তায় ছওদাগর বলিয়া * কোটাল কৈহেন সাধু কি আছে দরকার॥ চিত্রকর বলে আমি নামি ছওদাগর বেবনা করিতে আমি এদেশে আইমারাজার স্থনাম লোক মুখেতে ভিনিমু * তাই আমি আসিয়াছি বানিজ্জ করিতে॥ রাজার ত্কুম रेट्टल थाकि अ प्रिंगिट अ काष्ट्रील अक्शा खिन ताका जार्ग राज সাধুর তামাম হাল জাইয়া কহিল * রাজা শুনে বলে তাহে ক্ষেতি কিছু নাই॥ থাকি বারে জায়গা দেহ করিতে বেবনাই * কোটাল একথা শুনে চলিয়া আইল।ছওদাগর জাদাজেথ। আসিয়া পৌছিল কোটাল কহিল আসি শুন মহাশয়॥ ছকুম দিইল রাজ। থাকিতে তোমায় * রাজার বাগান বিছে থাকিবেক সবে॥ সুথেতে বেবসা তুমি সেথানে করিবে * কভু কভু রাজ কন্যে জায় সে বাগানে॥ পুস্প তুলিবারে জায় নিয়া সখিগনে *স্থানিয়া সে ছওদাগর হাজার খোলাল॥ মাতার সিন্দুক জেন পাইল কাজাল * জার জন্যে আসা কোরে এ খানেতে আসা॥ আল্লা তালা দিইলেন তার ঘরে বাসাঃ এত ভেবে চিত্র করজাহাজে আইলাখানা পিনা খেয়ে ভবে আরাম

করিল
করেল
করিল
করেল
করিল
করেল
করেল
করেল
করেল
করেল
করেল
করেল
করেল
করেল
করিল
করিল

্ধ রাজ কন্যা বাগানে জায় ও নিজামের ভছবির থরিদ করে এবং এক হিত্র করের জবানী নিজামের রূপ শুনিবার বয়ান *

※ পয়ার ※ এইয়পে কত দিন গোজরিয়া গেল। । ছওদাগর व्यादेन (वात्न প্রচার হইन 🗱 এ থবর দেনে ছেশে পৌছিল জ্বন এরাবতীর দাসি এক স্থানিল তথন * জাইয়া কহেন রাজা কন্যার ছজুরে॥ সুনহ রাজ কন্যা কহি জে তোমারে *ছওদাগর আসিয়াছে বাগানে তোমার ॥ দেখিয়া আইর আমি সুন সমাচার 🗰 নানা রক মের চিজ লইয়া এসেছে॥ একে একে কত কব আপনার কাছে। তছবির থেলনা কত পুতলি জতাহের॥ থরে২ সাজাইয়া রাখিয়াছে তের * শুনিয়া দে রাজ কন্যা খোসালিত যোন। জাইতে বাগানে বিবি বিচলিত মোন * চল সখি জাই চল ছওদাগর জেখা। দেখিব তোমার কথা সভ্য কিবা মিথ্যা ३ তাবাদে স্থিরে লিয়া আইল বাগানে॥ দেখিয়া পুসিদা জায়গা বসে সেইখানে * বিবির ছুরাতে আলো করিল বাগান॥ ভুতলেতে শণি জেন সঙ্গে তারা গন#স্বি গন বলে ধনি কহু সাধুবরে॥রাজ কন্যা আসিয়াছে বাগান ভিতরে* শুনে সহচরী গিয়া কহে ছওদাগরে॥ রাজ কন্যা আসিয়াছে ডাকিহে তোমারে * ভাল ভাল চিজ দেহ কারনে বিবির।। দেখা ইব লিয়া আমি তেনার থাতির * সুনে সাধু ভাল ভাল চিত্ৰ জাহা ছिল॥ भारत नहेशा माधू मिश्र हाएक पिन अ निकास्यत उपवित्र সিন্দ কেতে ছিল॥ সেই তছবির চিত্র কর সধিরে দিইল 🕸 সেই সৰ চিজ লিয়া বিবির হুজুরে॥ একে একে রাখে সখি লিয়া থরে থরে

मिथिया (म এরাবতী খোসালিত মোন॥ বলে এ সুনর চিজ না (मिथि कथन क्षर्कान का त्रिशदा এই চিজ গড়ে ছিল॥ एउन मिथ भान . জেন কেড়ে মোর লিল * এর চেয়ে ভাল চিজ আছে কি তাহার॥ সখি বলে সিন্দু ক এক আছে চমৎকারঞ্জদেখিলে ভাহার ভরে ভুলে জায় মোন॥ তেমন সিন্দু ক আমি না দেখি কখন ক্ষকিন্ত ছওদাগর তাহা ना দিল আযায়॥ বোধ হয় তাহার দাম অনেক জে হয় * রাজ কন্যা কহে সথি দাম জত হয়।।দিইব ততই দাম আনহ তরায়% তেখনি সে সখি এসে কহে সাধুবরে॥ সিন্দুক দেহ না তুমি আমার ু থাতিরেসাধু বলে এসিন্দু ক অন্য কোন জনা।।খুলিতে নারিবে কেহ স্থুন তার বেনা * জদি তুমি মোর তরে লেজাও সেথায়॥ সিন্দুক খুলিয়া ছবি দেখাব তাহায়*সথি স্থনে সেই ঘড়ি বিবিকে কহিল॥ ছওদাগর একে একে জাহা বলে ছিল * রাজ কন্যা কহে দথি আন গিয়া তারে। তাহে কিবা ক্ষতি আছে জাহ তরা কোরে * তখনি আসিয়া সথি ছওদাগরে কয়॥ সিন্দুক লইয়া তুমি চলহ সেথায়* স্থান চিত্রকর সাধু খোসাল হইয়া॥ বলে বুঝি আজ বিধি দিল (अलाইशा * थूमि देशा माधूवत मह চतित्र माथि॥ मिन क लहेशा পেল চাকোরের মাথে * দেখিলেন বসে জেন পুর্ণিমার শশী॥ তোতার মুখেতে জেয়ছা স্থানল রূপদী * আদবে তছলিম করে বিবির লাগিয়া॥ নিজামের ছবী দিল হাতেতে তুলিয়া * সেই ছবি রাজ কন্যা দেখিল জখন॥ বেহুস হইয়া বিবী গিরিল তখন * হোস (গাস না রহিল জেন মরা লাস॥ জান থালি ধড়ে আছে নাক পরে সাস * কতকক্ষন বৈহুদেতে গোজারিয়া গেল॥ তাহা বাদে সাহা काषि (5 छन भारेल * मायलिया माराकाषी विमल छेठिया॥ उछ বিরের পরে বিবী রহে তাকাইয়া * আথের পলক নাহি কোন মতে भारत ॥ आमक रहेल विवी जहविरात शरत * वर्ल राग्न अग्नहा ऋश ना (पश्चि कथन॥ ऋপिতে मिल्ल भन कि कि कि अभ * गरन भरन বলে আমি কোথায় পাইব॥ পাইলে জে হার কোরে গলাতে রাখিব এতেক কিরিয়া থেদ গান আরমিল॥ মহাক্ষদ মুনসী এহা **अशादि बिल** *

※ গান ※

বিরহ বিষম জালা জে মজেছে সেই জানে॥
ত্রেজনা মজেনা তাতে সে মজা জানে কেমনে *
বিরহ বিষম জালা। প্রেমানলে করে খেলা, মজে কত কুলবালা।
বেড়ায় সেহ বদে বনে॥ হিন কবিকারে বলে, মরসেদের পদ তলে, ভাবি তাই দেলে দেলে ভাবরে মোন নিরাপ্তনে *

* পয়ার ছন্দ
 এয়ছাই গাইয়া গান এরাবতী বিবি ॥ মনেহ
কত কথা থায় হাবি ভুবী
 কাম বানে দেল তার বিগড়িয়া গেল ॥
কত কথা মনেহ বকিতে লাগিল
 একের গরম জার চড়িল
ছেরেতে ॥ পাগল হইয়া জায় মস্তির পরমিতে
 এই রূপে কনক্ষন
গোজরিয়া গেল ॥ ছওদাগর তরে বিবি পুছিতে লাগিল
 মুন
আগো ছওদাগর আরজ আয়ায় ॥ আনিয়াছ এই ছবি বল ভূমি
কার
 ছওদাগর বলে পাখি পড়িয়াছে ফান্দে ॥ রাছ জেন গ্রাম
করিল পুনিমার চান্দে
 ভাবানে কহেন সাধু বিবির লাপিয়া ॥ আ
মারে পুছিলে জিন দেল দিয়া
 এই তছবির হয় জার ঘর হেল
ছানে । দৌলতের ওর নাই এলাহি তা জানে
 কি কবো রূপের
কবা বয়ান করিয়া ॥ এক মুথে কভ কবো তোমার লাপিয়া
 নেরূপ
জেলেখা জিদ নয়নে দেখিত ॥ ইউছফের পরে নাহি আসক হই ভ
মাল জিদ দেখিতেন তাহার কারন ॥ হয়মুজের পরে না চাহিত
কদাচন
করপে কহিব আমি সে রূপের বানি ॥ দেখিলে সেরূপ
খানি ভোলে জে জোগিনী
**

* ছওদাপরের উজি গান *
কি কবো রুপের কথা, কি দিব তুলনা তার॥
আহা আহা মোরি মোরি, বাকা চন্দ্ কার *
কিবা সে নয়নের রেখা, কিবা ছুটি চক্ষু বাকা, আহা
মরি কিবা রেখা, ভুরু ছুটি তার॥ আহা কিবা রুপশশি
ভুতলে পড়েছে খিন, মুথ জেন হাসিহাসি, আহা কি,
বাহার * কি কবো রুপের ছাদ, জেন পুর্ণিমার চাদ,
পাতিয়াছে প্রেমের ফাদ, কেড়ে লেয় প্রাণ অবলার॥
হিন কবিকার বলে, না দেখির ভুমগুলে, ইড্ছা হয়
দেখব বলে রূওভিন্ধি কার *

* (9 *

* নিজামের তছবির এরাবতীকে দেয় ও এরাবতীর তছবির উঠাইয়া লেয় এবং ছন্তদাগর আপনার দেশে জায় তাহার বয়ান *

রাগ পয়ার 🗱 রাজ কন্যা এই কথা শুনিল জখন॥ জলিয়া **ि** जिन जात्र अस्था जात्रन * मान मान मान परि विवि किश्रिक ना পারে॥ বলে হায় কেমনেতে পাব সে নাগরে * চিত্র কর এই ভাব বিবির দেখিয়া॥ সাহা জাদির নকসা লিল পটেতে তুলিয়া * ঠিক ঠাক উঠাইল কিছু না ভফাত॥ ভাহা বাদে সা জাদিরে বলে এই বাত * দিদকের ছবি মোরে দেহ ফেরাইয়া॥ জাব আমি কত লোক আছে খাড়া হৈয়।

। শুনে বিবিক্তে তারে মিনতি করিয়া। এই তছবির আর নাহি দিব ফেরাইয়া * জত দাম হয় এর ধরিয়া ক্ষিত্র। এখুনি ভোমাকে আমি দিইব আলবোত * হাসিয়া হাসিয়া সাধু লাগিল কহিতে॥ বেচিবারে এই তছবির নাহি কোন মতে * মেরা এক দোস্ত দার আমানত রাথে॥ তোমাকে দিইলে আমি কি হিব তাকৈ

শ্বামানতে থেয়ানত কেমনে হইবে॥ এই কথা সাহা লি দিধ মোনে ভেবে * তবু সাহা জাদি কহে শুন মহা জোন॥ না দিইব ছবি আমি চাহ জত ধোন * চিত্র কর ভাবে আর চাতরি कि कति॥ (भान जाना भूता रिल निर्दे भीर पिक अरिक जाविया উছবির দিলেন বিবিরে॥ বহুত দৌলত ফের দিল সাধু বরে * বহুত শাইয়া মাত্ত। সাধু খোসালিত॥ ছালাম করিয়া মর্দ্দ আইল ভরিত भोजून वाछिन जा मान ७ वाছवाव॥ किस्टिं जूनिया मत फिट्निय নৈতাব % তাহা বাদে চোলে গেল রাজার হজুরে॥ বিদায় হইয়া চলে আপনা সহরে * কিন্তি ভাসাইয়া দিল লঙ্গর তুলিয়া॥ সাহা জাদির भार्म (रथा উठिन कलिया * একের লাগিল তির কলেজার পরে॥ जनरन्द ध्रावणी छा का कर्व कर्व अश्राक्षण भूनमी वर्त श्रम ब्राह्म वामा॥ शाउना (थएम श्राम श्राम এই विमा *

এরাবতীর থেদের গান
কি হেরিন্ন কি হেরিন্ন প্রাণ কেমন করে॥
কি করিব কি করিব জাব কোথা কারে #
হেন চিত্র দরশুন, হৈল মোন উচাটন, আর কি পাব সে
নিজাগ পাগলা,

রতন, কে দিবে আনিয়ে খোরে * এ হেন নব কোমল, দেখে মোন টল মল, ভুলিব কেমনে বল, পর্জ্জ নাহি মন ধরে॥ দেখে চিত্র ভুভঙ্গ, ডগ মগ করে অঞ্চ, উথা লিল প্রেম তরঙ্গ, রসেরি ভরে *

* भशांत * এরপে গাইয়া গান রাজার কুমারী॥ বারো বারে **ठकू वर्**ट তার বারি ३३ वला जाये ছবি দেখে ঘটিল কি দায় কেমনে ভ বল আমি পাইব তাহায় * এয়ছাই দেলের বিচে হয়গো আমার भाशो হয়ে উড়ে জাই তালাদে তাহার * স্বিগন বলে আর কি কবে তোমায়॥ উতালা না হবে ধনি ধরি তেরা পায় * নছিহত মান অংগা শুন বিবি জান। কথা রাখ বুঝে দেখ করিয়া ধেয়ান * জদি সে তৌমার বাপ সোনে এই কথা।। সরমেতে কি রূপেতে উঠাইবো মাথা * সম দেখ আপনার দেলেতে বুঝিয়া॥ জানা জানি হবে দব মুল্ল ক জুড়িয়া আর দেখ দেলে তুমি দরিয়াপ্ত করিয়া॥ আদকের তরে কেবা বেডার চুড়িয়া 🗯 আপনার দেলেতে রহে ছবর করিয়া॥ ঘরে বসে আলা তারে দেয় মেলাইয়া * স্থিগন এই রূপে অনেক প্রকারে॥ বোঝাইতে माठा जानि तर्थ (१६) एएरत 🔆 भारिन भारिन भारिन शान जार्थन तरिन পুড়িতে॥ রাত দিন এক্ষের জালা রহিল জলিতে * ভেবে ভেবে সাহা জাদির তন্ত্র হৈল থিন।। সে হেন দোনার ছবি হইল মলিন 🛠 জেয়ছা ফজরের অতে চেরাগের রোসনি। কোমে জায় নাহি রয় তেমনি (निमानि * मिटि रेशा (भन जात्र जाकु (मत्र त्र ।। काठा माना किन (भन হইয়াজেরাজ * এই রূপে থাকে বিবি মা বাপের ঘরে॥ রাভ দিন বেকা-রার এক্সের বোখারে 🕸 মহাক্ষদ মুনদী কহে পয়ারে রচিয়া॥ প্রেম রোগ নিসেধে कि জায় ভাল হৈয়া * রোগের অসুধ পেলে ভবে ভাল হয়। निरंध कतिल (तार्ग जात (यए काम क्र

* গান *
ওলো সখি প্রেম রোগ নিসেধে কি জায়॥
ধিক ধিক জোলে উঠে জত বল তায় *
রোগের অসুধ পেলে, তবে রোগ জায় চলে, অমি
লনে অজ জলে করে হায় হায়॥ প্রেম জরেতে
তার তরে, সদা তায় রেখেছে ঘিরে, নিসেধে তারকি
শুন করে, অসুধ পেলে নিষেধ্র হয় *

米 গান *

বসতে ফুটল কুমুম, সৌরবেতে প্রাণ বাচে না।।
মিলকে মালতী জুতী, ফুটেছে মালঞে নানা *
ফালগুনে কিঞ্চিত হয়, বৈসাখেতে নাহি সয়, মোন
টেকে না মনন জালায়, প্রেম জালা আর সহেনা॥
জিষ্টি মাস জখন আসে; ভাবি মোনে বসেহ, নতুশ
জলে বুক ভাসে, ভাবি প্রিয়ের ভাবনা *
* নিজাম এরাবতীর তহুবির দেখিয়া বেকারার হয় *

* পয়ার

 এয়ছাই গাইয়া গান রাজার কুয়ায়ী॥ নিজামে
তছবির লয়ে পোহায় সর্বরি

 রাত দিন এক তাপে লাগিল জলিতে
কিছু নাহি ভাল লাগে তাহার হকেতে

 তার পরে শুন ভাই দেল
লাগাইয়া॥ উপরেতে জেই কথা আইয় ছাড়িয়

 এয়াবতীর ছবি
লিয়া সেই চিত্র কয়॥ নিজামের আগে গিয়া পৌছিল সভর

 নিজামের হাতে সেই তছবির দিইল॥ সায়ু বয় সেই তছবির দেখিতে
লাগিল

 এতেক তোতার মুথে শুনে জরোই॥ তাহে ফের তছবির
দেখে দেহ কলে বয়ে।

 বিরহের কাই ফের তাহাতে দিইল॥ পাইয়া
বাও আগ জলিয়া উঠিল

 নেজামের দেলে জলে এক্ষের চেয়াগ্র

রাত দিন জলিতেছে না মেটে সে দাগ * দেলের আখেতে তার আছু বয়ে জায়॥ ফোকারে কান্দিতে নারে করে হায় হায় * মোনে২ ভাবে ফের সাধুর কুমার॥ কহে জাব মাসুকের করিতে দিদার * জা থাকে নছিবে মেরা গোজারিয়া জাবে॥ নহেত এ হালে মেরা মরন হইবে এক্ষের জাতনা আর সহিতে না পারি॥ ছুরাতের বরছা মেরা দেল বিচে कांत्रिक्ष छूत्रार्ज्य कार्टन (भारत्र केन (भारत्रश्रात्र॥ (कमान वाकि আর বিহনে তাহার

এক বার এসে দেখা দেহনা আমায়॥ নহে বে लाक्षरम लाग गांदी लाए ठीव है जायात शरम्ब स्था ट्रेनिन कामन থর থর কাপে অঞ্জ গায়ে নাহি জোর * তোমার গমেতে মেরা এ দোন আথেতে॥ খুনের মতন পানি চলে জুদাইতে * এইরূপে খেদ সামু করিতে লাগিল।। পাগলের মত জেন তেয়ছাই হইল * কখন দৌড়িয়া জায় রাহের উপরে॥ যোনে করে আনি গিয়া মাসুকের তরে 🗱 🗪 ছাই করিয়া থেদ চুপ হৈয়া রহে॥পিরিতি বিসম জালা অধিনেতে করে

> ※ 別可 ※ वित्र विभय काला, (क मरक्र हि (भरे कार्ना (क अन मरक ना তাতে (म मका कारन कमान * বিরহ বিসম জালা, প্রেম অনলে করে থেলা, মজে কত কুল বালা, বেড়ায় সেহ বনেই।। কবিকারে এই मार्फ, यस यन छक् भर्फ, म द्रुशनि वाका भर्फ (मध यम यदन यदन अ

* নিজাম এরাবতীর তালাসে জায় ও এরাবতী कर्यम थानाम वक्ष इरेवान वयान *

* পয়ার ছন্দ * উপরেতে জেই কথা আইন ছাড়িয়া॥ শুন্ রদিক লোক দেল লাগাইয়া * সাধ্বর এরপেতে দিবা নিশি কান্যোজত वटल कार्त्रा वार्ड त्क नाहि वार्क क किरन किरन माध्यत्र थिन देश्या (मिला भिकाम कि वरमा कि कर्त अलाहि कार विविव कालाम * अहै কথা দেল বিচে ভাবিয়া জামাল॥ ঘর হৈতে নেকালিল দেওনা থেয়াল * দৌড়িয়া এই রূপে কতদ্র জায় । পাও নাহি চলে বনে গাছের তলায় % গছে তলে বোসে বোসে ভাবে দেলে । न। (श्रिञ्ज शां भाग किशां काशां काशा

किन इड ॥ अभन (वकूक नाहि पिथि (डाव भड क्र ना पिथिलि তোতা মুখ নয়ন ভরিয়া।। না দেখিলি রং রূপ সে খানেতে গিয়া 🕸 না দেখিলি সে গঠন মরি হায় হায়॥ খাইলি চক্ষের মাথা হইয়া নিদয় कार्न रत्न अर्त कान काना जूरे रुनि॥ (म তোভার মুখের कशा शिशा ना अनिनि अ नाक वाक वाक काक्र कि काशा ।। শে গোলের খোসরু তুই নারিলে স্থাঞ্চিতে * বাসি কিবা তাজা সেই কিছুনা স্বঞ্চিলে॥ থোসবো কিবা বদরু তার কাছে নাহি গেলে ৪৯ মুখে বলে অরে মুখ কি কয়ে। এখন॥ সে চাদ মুখেতে নাহি করিলে চুম্বন 🗱 কেনো নাহি কথা কৈলে মানুকের সাতে॥ আফছোছ রহিল ভেরা জেনেগি থাকিতে * হাতে বলে অহে হাত বল কি আকেলে॥ নাজুক বৃদ্ধে হাত কেন না ফেরালে ্ আমার সঞ্জেতে তুই বাদালি বিবাদ। শায়২ কি করিব না মিটিল সাদ ঋ জুদাইর গমে তোর ফাটিল কলেজ।। এয়ছা গম কেবা ভোর ঘটাইল ভালা * কি করিব কোথা জাব কোথা গেলে পাই॥ সহিতে না পারি আর তোমার জুদাই 😂 এইরূপে আপ নার মনে২ কর।। এতেক করিয়া জারি চুপ হৈয়া রয় ৪৯ তাবাদে সেখা হৈতে রওনা হইয়া॥ পশ্চিম মুখেতে মর্দ্দ চলে নেকালিয়া * জঞ্জনে আর গাছের তলায়॥ পাগোলের মতো সাধু ঘুমিয়া বেড়ায় * তার পরে পোন কিছু বিবির থবর॥ নেজামের ভছবির দেখে না হয় ছবোর * পাগল হইল বিবি ভছবির দেখিয়া। দিনেং ভনু ভার পেল ক্ষিন হৈয়া * নিদ ভোক থাওা পেওা সব তেগ দিলো॥ চাদের कित्रन ছिলো মলিন হইল * ताङ्गात আগে হাল পৌছিল সকল॥ ताङ कन्या (क स्रिटिं इरेशा भागम * (इत भाउ मान्या (कार्त वामिया পৌছিল॥ জে ঘরে সাহাজাদি বেচেয়েন ছিল ৽ আদর করিয়া কহে সোন যামা জাম। কেন এয়ছা হাল তেরা করোনা বয়ান * সাহাজাদী श्चल किছू ना करह वार्षिता। एउँ ছित इरह दिवि मत्त्राम शाखित अ ভাহা বাদে বাদসা কহে বেগমের ভরে॥ কি জন্যে এমন হৈল পোছনা বেটীরে * বেগম জাইয়া তার মুখে বোছা দিয়া॥ পুছিতে লাগিল বিবি বালাই লইয়া * কেন আক্ষা কি হইল পোছেন বেগম॥ আমার নজদিগে আর না কর সরম * সাহাজাদি শুনে কহে সোন আক্ষাজানী॥ कारात कात्रन वािंग देशू भागिलिनी ३ এक दिन त्रां कात्न युर् আমি ছিত্ন॥ সপনেতে এক জোনা পুরুষে দেখির * কিবা মনোহররূপ

किया (म नयन ॥ व्यामात काष्ट्रिक (क्राना करिन मयन * ছোলতাन তাহার নাম রাজার কুমার॥ কহিলো দক্ষিন দেশে মোকাম আমার 🗱 এই দব বাত আহ্বা হইতে আছিল। এমন সময় মেরা নিদ ছুটে গেল * দেখিতে না পাই আমি সে বাকা মোহন ॥ আমারে রাখিয়া (कार्था कतिल গমন * (मरे टिल (मल (মরা বেকারার टिल ॥ **আমাকে** किलिया (मरे काथा भालारेल * रायर कि कितिया भारेक काथाय । তারে না দেখিয়া জান বে আজোলে জায় * বেগম স্থানিয়া কহে সোন এরাবতী॥ এহাতে কলম্ব হবে হইবে অক্ষেতি * দেশেং এই কথা। প্রেচার হইবে॥ মাথা তোলা তোমার বাপের ভার হবে 🍪 ভার চেম্নে ছুরাত মুরাত জেথা পাবো॥ তালাদিয়া তার সাতে সাদি দেলাইবো 🚳 সাহাজাদি শুনে আরো একের আশুন॥ বাঘাতে না পারে জোলে উঠিল চৌগুন * তাবাদে বেগম জাদি চলিয়া আইল। বিরহ **আগুনে** (इथा कलिए लाशिल * একের গর্মে আর থামিতে না পারে॥ (চল্লা ইয়া সাহাজাদি কান্দে সোর করে 🗱 ওঠা বসা করে আথে নিদ নাহি श्रात्र ॥ वाश्रित्र ए ए एकना (क णार्शेन श्रित्र क वाशिष्ठात्र विवि জাইয়া পৌছিল॥ তালাবের ঘাট জেখা সেখায় বসিল * আছিল। চাদনি রাত সেইতো রোজেতে॥ সাহাজাদি চেয়েছিল পানির দিগেতে 🕸 শেষাও করিয়া বিবি দেখিতে আছিল॥ সামার মতোন জলে জলিতে জ ছিলো * চাদের দেখিয়া রূও পানির মাঝার॥ সাহা জাদি বুঝিলেন মনে আপনার * প্রানকান্ত মোরে বুঝি চুড়িতে আইলঃ দেখানা পাইয়া তাই পানিতে ছুবিল * এমন সময় চাদে আবোর আদিয়া। একবারে চাদ তরে দিলেন ঢাকিয়া * আর সেই ছাঙা বিবি দেখিতে না পায়॥ দেলে ভাবে নাথ বুঝি তলাইয়া জায় * প্রান নাথ মোর তরে খুজে না পাইয়া॥ তাই বুঝি পানি বিচে গেলেন ছুবিয়া * এতেক বলিয়া বিবি কোমর বান্ধিয়া। কুদিয়া পানির পরে वाश फिल शिया क करशान शानित शरत शिएल कु फिया। जल विक मार्शाकानि (शन वारि।किशा * वार्त्रक वारिशन राता वाहार्यन তায়॥ নহেত পানিতে ডুবে মহিতেন ঠায় * এমন সমায় রাত পোহা ইয়া গেল॥ এরাবতি তরে কেছ খরেনা দেখিল 🗱 চৌদিগে ঢোড়া চুড়ির পড়ে গেল ধুম॥ বাদসার ঘরেতে জেন হইল মাতোম * চুড়িয়া২ (क्छ (भराना वाभारन्ति॥ (पश्चिम्न भर्ष चाष्ट्र जानाव विघर्ष ॥

উঠাইয়া লিলো সবে সাহালাদির তরে॥ ধরাধরি করে সবে আনিলেক বরে * এ খবর বাদুসা আগে জাইয়া পৌছিল॥ জে রূপেতে তালা বেতে গিরিয়া জে ছিলো * বাদুসা বলে রাখো ওরে পায়ে বেড়ি দিয়া॥ খুব মতে বেহাইরে রাখো বন্দো কিয়া * বাদুসার হুকুম মতে দিলো বন্দধানা॥ হায়রে কঠিন এক্ষে নাহি বিবেচনা * মহাক্ষদ মুন্সী কহে রচিয়া পয়ারে॥ এক্ষের খারাবি কতো দেখো বেরাদরে *

ছওদাগর জাদা নিজামের সাতে এক দরবেসের মোলাকাত হয় ও এরাবতীর দেশে জায় * * রাগ ত্রিপদী *

माराजापित यत्मा किया, वाथिन क्लिगान निया, जुब नाहि ভোলে সে ছুরাত।। মুখে বলে হয়ং, কো এনে দিবে তায়, কোখা व्याद्या अम श्राननाथ क शिष्ट्रा (क्रमान श्रात, कात्म विवि क्रात्र) আথের পানিতে বুক ভাদে॥ হাটু পরে দিয়া মাতা, ভাবেন এক্ষের (वर्था, कुछ कथा ভাবে ব্দেহ * খে হেল সোনার ছবি, মলিন হইল বিবি; ভাবিয়া২ তমু ক্ষিন॥ জেয়ছা ফজোরের সমে, চেরাগের রৌসনি कर्य, (मरे याजा रहेन यनिन * करह विविधात्रवात, (काथा (यता एक দার, এ দুর্দ্দশা ঘটালো এবার॥ কভো আর সবো জালা, সহেনা তুক্কের জাগা, এ জালা কে নেভাবে আযার * আয় আলা পাক বারি, এ তুখ मिश्टि नात्रि, क्टिन मूर्वि शयुना कात्रि ছिल्। के व्यात मेव दूर्श, क्षिति जाय भारत वुकः, এই ছिन আমার কপালে * বুঝির ছুরতে মেরা, जारनत रहेन तूत्रा, চারা আর না দেখি নিদান॥ খামাখা বাবাজি মোরে निला वत्नाथाना घरत, कि दुविया ना भारे मक्कान क এরপে विकर्छ हिला, (वरुम रुरेय़। (भला, भित्र उत्य भिन माराजानि॥ धशान निकाम मर्फ, व्यार्थ व्याष्ट्र पितन पर्फ, शाष्ट्र ज्ञात ज्ञात निवर्गि 🗱 जात्र পরে ভেবে দেলে, সেথা হৈতে উঠে চলে, কত দিন নেকালিয়া জায় ॥ কহে হিন কবিকার, এবে পাক পরতার, তেরাপরেঃহইল সদয় *

* প্রার ছন্দ *

এইরপে কতো দিন গোজারিয়া গেল॥ বেবাহা জঙ্গুলে এক জাইয়া পৌছিল ঞ্চ আজিন দরজো এক বড়া ছাওাদার॥ বদিলেক গিয়া, মুর্দ্ধ

লিচেতে তাহার # সুহাতা পাইয়া খুব আরাম মিলিল॥ রাহের মানিপি ष्टिल (घामाইया (भटला अ णालांत मस्कात এक जाইला किन्ना निका মের তরে নাই ওঠাইল পির * নিজামের ছেরানায় বসিয়া রহিলো॥ ध्यक्ष चरक निकार्यत निक छूटि (शल्य ३६ ज्रानि छेत्रीया मानू प्र বেস জানিয়া॥ ফকিরের তুই পায়ে ধরে জড়াইয়া * নিজাম বলেন कर्श (शालाभित उर्दे ॥ जाशिन (क वर्षे कर्श जागात शाउद्य * দরবেশ কহেন বাত নিজাম কারোনে॥ দেখিয়া তোমার তুক্ষু আইছু धक्करम अक्ष कि ज जिल्ला कि विश्व होन अहार पत्र ॥ जावारम भीरकन পির শিজাম খাতের * কহো বাবা এয়ছ। হালে কিনের কারন। কার লাগি ভ্রম কুমে কুমে বুনে বুন ক্ষ নিজাম শুনিয়া কুহে আরোজ করিয়া॥ জেরপে তছবির মর্দ্দ লিলো মাঞ্চাইয়া * জেরপে আসোক হৈন্ত তছবিরের পরে॥ এরাবতী নাম তার আরোয়ে সহোরে 🛪 জেরপে আদোক হৈত্ উপরে বিধির॥এইতো আহওাল মেরা সোন দস্তোপির* পির মর্দ্দ নিজামের শুনিয়া জ্বানি॥ কহে দে বিবিকে আমি খুব মতে জানী ঃ জে অবধি তছবির তেরা দেখিল সে বিবি॥ বেকারার হইয়াছে শুনে তেরা খুবি 🗱 তোমার কারনে সেহো পায়ে বেরি লিলো॥ জেহেল খানাতে তার মোকাম হইল * দর্বেণ ক্রেন বাবা সম না করিবে॥ তাহার তছবির অগ্নি করে নিই এবে * এতেক বলিয়া তার यूर्शिए विट शिला॥ मूरे हिक निकार्यात चानिया कि मिला * का श्विम व्यानित्मा (माञ्जात्क मिन क्रिका) निकारमत छारमात्मरक मिहे (मन वाशिक पूरे विक किवा करत मान जिला पिया॥ विभाग চৌকিতে জাবে পলোকে উড়িয়া क জেখা তেরা দেল চাহে সেই খানে জাবে॥ এই চৌকি কেরামত এয়ছাই রখিবে * দোছরা জা ফিলে জবে ডালিবেক হাত॥ এহাতে পাইবে তুমি তুনিয়ার দৌলাত * জেশেগি কায়েম তেরা জতো দিন রবে । ইটা মত মালমান্তা এহাতে পাইবে * এতেক বলিয়া পির গাএব হইলো । ছওদাগর জাদা আর प्रिथिट ना পाইলো * দরবেশের দুই চিজ বকসিদ পাইয়া॥ ছওদা গ্রজাদা দেলে খোসালিত হুইয়া * চড়িলেন সাধুবর চৌকির উপরে किट्ला लहेश हला जात्य महत्य॥ এयावजी माहाकापि महन জেখায় * আমাকে লইয়া তুমি পৌছাও সেখায়॥ একথা শুনিয়া চৌকি উড়ে বাও ভরে * পলোকে পোছিলো গিয়া আরোব সহরে॥

সেখানে নাবিয়া চৌকী খুলিয়া তামাম॥ থাকিবার তরে মর্দ্ন টোড়েন মোকাম ৪৯ অধিন কহেন এহা পয়ারে রচিয়া॥ জেই জাহা মনে করে দেয় মেলাইয়া *

নিজাম এক মালিনির ডেরে থাকে ও সাহাজাদি এরাবতীখাব দেখিয়া বন্দোখানা হৈতে থালাস পাইয়া নিজামের

সাতে মোলাকাত হইবার বয়ান * * পয়ার * সাধবর থাকিবার জায়গা নাহি পায়। চারিদিপে নিকাম জে চুড়িয়া বেড়ায় * সেই দেসে ছিল এক চালাক মালিনি ভাহার সঙ্গেতে দেখা হইল অমনি 🗱 মালিনী নিজামে দেখে চিনিতে शातिया॥ পুছিতে লাগিল তায় বিদেসি বলিয়া * সোনগো বিদেশী তুমি এমন জে ভেসে॥ ছত্রধারি হইয়াছ কাহার তালাসে ঋ আমাকে किशिल वार्थ शूर्व হবে আমা॥ চলো বাবা মোর সাতে দিবো তুরে বাসা

। একথা বলিয়া তারে সাতে করে লিয়া।। মালিনী আপোন ঘরে পৌছিল জাইয়া॥ কহো বাবা কিবা নাম নিকটে আমার॥ কি কারনে হেখা আশা কহো সোমাচার * আমাকে কহিলে তেরা হইবেক ফল ॥ काला हार जालवल इट्रव युक्ल * निकाय এ क्या एक विश्वाम করিয়া॥ আপনা আহওাল হতো কহিল খুলিয়া * মালিনী এ কথা শুনে কহে আর্বার॥ এই কাম আলবোতা জে করিবো তোমার * ভার পরে সোনো ভাই বিবির আহওাল॥ জেইল খানায় শুয়ে দেখিলো शियाल * এक (काना এमে (क्रांना निकार विना निकार विनित्र शांकरत मिटे किटि लाशिल * नाकान्तर विवी मान पिल पिया। जामात দেলদার ছেথা পৌছিল আসিয়া * এতেক বলিয়া সেহো গাএব হইল॥ সাহাজাদি চেতন পেয়ে উঠিয়া বিদল * কাহার কারনে বিবি না পায় (मिथिए ॥ मामित জ अठाইয়া লাগিল কহিতে * मान मामि আলব থাব দেখিয়াছি আমি॥ একে২ সাহাজাদি সোনায় তামামি % শুনিয়া দে সখি বড়া খোসালিত মনোতখোনি বেগোম জেখা পৌছিল সেখানে * জোড় হাতে আদোবেতে ভাষাম কহিলো । বেগম শুনিয়া বড়া খোদাল হইল 🕸 সেই ঘড়ি বেগম বিবি আইল দৌড়িয়া॥ এরাবতী জেখানেতে শৌছিলো আনিয়া * এরাবতী মায়ে দেখি ছालाम कविला॥ कर्श्विवि (वार्ग मार्ग पूर्व भिवा (श्राला * विश्म * নিজাম পাগলা,

একথা শুনে খোসাল হইয়া॥ পায়ে বেড়ি সেই ঘড়ি দিলো কাটী रेया अ (वितिक लहेया वाहिला वालना माकात्न॥ (नानाय (वितिक शैल वाक्मात्र कार्तात्व के कल्ला क्विता किल वाक्मा शिक विद्या हिर्देश दिश्लिम माहाजापि या वालिव घर्त अ (नकाम लागल (इशा घरत्र मालि नित्र॥ किक्तरभ विविद्ध भार्य ভাবে এ খাতির * এতেক ভাবিয়া বলে মালিনির তরে॥ তামানা দেখিতে জাবো সহর ভিতরে * মালিনি কহেন বাবা ক্লেতি কিবা তায়॥ জলনি কোরে আইসো জেনো দেৱি नारिश्य अभिनित अरे क्या (नकाम खनिया॥ यत रेट्ड माध्यक थाईली निक्निश्री अपशास प्रशास खायामा प्रतिथ (थाजान हाजात ॥ रुडोर (भोहित्ना शिक्षा वाशाय वान मात अ वार्शर थूनि देन पिथिया वाशान । चिठार शाज वरह (वरह छ ममान * वार्श এরোম किया नक দিগে তাহার॥ বাগান দেখিয়া মর্দো খোদাল হাজার * বনিলেন হাওল কেনারে॥ মনে২ সাধুরর ভাষা গোনা করে * এবে व्विष्याला भाक गालक व्यागात्र॥ (यनारेश क्रिक मिर्ट क्रिक शोक कात * भशात श्रवास करू बादाय नामान । विविधि श्रवाहेशा मि গাও এক গান %

সংগান হিন্দি ও বাঙ্গালা সংকাহ তাহুঁ আয় পেয়ারি মেয় ইয়ার হুঁতেরা স্কলে কালফো মেভি নাথী জবছে গেরেপ্তার হুতেরা স্কলেব দেখা হায় ভছবিরকো, দেল কি আরাম নেহি মুঝকো, পারাই হোগেই হার, জিয়ান্তে হয়েছি মরাস্কলিকা কি থাজার মে, জথম হুওাছিনামে, ইয়ার কি জুলুফ মে, কেটে আনায় কল্লে সারাস্কিয়া কাহু স্থন আয় পেয়ারি, জালতা হার কলেজা মেরি, ছাট গাই ছিনা হামারী, তোমার জন্যে পাগল পারা স্ক

* রাগ পয়ার

দার্বর ভাবাগোনা করে এ প্রকারে॥ আঞা
আলা মেলাইয়া দেহো মাশুকের

দার ॥ হায়২ কি করিবো কোথা জাবো হায়
ভার পরে সোনো
ভাই দেল লাগাইয়া॥ এরাবভী কিরুপেতে পৌছিল আসিয়া

জাদি ভেবে চিতে লিয়া ছেহেলিরে॥ আসিয়া পৌছিল বিবি বাগিচা
মাঝারে॥ ছেহেলির হাতে খোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাঝারে॥ ছেহেলির হাতে খোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাকারে । ছেহেলির হাতে খোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাকারে । ছেহেলির হাতে খোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাকারে । ছেহেলির হাতে খোরে এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাকারে । ছিহেলির হাতে স্বোর এরাবভী বিবি॥ চারিদিপে ঘোমে

সাকারে । তারিদিপে স্বোমি

জনো আপ্তাবের ছাব * গোলের বাহার বিবি দেখিতে লাগিল।
ফুলের খোনবোতে তার দেখাগ ভরিল * এইরূপে চার দিগে বেড়ার
মিরা॥ অবশেষে বদিলেন ঘাটেতে জাইয়া * জনরুদের ঘাট বান্দা
নহোর ধারেতে॥ পানির ফোহরা তায় আছিল ছুটীতে * তামাসা
দেখন বসে বিবি খোনাল অন্তর॥ আচানক দেখে বিবি করিয়া নজার*
হাওজের কেনারায় নিজামে দেখিল॥ হাটু পরে দিয়া মাথা পেরেসান
দেলো * আসোকি চেহেরা রূপ চাদ পুর্ণিমার॥ এরাবতী বিবি দেখে
বৈল জারেজার * দেখিয়া ছুরাত তার হুস হারাইল॥ ফের এসে এস্কো
মিঞা ছেরেতে চড়িলো * এস্কের লাগিয়া তির পিট কৈল পার॥
জালোনেতে সাহাজানি হৈল বেকারার * বলে বিবি এয়ছা নিধি দেয়
জালিয়াছে জার কলেজায়॥ সেই জানে তার দর্দ্দ বিন্ধিল জাহায় *
থিকের নেসাতে বিবি মাতওালা হইয়া॥ গান এক আরম্ভিল সোন
দেল দিয়া *

※ 別司 ※

কে তুনি কার বাকা সথা অহে মোনো চোরা॥
হেরিয়ে ভোমার রুণ হয়েছি অধরা
শ্ব
আহা মরি কিবা শশি, মুথে জেনো হাসি২, লাগাইলা
প্রেমের ফাসি; এবার প্রাণে হলেম সারা
শ্ব এমন
নাগর হেরে, কেমনে রহিব ঘরে, পরান আকুল
করে, প্রেম জরেতে অঙ্গ জরা॥ হিন কবিকারে ভনে,
সোনঅগো রাজ কন্যে, জিজ্ঞাসা করোনা কেনে, বনে
আছে মোন মরা
শ্ব

ত্রিপদী ছল ৪৯ সাহাজাদি গান গায়, নিজাম শুনিতে পায়; ছের প্রেসাইয়া মর্দ্দ দেখে। চাদ জেন বিচখানে চৌদিগেতে তারা গনে, ঘিরিয়া আছেন জে বিবিকে % দেখিরা বিবির রূপ, রূপেতে মজিল স্থপ, প্রেমসোকে হইলো অস্থির।। প্রেমের অনল তার, জলে ওঠে দশ ভার; দেল বিচে নাহি হয় স্থির % লনা হাই ওঠে মুখে, তুনিয়া আন্ধার দেখে, মনে২ ছাড়েন নিশাস।। তুজনায় তার পরে; নজরে২ গেরে, গলেতে লাগিল প্রেমের ফাস % চার চক্ষু মেলে জিদ, উপলিলো প্রেম নির, প্রেমবানে দিইলো সাতার।। কেহ কিছু কার তরে, কহিতে

নাহিক পারে, রহে দোহে মুরাত আকার * পরে এরাবতী বিবি, নেকা শিয়া দেই ছবি, জে ভছবির খরিদ করিল॥ নিজামে রূপের সাতে, মেলাইয়া দেখে তাতে, নাহি কিছু তফাত হইল * পটের ছুরাত সাতে, মিলে জদি গেল তাতে, বিবি আর থাকিতে না পারে॥ উথলিল প্রেম निन, (मोर्ड शिया माञ्राकानि, निकार्यत्र शत्न शिया शर्त क माञ्राकानि (क्रान्य वाल, निकार्य श्राय श्रात शाल, वाल नाथ चाहिल काथाय ॥ श्राप्टेड তোমার রূপ, দেখিয়া মজিল রূপ, কারি তির বিন্দিল ছিনায় * না দেখে ভোষার মুথ, ফেটে জায় মোর বুক, কারে দুখ কহিব আমার॥ ব্যাথার ব্যাথি কেবা আছে, কবো তুখ তার কাছে, তোমা বিনে কেবা সোনে আর * নিজাম দেখিল জদি, সেই বিবি সাহালাদি, তছবির জার চিত্র करत नित्ना॥ তার পরে কছে মর্দ্দ, আথে আছু দেলে দদ, সোন বিবি মুঝে জা বিতিল * তোমার রূপের বানি, তোতার জবানি শুনি, সেই হইতে পাগল হইমু॥ ভাহা বাদে চিত্র করে, মাল মাতা দিয়া ভারে; তছবির তেরা মাজাইয়া লিম্ব * তোমার লাগিয়া কতো, মছিবত শতং ওঠাইয়া পৌছির হেথায়॥ শুনে নিজামের বাত, সাহাজাদি ধরে হাত মাকানেতে আইল তরায় * জরির বিছানা পরে, বসায় আসোক তরে, তাহা বাদে খানা মাজাইয়া॥ তুই জনা এক সাতে, খায় মৰ্দ্দ খোসা লিতে, উভয়েতে আমোদে মাতিয়া * হাসি খেলি কৌতুকেতে, করে দোহে নানামতে, এরপেতে ঘড়ি এক জায়॥ অধিন ক্ষেন এবে, হাসি 'থেলি সব জাবে, পায়ে বৈড়ি লেহ জেল খানায় *

ছওদাগরজাদা নিজাম ও এরাবতীর কয়েদ হইবার বয়ান *
পয়ার * খুসির তুফানে দোহে ভাসিতে আছিল। আছমানি
গরদেশ হৈতে কি জালা ঘটিল * জখন মাকানে আইলো নিজামেরে
লিয়া॥ তুয়ারে কপাট দিতে আইল ভুলিয়া * সহর কোভওাল আইল
রঁল ফিরিবারে॥ ঘরের কপাট খুলা দেখিল নজরে * দেখিলেন দরওা
জায় জাইয়া নজদিগে॥ চৌকি প্রহর্ষি সবে কেছ নাহি জাগে * তাহা
বাদে ভিতরেতে গিয়া সালাইল॥ আজব তামাসা গিধি নজরে
দোখল * এরাবতী লইয়া জে নেজামের ভবে॥ হাসি খেলি করে
দোহে খোসাল অন্তরে * কোটাল দেখিয়া এহা গোষায় ভরিয়া॥ এরা
বতী তরে গিধি কহে ধমকাইয়া * কি কাম করিলি ওরে বেহায়া কোম-

ক্তি॥ দেশ জুড়ে যা বাপের করিলি অক্ষেতি # কোটালের পাৰে कि शिष्टिल नजर्म। एत (शिर्म मार्गाकाकि कालि शत्र * कथा नाहि সরে মুখে জ্ঞান হারা হৈল। বোবার মতন জেন চাহিয়া বহিল * মিনতি ক্রিয়া ফের লাগিল কহিতে॥ কণ্ডর করেছি মাফ করোনা এহাতে * ইজির মোহর দিই তোমার কারনে॥ ছাড়িয়া দেহোনা তুমি আমা ই জনে * কোত ওাল শুনিয়া এহা ভাবনাতে রয়॥ কিরূপে ছাড়িয়া দিবো উপায় না পায় * ভোমার বাপের আমি করি জে চাকোরি॥ মহারাজা শুনিলে বিপদ হবে ভারি * তোমা দিগে ছাপাইতে হবে भारा नाय।। এই काम ना ट्रेंदि किश्तू তোমায় * विद्यात भारेल লোষ সেইতো ভূপতি॥ অমনি ধরিয়া রাজা করে তায় সাস্তি * এতো इति छूटे जरम लहेल वानिया * (क्टर्ल थानाय विट लि जिल जानिया * ক্রেদ করিলো লিয়া কোটাল গাণ্ডায়॥ সেথা হৈতে চলিয়া আইল ইরাচার * পুজনায় কারাগারে বনো হৈলো জদি॥ পুকের নাহিক अप क्टिक वर्ड निक्क पूर्वनात शिल (शास्त्र लिभोडेश कार्का ক্ষের সাগোরে পড়ে বুক নাহি বান্দে * ভাবাদে নিজাম কহে এরা ৰতী তরে।। মালিনির জতো হাল কহিল বিবিরে * জখন আইনু আমি কহিল মালিনি॥ আফোতে পড়িলে থবর ভেজিবে তখোনি শ্ধ সাহা-জাদি নিজামের এই কথা ওলে। মালিলিকে এতবার হইল তার মনে* ৰাশন কোততাল গিধি বনোখান। দিল।। এরাবতীর দাসি এক সাতেই शिन * जशनि कहिन विवि वानित नाशिया॥ मिन क इहेर किছ টাকা তুমি লিয়া 🗱 মালিনির কাছে তুমি জাহোনা চলিয়া॥ টাকা দিয়া হাল জতো কবে বিবেরিয়া *সেই দাসি এই কথা শুনিল জখোন । শাহাজাদির ঘরে গিয়া পৌছিলে তথোন * সিন্দুক হইতে কিছু নিকালিলে॥ অপানার মনে মনে ভাবিতে লাগিলো * হুইল বহুত রাত জাবে। কি প্রকারে॥ দরপ্রাজায় দরয়ান আছে ধরিবে আমারে * এতেক মনেতে ভাবি তন্তোরি লইয়া। কাপড় দিইয়া **ढाका** চলে নেকালিয়া अ ছড়িয়া২ মালিনির ঘরে গেলো॥ বাহির হইতে বান্দি ডাকিতে লাগিলো * নিজামের এক্তেজারে আছিলো शालिनि॥ वालाज পाইয়াধনি উঠিল অমোনি * তুরিত আনিয়া তবে দরওাজা খুলিয়া॥ বলে এতো রাতকালে কিসের লাগিয়া * দাসি বলে আজ বড়ো দেখি বিড়ম্বনা। কোটালের হাতে বন্যো ইইল বুজনা

কোততাল তাহাদিগে বন্দোখানা দিলো॥ এখাতেরে তোমার না
দিগে পাঠাইলো * মালিনি সুনিয়া এহা ভাবে মোনে২॥ কিরপে
নেকালিবো দোহার কাইনে * এত ভাবি মানিনি বিবি হালুপ্তা পাক
ইয়া॥ দাদির মাথায় দের থাঞ্চায় ভরিয়া * দাদি সাতে মালিনি
আইল কারগারে॥ পৌছিল জাইয়া দোহে জেলের দুয়ারে * জেহেল
থানায় জেই দারোগা আছিল॥ বিষ মোহর তারে নেপ্তাজিয়া দিল *
তার পরে চৌকিদার জে ভিল জেখানে॥ দশ বিশ টাকা ধরি দিলো
জোনে২ * চৌকিদার পুছিলেন কহো বিবরন॥ এতো নিশি ভোগ
রাতে আইলে কি কারন * এ কথা নালিনি স্তনে বাহানা করিয়া॥
ঢৌকিদারে সবাকারে কহে বিবোরিয়া * হামেসা আল্লার কাছে দোও
মাজি আমি॥ আমার মোকছেদ পুরা কারো জদি তুমি * ক্য়েদিরা
বন্দো জতো আছে কারাগারে॥ হালপ্তা খেলাব আমি নবার থাতেরে*
আসামেরা পুরা হৈল মেহের আল্লার॥ একারোনে আসি আছি
জেহেল মাঝার * কবিকারে কহে বানি রচিয়া পয়ারে॥ নারির আঠার
কলা কে বুঝিতে পারে *

* (कांडेडालक वरमाथाना निर्वात वंत्रान *

恭 別可 泰

নারির আঠারো কলা বুঝে ওঠা ভার॥
কে বুঝিতে পারে ছলা সাদ্দ আছে কার
এমনি নারির গুন, পাকা বাসে লাগায় খুন পুরুদে
কোরে খুন, প্রানেতে করে সংখার
নারি এমনি
সর্বাসি, ভুলায় কতাে জগি রিসি, কহে মহাক্ষদ
মুনসি, নারির রাজ। পায়ে নমস্কার
*

রাগ পয়ায় * টাকা পেয়ে খুদি হয়ে জতো চৌকিদার॥ যালি
নিকে জেতে দিলো জেহেল মাঝার * মালিনি হাল গু জাহা থাঞ্চায়
আনিল॥ জেহেল খানার লোগে খেলাইয়া দিলো * তার পরে এরা
বতী জামাল জেথায়॥ চালাকিতে মালিনি জে বিদলো দেখায় *
জেখোন মালিনি ধনি জাইয়া বিদল॥ সাহাজাদি সেই ঘড়ি বুঝিয়া
লইল * তথনি চালাকি সাতে থাঞ্ছা লিল হাতে॥ বান্দির মাথায় দিয়া
চলিলেক সাতে * আপোনার ঘরে বিবি আইল চলিয়া॥ মালিনি

* 93 *

নিজাম দোহে রহিল বসিয়া 🗱 বেহান হইতে তবে কোটাল গাণ্ডার॥ আরোজ করিল গিয়া ভজুরে রাজার * জোড়হাতে আদ্বৈতে আরোজ গোলারে॥ আত্তব তামাদা দেখি তোমার জে ঘরে * দেখি জে দরপ্রাজা খোলা ভোমার কল্যার॥ একজনা ব্যো আছে কাছেতে তাহার
अधारित (पश्चिम्ना (पाट्य (नाकाइटिक हाट्य। (पाछाइम्ना मिरे यिष धितलाग (मार्क्स काताशादा ताथियाছि कातन (माराव॥ भाव करणा मिका এত করিলো গাঙার * উদ্ধির নাজের সুনে এই मिशाहात । किछिदिनत कथाकि ना कितन এতবার * होकिनात ठाइँ२ আছেন তুয়ারে॥ মনুষ্য থাকুক পক্ষি আসিতে না পারে * এই কথা বুটি তেয়া জাহে হেথা হৈতে॥ গোটাল কহিল গিয়া দেখনা চক্ষেতে * মহারাজা এই কথা জানিবার ভরোদুই চার লোগ লিয়া গেল কারাগারে* ৰহা রাজ। বলে আন কয়েদি খাতির॥ চৌকিদার শুনে কৈল হুজুরে জির * মালিনি চালাক ছিল মহারজে দেখি॥ছল কোরে কেন্দে উঠে লৈ ছল আথি * শুন্থ মাহারাজ ধর্ম অবতার॥ কোথায় না দেখি আমি এত অবিচার * কথন না শুনি আমি তোমার অক্ষোত॥ কহিবারে ক ফাটে দেখে এ তুর্গতি ক তোমার কোটাল জেয়ে আমার ঘরেতে কত শত অত্যাচার করে নানা মতে ঃ জোর হাতে মানাহি জে করি নারে বার॥ আর জে দোহাই আমি দিইমু তোমার * কত গালাগালি কল আমার খাতেরে। অবশেষে ধরিয়া আনিল দোহাকারে*লাত ঘুনা শত শত মারিতে মারিতে॥ বন্দ কোরে রাখিলেন জেহেল খানাতে * এতেক মিনভি জিদি মহারাজ শুনে॥ খালাস করিয়া তবে দিল তুই দনে * মালিনি নিজাম লিয়া আইল ঘরেতে॥ রমনির কত ছলা বোঝ মকলেতে * সাবাস্থ অগো সাবাস্যালিনি॥ তোমার বুদ্ধির মত কোথায় না শুনি * চোর হয়ে সাধু হৈলে এত বুদ্ধি তোর। সাধুর কারনে তুমি বানাইলে চোর
ভাষা বাদে, মহারাজ জুকুম করিল'। কোত্য়ালের তরে লিয়া বন্দ খানা দিল
ক্ষ কোত্রাল বেচারা সেই বেগর তকছিরে॥ পায়ে বেড়ি বন্দ থানা দেখ বেরাদরে * এখানেতে अवाव की कार्य कार्य कार्य। वरल वृत्यि (पर्या भागा ना श्रेट्य बात * পেয়ে নিধি হারাইর হারহ হার॥ আর সেই প্রান নাথে পাও৷ হবে वाश्र अरेक्ट्र के किथा कर मार्गामा ध्या कर कामना क्लिम इश्हेल निष् * किन क्षिण जिया भार भन किलि इति॥ काशा लुका

ইলে মেরে বিভেদের ছুরি * বিভেদ অনলে জান জলিছে আমার॥ বাবাজি ওতোন ছাড়া করিল এ বার * এতেক করিয়া খেদ রহে চুপ হইয়া॥ গান এক আরম্ভিল সোন দেল দিয়া *

米 키이 米

আমার দহিছে জিবন॥
দেখা দিয়ে কোপা লুকালে এখন *
কেন এসে দেখা দিলে, মন প্রান কেড়ে নিলে, বল
কোপা গেলে ভোমার পাব অন্নেমন * কোথা
ওহে প্রান কান্ত, দেখা দিয়ে কর থেন্ত, মন অন্ত,
করো নিবারন * মরি ভোমার অমিলনে, বাচিনা২
প্রানে, হিন কবিকারে ভনে, ভাব কি কারন *
* নেজাম এরাবতীকে লইয়া শ্রীধর রাজার
দেশে আদিবার বয়ান *

🔭 🛪 भयात्र 🦇 এরাবতী এই গান গাইতে আছিল॥ এয়ছা ওতে ছিয়া কেটে ফজর হইল 🗱 মন মরা বলে রহে পেরেদান দেলে॥ পাগ (लत गड कड गत्नर वं ल * अथात निकाय अतम गालिनित (एत् ॥ আলার দ্রগায় মর্দ্দ সোক্রানা জে করে * তাহা বাদে মালিনিরে মিনতি করিয়া॥ কহিলেন সাহাজাদিরে দেহ আনাইয়া * মালিনি কহেন বাবা ভাব নাহি কিছু॥ এহার বিহিত শেষে দেখা জাবে পিছু * একথা নিজাম শুনে থামস হইল॥ ভাল নন্দ কোন কথা কিছু না কহিল * এक দिन यानिनि (क वाशाना क्रिया।। विवित्र कार्रान मेर क्रिन জাইয়া * শুনে এরাবতী বিবি থোসাল হইল॥ রাজ নিশি ভোক কালে আসিয়া পোছিল * মালিনির তরে বিবি ছালাম করিয়া॥ মিনতি করিয়া কহে মালিনি লাগিয়া * শুন আক্ষা মেরা এই তোমর দোওয়াতে॥ খালানি পাইন্ন দেখ বন্দখানা হৈতে * তার পরে সোনার মহর কিছু লিয়া॥ মালিনির তরে বিবি দিল নেওা জিয়া * এই বাত চিতে রাত গোজারিয়া গেল॥ খুসি হালে মালিনির ডেরেতে রহিল * দিন গোজারিয়া রাত পৌছিল আসিয়া॥ এরাবভী কহে বাত নিজামে তুসিয়া * সোন্ধ প্রান্নাথ আরজ আমার॥ এখানেতে थाका आत ना रुप्त এতবার * এই কথা তু দিন পরে প্রচার হইবে॥ জ্ঞান বাচাইতে তবে মুক্ষিল হইবে * হেখা হৈতে জাই চল মুল্ল কৈ

তোমার॥ (मान প্রান নাপ লেহ আরজ আমার ৪৯ এই বাতে তুই জনা स्थल कि तिया। प्रतिकि कि कि निल (नकालिया * मिट हो कि বি দোহে জাইয়া জে বসে॥ কহিল লইয়া তুমি চল মেরা দেশে * শ কথা স্থানিয়া চৌকি হাওায় উভিল॥ শ্রীধর রাজার দেশে জাইয়া भिष्टिम अ अञातिम पूरे छत्न चाभनात घरत॥ चनत महल विरु कार्य ভার পরে 🕸 কমলাবতী সুমতি লালমতি শুনে ॥ পড়িতে উঠিতে গেল मिलाय (क्यार्य क्र हार्ति क्रमा क्रथव है। (मक्राय পাগলার এই ছিল নছিবেতে * আহা কি নছিব দেখ নেজাম পাগলার॥ अभित्र भूताति भाग्न फकला चाल्लात अ वितिया यिनल हाति विवि होषि পেতে।। চারিদিগে তারা জেন চাদ বিচ খানেতে अ তার পরে রাভ भिषातिया जिप (भन ॥ ताजात छक्ट्र उत्य (नजाम भी हिल * শেলামে দেখিয়া রাজা বড় খোসালিত॥ আপনার কাছে লিয়া বসায় রিত * পুছিতে লাগিল রাজা নেজামের তরে॥ কহ বাবা কি রূপেতে শাইলে বিবিরে * নেজাম স্থানিয়া এহা কহিতে লাগিল। রাহে জেতে জেখানেতে জাহা গোজারিল * একে একে মহা রাজে নেজাম শুনায় বছত কলেলা পেয়ে আইনু হেখায় * এ কথা সুনিয়া রাজা খোসাল ইয়া। বহুত তারিফ করে নেজাম লাগিয়া * সাবাস মা বাপ তেরা নাৰাল হেক্ষত॥ এয়ছা কাম করে কেবা কাহার তাকত 🗯 রহ বাবা ৰতে তুমি খুদি খোসালিতে। অধিন নাপাক কছে রচে পয়ারেতে *

পচাইয়া খাবে সেহ তবু ভাল তারে * এই ফেকেরেতে বসে কত কিন জায়। এক রোজ তিন জনা পুছিল তাহায় % সোন বুওা কহি কিছ তোমার লাগিয়া॥ মোদের খছম ছিল পাগল হইয়া * তুমি কি তাহার মত পাগল আছিলে॥ কিছার রূপেতে মজে দেওানা হইলে * সামা সিদা আছিলেন সেই সাহা জাদি॥ দেলের মাঝারে তার নাহি ছিল বদি * এরাবভী একে২ কহে জত বাত॥ জেরপেতে পেয়েছির পটের ছুরাত * জেরপে পাগল হৈয়া গিরিত্ তালাবে॥ জেরপে উঠা हेशा जात्न वान्तिशन मत्व * (जक्रां कर्यन हेर्ड थानाम भाहेन একে২ সাহাজাদি তামাম কহিল ¾ তার পরে কিরুপেতে তুসমনি করিবে॥ আল্লাচাহে শেষে তার বয়ান হইবে * অধিন কহেন দেব আর কিবা হয়॥ সতিনী হিসেতে তিন জনা মারা জায় * বদি কৈলে বদি ফলে সকলেতে বলে॥ এই কথা দেখ ভাই আছে কালে সতিনের পিয়ালায় বিস গুলে খায়॥ তরু নাহি কার তরে সে পিয়ালা কারনে দেয়% সতিনী ফছাদ বড় বোঝ বুরু গনে। এত ঝাল হয় বল কিনেই अध्यावजी मिडनी पिरगत निक्रि । भना कात्रत्न * আহওাল কহিবার বয়ান *

* পয়ার ছল * শোন হে রসিক লোক দেল লাগাইয়া॥ লিবিয়া
জানাই কিছু সবার লাগিয়া * সতিনের বাল বড় হয় সতিনের ॥
মারিতে এহার তরে চড়েন ফেকের * সাদা সিদা এরাবতী কিছু নাই
জানে ॥ আপনার আহওাল কহে তাদের ছামনে * সোন অগো বুরু
জানি চুক্লের বয়ান ॥ কহিতে চুক্লের হাল না সরে জবান * একরোজ
স্বয়ে ছিয়্ ঘরেতে আপনার॥ পতির বিহনে বড় ছিয়্ল বেকারার *
সোপে আমি বেতাব আছিয়॥ ভাবিতে ভাবিতে আমি
ঘুয়াইয়া গেয় * চেতন হইল মেরা আওাজে বাসির॥ বিরহ আওনে
ফের হইয়্ অস্থির * টিকিতে না পারি দেল গেল বেগড়িয়া॥ দেবিয়্
বহুত রাত আছমানে চাহয়া * সেই অক্তে নেকালিয় মাকান হইতে ॥
বাসিয় আওাজ ধোরে জাই নে দিগেতে * একেলা রাত কালে নেক
লিয়া গেয়॥ ডয় ভয় কিছু আমি সে সময় না পাইয় * আজিম দরিয়া
এক ছামনে মিলিল॥ দরিয়ার পরে বাসি! বাজিতে আছিল * লাচার
হইয়্ আমি দরিয়া নেবিয়া॥ কাট এক ভাসে তাহা দেবি তাকাইয়া
কাই কাট পরে আগি চড়িয়া বিসমু॥ ধিরে ধিরে হাত দিয়া বাহিতে

লাগির * এল হির মার্জি গিয়া উঠিতু আড়ায়॥ তার পরে কভ দুর হাটির রাহায় * ভাকাইয়া দেখি এক তালিসান ঘরে॥ বাসী বাজিতেছে তাহা কি কব সবারে 🗱 আসক আগুন মোর উঠিল জলিয়া॥ দৌড়া ইয়া ফির খালি জাবার লাগিয়া * কিরূপে জাইব আমি ভাবিতে আছির এমন ওজেতে এক জিজির দেখিয় 🕸 সেইত জিজির ধোরে গেমু উপ রেতে॥ নও জওান বসে এক দেখি নজরেতে * বেহুদীর হালে গেনু নিকটে তাহার॥ জগুল দেখিয়া তবে কারনে আমার * আমার দিগেতে দেহ চাহিয়া রহিল॥ বাজাইতে ছিল বাসী রাখিয়া জে দিল * আমি গিয়া তাহা বাদে বিদ তার কাছে॥ সেইত জণ্ডান ফের শোর তরে পোছে 🏇 কোথা হৈতে আইলে তুমি রমনি কাহার॥ যোর নিসিতে ডর নাহিক তোমার ৪৯ এ কথা বলিয়া হাত দিল বাড়াইয়া॥ তাহে কি আমারে কোলে লিভ উঠাইয়া * এয়ছা ওক্তে কহিলাম নাম বাবাজীর॥ আর কিছু না কহিল আমার থাতির 🛠 দহসত পাইয়া मिटे फेटिंग थाए। टिल ॥ जामात कात्र कात्र कालाम कार्त्स अटल विशो माश्काषि (कगरन ७ এला। ंडे वालाशाना भरत कि कर्त চড়িলে * আমি সুনে কহি উঠি রসি পাকড়িয়া॥ দেখাইতে গেনু রসি তাহাকে লইয়া ঋ রসি নহে সাপ সেটা জাইয়া দেখির॥ দেখিরা ভাহারে আমি ডরাইয়া গেনু * তাহা বাদে জণ্ডা মদ্দ আমাকে লইয়া॥ শেখা হৈতে ভেবে চিতে আইল চলিয়া ঋ এয়ছা ভাতে কত দুর নেক निয়া গেন্তু॥ "সেইত দ্বিয়ার ধারে জাইরা পৌছিত্ন 🗱 আমার কারনে পেহ কহিতে লাগি । কেয়ছা ভাতে হৈলে পার মেরা তরে বল॥ নাও কিন্তি কিছু নাই এই রাত কালে৷কিরূপেতে পার হয়ে এখানে আইলে 🌞 জেই কাট ধরে আমি পার হয়ে ছিনু॥ সেই কাট বান্ধিয়া জে রাখিয়া আইমু * সেই কাট জ্ঞা মৰ্দে দেখাইমু লিয়া। অবাক হইল মৰ্দ তাহাকে দেখিয়া * কাট নহে সোন বুওা মড়া সেই ছিল।। তাহাকে দেখিয়া দেলে ডর মেরা হৈল ¾ তাহা বাদে জণ্ডাযদ্দ যাজি তরে ডেকে॥ চড়িয়া কিন্তির পরে লইয়া আমাকে * দরিয়া হইল পার আমাকে लहेश।। जागांत घरत्र उत्र मिन (शोहाहेश अ छारा वार्ष कक्षाः मक्त ताथिया जामादा। विनया जारेन मिरे जाभनात घरत * এই कशा তিন জনা সুনিল জখন॥ আপদেতে ঠারা ঠারি করে তিন জন 🕸 চল ৰুত্তা এয়ছা দাঙ আর না পাইব।। সামির কারনে সব জাইয়া কহিব *

প্র কথা ঠারা ঠারি করিয়া অমনি॥ নেজামের আপে চলে করিছে তুসমনি * অধিন কহেন অগো না কর এমন॥ সভিনের সাতে আগোনা কর ফছাদ॥ মিনে জুলে চল সবে যেটাইয়া সাদ *

* তিন জনা সতিনি এরাবতীর তুসমনি করে ও এরাবতীর
 উপ পতির বাদ দেয় এবং আথেরে কমলাবতী
 ও লালমতী ও সুমতী মারা জায়

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

 *

* 717 *

অগে। ভেবে দেখ মোনেই মিছে এ সংসার॥
বুঝে দেথ কথা রাখ ভূমি আছ কার *
এসে ভবের ভাবে, কেন মিছে মর ভেবে, ভবের
হাট ভাঙ্গবে কবে, সে ভাব ভাবো এক বার॥ কেন
আর কর ধন্দ, লোকেতে বলিবে মোন্দ, মুনসী বলে
কপাল মন্দ, মন্দ আর কোরনা কার *

* तार्श शामिम এका विल इन्ह *

সোন অগো জত বিবিগণ ॥ সোন সবে লাগাইয়া মোন * সতিনীর সাতে হিস কি কারন ॥ মানা করি না কর এমন * কেতাবেতে লেখা এ প্রকার ॥ লিখি সোন বয়ান তাহার * জিনি ছিল থাতে মোন নবি ॥ তিন চারি আছিলেন বিবি * আয়ছা ছিদ্দিকা জিনিছিল ॥ নবির পিয়ারা জে আছিল * দেখ সেই আয়সা ছিদ্দীকা ॥ সতীন নিগে নাহি ছিল বাকা ৪৯ দেখ কেয়ছা করিল গোজরান ॥ বুঝে দেখ জত বিবী য়ান * কেহ দেখ সতিনের সাতে ॥ বাগড়া করেন নানা মতে * কেহ সেখ সতিনের ঝালে ॥ মরে সেই রসী দিয়া গলে * কেহ দেখ সতিনের কারে ॥ মরে গিয়া পানিতে ডুবিয়ে * কেহ দেখ সতিনের তরে ॥ হলাহল বিষ দিয়া মারে * এই কথা আছে কালে লালে ॥ তার পরে সোনহে সকলে * এক রোজ তিন জনা মিলে ॥ সামির হুজুরে এহা বলে * সোন তুঝে কহি প্রাণ নাথ ॥ তোমার পিয়ালির বাত * কহে শেই পিয়ারি তোমার ॥ হামেসা কর জাছারে

পিয়ার * তিনি এক জঙা মর্দের সাতে॥ পিরিতি করিল নানা মতে * জেয়ছা ভাভে নদী পার হৈল। জেয়ছা ভাতে তার ঘরে গেল * সেই জ্ঞতা মর্দ্দ জেয়ছা ভাত।। এরাবতীরে রাখে এক রাত 🗱 জেয়ছা ভাতে णानाथन किल । ५८कर जागाग किल्ल * छनिया (निकाय (शर्व मान॥ वल वुवि। ना विकामान क्र छात्रा वादन करू छिन छत्न॥ এতবার এতে করিব কেমনে * তারা বলে সোন প্রান নাথ

। তার মুখে সোনাব এ বাঙ
% তাহা হৈলে মোনে আপনার॥ হইবেক ভাহাতে এতবার * নেজাম বলে এই বাত ছহি॥ আর কিছু ভোমা निर्गिकि कि भागांकि ध मानां कि माना जाता वाल हलह বাগানে * বাগানেতে গাড়া জে খুদিব॥ তক্তা বন্দি তাহাতে করিব * তুমি রবে ভিতরে তাহার॥ সোনাইব এই স্মাতার

ভাষরা জে উপরে থাকিব॥ তাহার মুথেতে জে শুনাব * নেজাম সুনে মঞ্জুর করিয়া॥ বাগানেতে আইল চলিয়া * গাড়। খুলে ভক্তা বন্দি কোরে॥ শেজাম রহে তাহার ভিডিরে * এরা তিন জনা তার পরে॥ কহে বাত এরাবতীর তরে * সোন বুরু এক ঠাই থেকে॥ ঘরে মোন নাহি আর টেকৈ * চল বাগানেতে আজ জাব॥ (দল বাহলাইয়া জে আাদব * এই কথা বলিয়া সকলে॥ আইল সবে বাগানেতে চলে * চারি দিগে ভামাসা দেখিয়া॥ নেজাম জেখা পৌছিল আসিয়া * জে গাড়াতে ছাপাইয়া ছিল॥ তক্তা বন্দী করিয়া রাথিল * সেই থানে খুসি থোসা সিতে॥ বসিলেন চারি সভীনেতে * তার পরে এরাবভীর তরে॥ তিন জনা কহে এ প্রকারে * সোন্ধ দোন বুবু জানি॥ সেই কথা কহ দেখি তিনি শ্ব দেই জন্তা মর্দের সহিতে॥ জে কাম করিলে নানা মতে 🕸 শুনি वाति चार्म रहेन। कर तूतू मिरे कथा वन अ अवावजी अ कथा শুনিয়া।। কহে ফের তাদের লাগীয়া * জেরপেতে আওাজ বাসির।। শ্রেনে মন নাহি হয় স্থির * জে রূপেতে নেকালিয়া গেনু॥ জেরুপেতে উঠিয়া * জেরপেতে সেই ঘর বীচে॥ নবিন জপ্তান বসে আছে * জামার কারনে জে রপেতে॥ হাত বাড়াইল জে ধরিতে * এই কথা खर्यन रिलल॥ (क उक्ताय नत्य राम छिल * मिरे उठा उथिन र्रेकिन॥ তাহার মাজেরা এই ছিল 🕸 সোনাইতে নেজামের ভরে।। এ কারনে ঘা তাতে মারে % তাহা বাদে পুছিতে লাগিল। তার পরে কি হইল -

বল * এরাবতী চালাকি করিয়া॥ ভাব বিবিন্ন লইল বুঝিয়া * ভিন জना भिलिया এহারা॥ দুসমনি করিবেক মেরা * এই কথা দরিয়াপ্ত कतिशा॥ वटल निन्म (अल एक छूछिशा ३६ जाता वटल निर्मित शामादि ॥ খাব বুঝি দেখিলে ভাহারে ৽ এরাবজী শুনে কহে ভবে॥ ঠিক কথা দেখেছিত্ব থাবে * তিন জনা সুনে কাপে ডরে॥ বাচাও না দেখি এই वाति * जारा जाला পর शत दिनात ॥ ऐभारा ना दिनिथ এই বার * এয়ছা ওজে গাড়ায় থাকিয়া॥ নেজাম জে উঠিল কুদিয়া * গোসার ভরিয়া মর্দ্দ গেল॥ তিন জনে কহিতে লাগিল 🕸 সোন ওরে বেহায়া বদজাত ॥ তুসমনি করিলে এর সাত ¾ জেয়ছা সবে দুসমনি করিলে ॥ তার মজা চাখ গাড়া তলে 🕸 এই কথা নেজাম বলিয়া। তিন জনে গোস্বাতে ধরিয়া 🔆 সেই গাড়ে নবাকে গাড়িল॥ দেখ ভাই জান भिकालिन अ এই कथा गव कोई वला। विन किल्न हार्ड्य करन अ জেই জনা পরের জেদায়॥ গাড়াখুদে মারিতে তাহায় * পরের খাতেরে কি মারিবে॥ আপনি তাহাতে মারাজাবে * হয় নয় বুবে (नश (गात्न॥ এই कथा राज अर्ब छात्न ३ श्राकान गूनमी राज ॥ এই क्था जाएक काल काल %

> * সদাগরজাদা কিন্ধর আপনা মুল্লুকে এরাবতীকে লইয়া আসিবার বয়ান *

* ত্রিপদী * সুমতী ও লালমতীরে, কমলাবতীর তরে, এক গাড়ে রাখে তিন জনে ॥ এরাবতী লিয়া সাতে, আইলেন সেথা হৈতে মালিনির পৌছিল মাকানে * খুসি খোসালিতে রহে, মোন গম নাহি দোহে; কত দিন গোজারিয়া গেল॥ এক দিন আচানকে, আপনার মুল্ল কে, জাইবার খিয়াল হইল * কান্দে জে মা বাপ বোলে, থিয়াল আইল দেলে, কলেজা জে উঠিল জলিয়া॥ এই সোগে সাধুবর, কান্দে মর্দ্দ জারে জার, মা বাপের জুদাই লাগিয়া * সাধুবর তার পরে; জাহাজ তৈয়ার করে, তাহা বাদে আছবাব লইয়া॥ সাজাইয়া মন মত; মালিম কাপ্তান কত,জাহাজেতে লিল উঠাইয়া *এরাবতী লিয়া সাতে,উঠিলেন জাহাজেতে, লঙ্গর তুলিয়া ফের দিল॥ দিল পাল উঠাইয়ে; চলে সুবাতাস পেয়ে, বাও ভরে ভাসিয়া চলিল * কত দিন ভেমে জায়, আপনা মুল্লুক পায়,লঙ্গর করিল জেঘাটেতে॥ কেন্তু গিয়া ছওদাগরে, খবর কহিল তারে, কিস্কর।পৌছিল দেসেতে * ছওদাগর সোনে জিদ উথালে খুসির

শিদি, কাণা ছিল সোগেতে বেটার॥ ছোলেম্যানি ছুর্মা জেন, আথেতে কে দিল হেন,খুনি ভরে পায় দেখিবার* ভাহা বাদে বিবির ভরে, কিন্ধর লইয়া ঘরে,আইনেন খুসি খোসালিতে॥ আসিয়া বাপের পায়, ছালাম করিল তায়, ছওদাগর লইল বুকেতে * ছেরে মুখে দোছা দিয়া, আইল বালাই লিয়া, দোয়া কত দিলেন বেটায়॥ কিঙ্কর তার পিছে, মায়ের খবর পোছে, ছওদাগর কহিল তাহায় * দোন কহি বাবা জান, তোমার জে আন্ধাজান, তেরা দোগে এত্তেকাল কৈল॥ কিন্তর শুনিয়া এহা, বছত কান্দিল তাহা, বাদে দেলে ছবর করিল * এইরূপে কত দিন, কাটাইল व्यामिशिन, शम जाति मन दूरत शिम॥ এक निन श्रिम (मर्टन, वार्भन তজুরে বলে, কন্যা এক এনেছি কি বল * বড় সে রূপদী বিবি, কি কব রূপের খুবি; চন্দ্র বরাবর রূপ তার॥ এহার জন্যেতে কত, মুছিবত সত্ উঠাই পোন সমাচার * কুলের কুলিন বড়া, কি কহিব সে মাজেরা, কিছুমাত্র নাহিক আয়েব॥ কপাল মোর জোর হৈল, সেই জন্যে পাওা গেল, জাতে এরা বড়ই হাছেব ঃ রাজি হও আপে জদি, কর মোবারক বাদি; আসা পুরা হইবে আমার॥ শুনিয়া তাহার বাপ, রাজি হইলেন আপ, সাদি আনা করিল ভৈয়ার * দিন শুনে রবিবার, লগন করিল তার প্রতিবাসী জত ছিল আর্ । নিমন্ত্রণ মবাকারে, করিল জত কিঙ্করে, বলে ভাই সাদি জে আমার * সকরের রাজা জত, বায়েনা করিল কত, বাজাওলা হইল তৈয়ার॥ বাজা জে বাজাইতে, লাগিল সে নানা মতে, সে, বাজার কি কবো বাহার * রাস্তার তুই ধারে, গেট বান্দা থরে২, ঝাড় ফানুস খুব টাজাইল॥ কারিগার চিন হৈতে, মাজাইল মন মতে নকসা করে কারিগর দিল * বলে নকদা মত আজ, কর গোলসাজি কাজ, আমিরানা হয় জে বাহার॥ কারিগার কত শত, মজলেছ করে মন মৃত, সকলেতে করিল তৈয়ার * ঝাড় ফানুস কত শত, লটকাইল মন মত, আমিরানা হইল মজলেল। মেরাসিন আইল আর, কি কব বাহার তার, বারো তেরো তাহাদের বয়েস * বাইজি আইল কত, মুজরা ওলি শত শত, ছিল তারা নেহাত কমসিন॥ পোনেরো সোল বর্দের, নাচ আলি বাহারের, গায় গীত রাত আর দিন * মহাক্ষদ মুননী বলে, রছু লের পাও তলে, আমি হিন মুখের প্রধান॥ নাহি আছে বিদ্যা বুদ্ধি নাহি মেরা আছে সাদি; লোক মাঝে না শ্বরে জবান * খালি নাম মেরা মুনদী, জেমন দে ফুল বাদি, খোদব কিছু নাহি মেলে ভার॥

মহাক্ষদ মেলাইয়া, নামের তাজিম কিয়া, রাখিলেন আমি থাক ছার के লিখিবারে এ কবিতা, চুক জদি হয় কোথা, থাতা মাফ সকলে করিবে॥ ভুল নাহি কর তারে, থাতা না লইবে মোরে, থাকি আমি জন্ধল মাঝার এই তক বলে জাই, মাফ করে দিবে ভাই, আমি হীন অথম লাচার এক গান এই থানে, সোন সবে বন্দুগনে, গায় গান বাহারের সাতে বাহার স্বরেতে গায়, হিন বৃদ্ধি বলে হায়, পেরালা বাজি করে সক্লেতে

॥ গান বাহার **

হায়রে বিদেশী বন্ধু আমি তােরে পাইনে॥
তােমার জন্মে পাগল হয়ে চুড়ি বনে বনে
এসেছি ভিকারি হয়ে তােমায় চুড়ে পাইনে প্রিয়ে,
কোথায় তুমি আছ লুকায়ে, এসাে২ মাের সনে
সায়েরতে বলে ধনি, পাবে তােমার শুন মনি,
তেব না গাে চাদ বদনি, বুঝে দেখ মনে মনে
**

अ এরাবতী বিবির সাতে নেজামের বিবাহ হইবার বয়ান अ

* ত্রিপদী ছন্দ * থানার আঞ্জাম কত, করিলেন অবিরত; লেখা সেথা তামদারি হৈল। কত-দেশ হৈতে আর, আইলেন বেশুমার, ভাল ভাল বাবরচি আইল * বাবরচি আইল কত, পেতিলা জে শতং, খানা পাকায় জেথায় সেথায়। ছকুম ছিল আমিরানা, জেথা সেথা থাবে, খানা, গরিব ফকির জে সবায় * পোলাও বিরিঞ্চি আর, হারিসা কি মজাদার, কোপ্তা কাবাব থরে থরে। ফিরনি জার্দা রুটী নানা, জেমন বাদনাই থানা থার, লোক কাতারে কাতারে * জেই থায় সেই খানা, তিন দিন সেই জনা, ভুক পেয়াস না থাকে তাহার। এখানেতে নঙুসা লিয়া, হলদি উপটন কিয়া, গায়ে সবে মলে জে নঙুসার * আলাই বালাই লেয়, কত রকম গান গায়, একেং সোনহে সকলে * না শুনিবে জেই জন, তুক্ষিত হইবে মন, প্রাণ জুড়াবে সে গান শুনিলে * গান গায় বাহারেতে, মেরাসিন জেই মতে, গায় গান আজব রজের। মধুর খারে গান গায় সায়েরান বলে হায়, তান মান বড় বাহারের *

* পয়ার * তার পরে সোন সবে জতেক সুজন ॥ নঙ্গা সাজায়
সবে করিয়া জতুন * তুলহিনের তরে জান খুব সাজাইল ॥ বানারিদ্ব
সাড়ি তারে এনে পেলাইল * সব নামের কুরতা দিল গায়েতে তাহার ॥
কিম থাবের চাদর গায় দেখিতে বাহার * তার পরে জেওর আনে কত
কমের ॥ পেলাইল এরাবতী বিবির খাতের * নঙ্সাকে ওই মত্ত
পুব সাজাইল ॥ মজলিসে আনিয়া তারে বসাইয়া দিল * কাজি জিকে
ডেকে এনে সাদি পড়াইল ॥ আমিন আমিন ভাই সকলেতে বল * তার
পরে বর কুরি আনিলেক ঘরে ॥ আরমি লইয়া দেখাইল দোহাকারে *
এরাবতী খুসি মনে রহিল ঘরেতে ॥ পুথি সায় হয়ে গেল সোন সক
লেতে * আমিন আমিন বল জত দিন দার ॥ কেছা তামাম হৈল
নেজাম পাগলার শু

* (नकाम भागनात भूशि ममाश्व *

* यूही गव एक *

কিছা শুরু ও মোহন ছওদাগরের বয়ান *
হওদাগর জাদা কিন্তর ছওদাগরিতে জায়
ক বিদেশী জওানের জবানি কনলাবতীর ছুরত শুনিয়া কিন্তর বেকা বার হয় ও আথেরে ফকিরের ভেদে তালাদে জায় তাহার বয়ান
ভবাগরজাদা আপন কি পাগল বানাইয়া রাজবাটীতে জাইবার বয়ান ১২

ক নিজাম পাগলা,

* 5 *	
	28
উজ্লিরের নিকট নেজাম চোরাইয়া থত লিখিয়া পৌছাইবার বয়ানঃ	-
উজির নেজামের ফোনে পড়িয়া আপন লাড়কাকে বন্দখানায় দেয়	
ভাহার বয়ান *	56
माश्कानि क्यलावजी यालिनी क वालनात वाश्कान करह *	२२
নেজাম পাগল রাক্ষ্য মারিতে জাইবার ব্য়ান 🔅	२७
সাহাজাদি কমলাবভীর নিকট হইতে নিজাম বিদায় ইইবার বয়ান	24
कुक्ष इट्रें हाक्स्मत जान मिक्लिया गात उलालगडी क	
मानि कतियात यहान *	26-
রাজ কন্য। কমলাবতীর থেদ 🗱	3
মালিনি নেজামকে লইয়া কমলাবতীর সহিত মোলাকাত	/
করাইবার ব্যান 🗱	৩১
	00
	9 9
শ্রীধর রাজার সাতে বাহ্মন লড়িতে জায় তাহার ব্যান্ *	19
নেজাম ও বাহ্মনের দেছিরা দিনের লড়াই *	৩৯
সুমতি ও নেজামের সাদির বয়ান *	. 82
সুমতীর সিজারের বয়ান *	28
गानिनी कमनाव जी क नरेश ता इ व जिएक तम झायक प्रियारेट	
লইয়া জায় তাহার ব্য়ান *	89
নেজাম ও কমলাবতীর ছণ্ডাল জণ্ডাব ও মান ভঞ্জন ও আধেরে	
বিবাহ হয় তাহার বয়ান 🗱	-89
কমলাৰতী ও লালমতি ও সুমতি তিন জনে ছুৱাতের দেমাগ করে	
ও তোতা পাথি এরাবতীর রূপের বয়ান করে 🔅	(to_
রাজ কন্যা বাগানে জায় ও নিজামের তছবির খরিদ করে এবং	
এক চিত্রকরের জবানি নেজামের রূপ শুনিবার বয়ান *	80
নেজামের ভছবির এরাবভীকে দেয় ও এরাবভীর ভছবির উঠাইয়া	1
লেয় এবং ছওদাগর আপনার দেশে জায় তাহার বয়ান *	49
নেজাম এরাবভীর ভছবির দেখিয়া বেকারার হয় *	(d)
নেজাম এরাবতীর তালাদে জায় ও এরাবতী কয়েদ খানায়	. Q.
বন হইবার বয়ান *	Lo

ছওদাগর জাদা নেজামের সাতে এক দরবেসের মোলাকাত	
হয় ও এরাবতীর দেশে জায় *	60
নেজাম এক মালিনির ডেরে থাকে ও সাহাজাদি এরাবতী থাব	
দেখিয়া বন্দখানা হৈতে খালাস পাইয়া নেজামের সাতে	
মোলাকাত হইবার বয়ান *	Fa
ছওদাগর জাদা নেজাম ও এরাবতীর কয়েদ হইবার বয়ান *	৬৮
কোতপ্তালকে বন্দথানা দিইবার বয়ান **	9.
নেজাম এরাবতীকে লইয়া শ্রীধর রাজার দেশে আদিবার বয়ান *	95
এরাবতী সতিনি দিগের নিকটে আপন আহণ্ডাল কহিবার বয়ান *	18
তিন জনা সতিনী এরাবতীর দুসমনি করে ও এরাবতীর উপপতির	
বাদ দেয় এবং আখেরে কমলাবতী ও লালমতি ও স্মতী মার। জায়	95
ছওদাগর জাদা কিন্তর গাপনা মুল্ল কে এরাবতীকে লইয়া	
আসিবার বয়ান *	96
এরবিত্তী বিবির সাতে নেজামের বিবাহ হইবার বয়ান **	b •
* युषी शत मगा ४ *	

विकाथन।

* প্রথম সত্তাধিকারীর বিজ্ঞাপন *
সর্বসাধারনকে জানাইতেছি যে শ্রীমহাক্ষদ মুন্দী সাহেব এই
নেজাম পাগলা নামক কেতাব রচনা করিয়া আমার নিকট উচিত মুল্যে
কাপি রাইট বিক্রয় করিয়া নিসন্ত হইয়াছেন। এইক্ষণে আমি সত্তবান
হইয়া উক্ত কাপি রাইট অনেক মেহনতে ও নিজ্ঞগরচের দ্বারায় আপনারয়া
জিয়াপ্রেসে দ্বাগাইলাম ॥ কিন্তু আমার বিনা অনুমতিতে এই কেতাব কেহ
ভাপিবেন না ॥ জিদি কেহ দ্বাপেন তবে আমার ক্ষতি পুরনের দাইক
হইবেন ইতি

সান ১৩০৭ সাল, ১লা আবাড় ॥

কেনির ১৩২।৬ নং বারী

 কিয়োলদিন খান

 নিবেদক—শ্রীবিয়াজদিন খান

**

* ৮৪ * বিভিন্ন সতাধিকারীর বিজ্ঞাপন।

এতধারা সর্বিসাধারনকে জ্ঞাত করান জাইতেছে যে, এই নিজাম পাগলার পুস্তকের কাপী সত্যের হক, সভ্ঞাধিকারগণদের নিকট হইতে উচিত মুলো ১৩২৩ সালের ১ই ভালু তারিখ এক কিন্তা রেষ্ট্রীকৃত দলিল দ্বারায় ক্রয় করিয়া সত্যবান হইয়া, নিজ নামের মোহর দ্বারা আপন ওসমানীরা প্রেসে ছাপাইয়া প্রকাশ করিলাম ॥ অদ্য হইতে এই পুস্তক আমার বিনামুমতীতে যে কেহ ছাপেন বা ছাপান, তাহাতে আমার যে ক্ষতি হইবেক, সম্পুর্ণ ক্ষতিপুরনের দাইক হইবেন। প্রকাশ থাকে যে, এই পুস্তক নিজে ছাপিবার সময় পুস্তকের পুর্বকৃত ভাষা অনেক পরিবর্তিত পরিবন্ধিত করিয়া ছাপা গেল, এহাতে গ্রাহকগণ ক্রয় কালিন যেন মনে কোন প্রকার সন্দেহ না করেন। নিবেদন ইতি। সন ১৩২৩ সাল তারিথ প্রচা চৈত্র॥ নিবেদক শুকিত ভাষা আনেক প্রিত্ত সাল তারিথ প্রচা চৈত্র॥

এতদাতা অনুগ্রাহক গাহক মহোদয়গন দিগের সমীপে আমি বিনিত তাবে জানাইতেছি যে, বোধ করি আপনাদের সদা সর্বদাই (কোরান সরিক) কেতাব পুথি পুস্তক ইত্যাদির দরকার হইয়া থাকে, ও ভজ্জন্য অন্যত্র ওয়াডার দিয়া ঠকিতেছেন॥ তার কারন এই আপনি य দোকানেই ওয়াডার দেন না কেন কোন দোকান দারই নিজে দোকানে থাকে না, বাড়ীতে থাকে, কাজে কাজেই মাল পত্ৰ ঠিক.মত জায় না॥ সুত্রাং আমি নিজে দোকানে সর্বদা থাকিয়া সয়ং মাল পত্র দেখিয়া শুনিয়া পাঠাইয়া থাকি একটি বাদ আমার নিকট একটা ওয়া-তার দিয়া দেখুন যে, কি সুন্দর পরিস্কার মত মাল পাঠাইয়া দেই ও কত সুন্দর মাল পান, আবার সর্বাপেকা দরে সুবিধা।আমারদোকানে আর্থী ফারদী কেতাব কোরান সরিফ সর্ব প্রকারের ছাপা মঙ্কুদ থাকে ও হিন্দি বাংলা নাগরী পুথী পুস্তক নাটক নভেল গানের বই গীভাভিনয় স্ফ লপাঠ্য পুস্তক সকল প্রকার উপস্থিত মৌজুদ রাখা হয় স্বয়ং আসিয়া কিসাপত দ্বারা ডিঃ পিঃ পারশেলে অর্থাৎ যে ভাবে আপনার সুবিধা হয় লইতে পারেন তাহাতে সন্দেহ নাই, প্রতারনা নাই॥ বিশেষতঃ আমি নিজ প্রেসে পুস্তকাদি ছাপাইয়া থাকি জানিবেন, বেশী লেখা বাহল্য একবার পরিক্ষা প্রাথ নীয়॥ ইতি--- নিবেদক-শ্রীমহাক্ষদ কোরবান আলি

শাচা লড়ায়ের গতন পুস্তক। মৌলবী আজহার আলি প্রণীত॥ ছহি জঙ্গে রচুল ও জঙ্গে হজরত আলি

----000

লড়ায়ের পুস্তক পরিবার জন্য ছাজকাল পাঠকদের সকলেরি মনের অভিলাস কিন্তু বাজারের জঙ্গে খয়বর, ফতুহ স্বাম আমির হামজা গং লড়ায়ের কেতাব বছতর প্রচলিত আছে কিন্তু তাহা পাঠ করিয়া আর পরিতৃপ্তি হয় না,কারন সেসমন্ত কেতাব বহুদিবসাবধি পড়াহইতেছে ও তাহার হাবভাব গুলিওপ্রায় লোকেই জ্ঞাতব্য। শুতরাং সকলেই বলেন যে এর জেলে ও সাচ্চা কোন লড়ায়ের কেতাব হইয়াছে কি না আমি এই সমস্ত দেখিয়া শুনিয়া বহু পরিশ্রমে ও বহু অর্থ ব্যয়ে মৌলবী আজ্হার আলি সাহেবকে দিয়া আরবি তৌয়ারিখ হইতে তরজ্মা করা ইয়া এই আদল হিরক হার, আজ পাঠকমহোদয় গনের গলায় তুলাইলাম পাঠক মহোদয় গনের মনরঞ্জন বাসনা পুর্ণ হইলেই আমার সমস্ত পরি শ্রম সফল মনে করিব॥ এই জঙ্গে রছল রেছালায় যে যে বিশয় লিখিত হইয়াছে তাহা সামান্য বিজ্ঞাপনে লিখিয়া প্রাকাশ করা অসাধ্য পাঠ করিলেই জানিতে পারিবেন যে সর্ব প্রকার লড়ায়ের কেতাব হইতে এটা উত্তম হইগাছে কি না জিনি একবার পাড়বেন তিনার মুক্তকণ্ঠে বলিতে रहेरव रच अजी मर्नारभका यथाय हे **ऐखम॥ अहारिक ह**कत्व तहून করিম ছঃ স্বয়ং লড়াই করিরা যে যে ভাবে যে যে দেশে পবিত্র এসলাম ধর্ম স্থাপীতকরিয়াছেন, এবং হজরত আলি করমুল্লার সাতে বিবি ফাডেমা রাঃ বিবাহ ও এমাম হাদেন ও হোদেনের জন্ম এবং বিবি ফাতেমার মৃত্ত এবং হজরত রছুল কঃ ও হজরত আলি কঃ দোন একত্রে কাবার বোজ তুড়িয়াএদলাম দিন জারি করান॥ও এক্ষেন্দারিয়া, এরান তুরান তোগান যোগান স্বামএরাক, খয়বর সহর,বাছেরা সহর গং দেশের বেদিনের সাতে লড়াই করিয়া দিন জারি কড়ান॥ আবার হজরত আলি হইতেই যে ফকিরি মারফতের ভেদ সকল ওলমা গনে প্রাপ্ত হইয়াছেন তাহার নিদর্শনও ছেজরাএবং হজরত আলি কঃ সাহেবের মৃত্ত ও লাশ কোথায় কবর হয় তাহা অর্থাৎ হজরত আলির জন্ম হইতে মৃত্ত পর্যান্ত জিবনে य य लड़ाई उ य य कर्छ कतिया ছেन তাহার বিশেষ বিবরন লিখিত হইয়াছে সামান্যবিজ্ঞাপনে কত লিখিব পাঠ করিলেই বুঝিতে পারিবেন পুস্তক থানা ২৪ প্ৰায় সমাপ্ত মুল্য ডাক মাণ্ডল সমেত॥ ও দুণ আনা

व्यानियानियान्। हित्यतीत

সুলভ বিজ্ঞাপন, আবশ্যক মতন নিচের ঠিকানায় পত্র লিখুন।

মেফ তাহলজানাত বড় খয়রল হাশার जातवादेन दापिछ कद्भ इज्ल मशिं (माना শিরিফরহাদ শাশুরী জামাই अत्नामा ऐक् क्वान এর সাদে কাউয়ালি আথবার ছালাত ছোলেমানি তালেনামা আখবারল অজুদ একশ্ত ত্রিশ ফ্রুজ সংশার চরিত্র ক্ষরভজ্মান থাবনামা বেনজির নাটক ছুরতনামা গোলশানে ওস্বাক ইন্দ্ৰসভা অজুদনামা নিজাম পাগলা গোলে আরজান হেদাএতল ফোচ্ছাক

থয়রলবসার মৌলুদ মরুহর মালতি মুরবক্ত নওবাহার সাহাদতে কারবালা शामगात वावत লক্ষি শনির ঝগড়া তাশ্বিহল গাফেলিন রৌশন জামাল হটিল্লা গাজি সহিদে মরতজা মারফত নামা নুরনামা क (क (ছ। इत्राव দেলারাম মধুমালতী বড় ছায়েত নামা কু মিয়া গোলে হরমুজ লায়লি মজু আজাএব ছোলেমানি কালুগাজি চাম্পাবতী नानवान मानायान তুদ্মেহের গাজ সোলভান জমজমা

স্থানাভাবে সকল রকম পুস্তকের নাম দেওয়া গেল না পত্র লিখিলে সকল পুস্তকই পাইবেন।

পত্র লিখিবার ঠিকানা---শ্রীমহাম্মদ কোরবান আলি। ১১ নং মেছুয়াবাজার ষ্ট্রীট, ওসমানিয়া লাইব্রেরী কলিকাতা।